THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 263 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष अमावस्या 2082 शुक्रवार, 19 दिसंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

CASAGRAND building aspirations | THE CASAGRAND STANDARD

CASAGRAND building aspirations | THE CASAGRAND STANDARD

*Based on CBRE report 2024 | T & C Apply

CASAGRAND
building aspirations

Our finely crafted homes at Hyderabad.
Exclusive site visit available.
Visit model house at site

CASAGRAND CRESTWOOD
Pudur
Just 5 mins from Medchal Exit 6
TS RERA: P02200010193
www.rera.telangana.gov.in

CASAGRAND GS INFINITY
Attapur
5171/GHMC/CHR/2025-BP
TS RERA: P02500009503
www.rera.telangana.gov.in

CASAGRAND EVON
Kompally
013326/BP//HMDA/2977/MED/2023
TS RERA: P02200009350
www.rera.telangana.gov.in

CASAGRAND BELAIR
Gowdavalli
5 mins from ORR Exit No. 5
006469/LO/HMDA/1516/MED/2024
TS RERA: P02200009521
www.rera.telangana.gov.in

and more...

63840 02459

WHY CASAGRAND?

Top 7 Ranked in India	**Top 2** Ranked in South India	**No.1** Ranked in Chennai for last 8 years*	**22+ years** of Trust & Legacy	**7000+** Homes sold (June'24 - May'25)	**6 Cities** Chennai, Bengaluru, Hyderabad, Pune, Coimbatore & Dubai
2 months Guaranteed rental	**6 months** Guaranteed resale	**7 years** Warranty	**10 years** Maintenance by us	**2000+** Quality checks	**On-time** Delivery of projects

Scan to View Our Quality Promise

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 263 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष अमावस्या 2082 शुक्रवार, 19 दिसंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मणिकराव कोकाटे का मंत्री पद से इस्तीफा

मुंबई, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार में खेल मंत्री रहे मणिकराव कोकाटे ने आखिरकार मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। इसे लेकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने एक्स पर एक पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने लिखा, महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री और मेरे पार्टी सहयोगी माणिकराव कोकाटे ने माननीय न्यायालय के फैसले के बाद मुझे अपना इस्तीफा सौंप दिया है। हमारी पार्टी के उस दीर्घकालिक सिद्धांत के अनुरूप कि कानून का शासन सर्वोपरि है और सभी व्यक्तियों से ऊपर है, मैंने सैद्धांतिक रूप से उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। मैंने संवैधानिक प्रक्रिया के अनुसार उनका इस्तीफा माननीय मुख्यमंत्री को उचित विचार और स्वीकृति के लिए भेज दिया है।

'नीतियों के साथ ही आर्थिक डीएनए भी बदला है'

दोनों देशों के व्यापार को नई गति मिलेगी : पीएम मोदी

मस्कट, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ओमान दौरे का आज दूसरा दिन है। आज पीएम मोदी की मौजूदगी में भारत-ओमान के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। इसे लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस समझौते से 21वीं सदी में भारत-ओमान की साझेदारी में नया विश्वास और उत्साह का संचार होगा।

> भारत-ओमान बिजनेस फोरम को पीएम मोदी ने किया संबोधित :

पीएम मोदी ने भारत-ओमान बिजनेस फोरम के कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कहा, भारत-ओमान साझेदारी को ये सम्मेलन नई दिशा, नई गति देगा और दोनों देशों के संबंध नई बुलंदियों पर पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, सभ्यता के आरंभ से ही हमारे पूर्वज एक दूसरे के साथ समुद्र के जरिए व्यापार करते रहे हैं। मांडवी और मस्कट के बीच अरब सागर एक मजबूत पुल बना। इस पुल ने हमारे रिश्तों को मजबूत किया और संस्कृति और अर्थव्यवस्था को ताकत दी। आज हम कह सकते हैं कि समुद्र की लहरें बदलती हैं, मौसम बदलते हैं, लेकिन भारत और ओमान की दोस्ती हर मौसम में मजबूत होती है। प्रधानमंत्री ने कहा हमारा रिश्ता विश्वास की नींव पर बना है और समय के साथ गहराता चला गया है। हमारे कूटनीतिक संबंधों को 70 साल हो गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, आज हम ऐतिहासिक फैसला ले रहे हैं, जिसकी गूंज आने वाले कई दशकों तक सुनाई देगी। व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता 21वीं सदी में हमारी साझेदारी को नया विश्वास और नई ऊर्जा देगा। इससे व्यापार को नई गति मिलेगी और निवेश का भरोसा बनेगा। पीएम मोदी ने कहा बीते 11 वर्षों में भारत ने न सिर्फ नीतियां ही नहीं बदली हैं बल्कि भारत ने अपना आर्थिक डीएन ही बदल दिया है। जीएसटी ने भारत को एकीकृत बाजार में बदल दिया है और दिवालिया संहिता से पारदर्शिता को बढ़ावा मिला है और निवेशकों का भरोसा भी बढ़ा है।

> भारत के तेज आर्थिक विकास का जिक्र किया

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और ओमान के रिश्ते व्यापार से शुरू हुए और आज शिक्षा इन्हें मजबूत बना रही है। पीएम मोदी ने कहा कि ओमान के भारतीय स्कूलों में 46 हजार छात्र पढ़ाई कर रहे हैं और इनमें ओमान में रहने वाले अन्य समुदाय के लोग भी हैं। इसके बाद पीएम मोदी ने भारत के तेज आर्थिक विकास का जिक्र किया और कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। पीएम मोदी ने उनकी सरकार के कार्यकाल में आईआईटी, आईआईएम और एम्स की संख्या में बढ़ोतरी का भी जिक्र किया।

प्रधानमंत्री ने भारत के अंतरिक्ष मिशन की उपलब्धियों का भी जिक्र किया और कहा कि हम चांद के साथ दक्षिणी ध्रुव तक पहुंचने वाले पहले देश हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन होगा। इसके बाद पीएम मोदी ने भारत की कई अन्य उपलब्धियों का जिक्र किया।

पीएम मोदी को एक और सर्वोच्च सम्मान

मस्कट, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक और सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया है। ओमान ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान के लिए उन्हें 'ऑर्डर ऑफ ओमान' से सम्मानित किया है। राजधानी मस्कट में ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक अल सईद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऑर्डर ऑफ ओमान से सम्मानित किया है।

इथियोपिया ने भी किया सम्मानित :

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी को इथियोपिया ने भी 'ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया' से सम्मानित किया था। यह सम्मान इथियोपिया के प्रधानमंत्री डॉ. अबी अहमद अली ने उन्हें दिया था।

बता दें कि पीएम मोदी इस सम्मान को पाने वाले दुनिया के पहले प्रधानमंत्री हैं।पीएम मोदी को संयुक्त राष्ट्र ने भी पर्यावरण संरक्षण के लिए 'चैंपियन ऑफ द अर्थ' पुरस्कार से सम्मानित किया था।

'वीबी-जी-राम-जी' विधेयक पारित

> कृषि मंत्री बोले-बापू का अपमान कर रहा विपक्ष

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद में आज विपक्षी दलों के हंगामे के बीच शिवराज सिंह चौहान ने विकसित भारत जी-राम-जी विधेयक पर विस्तार से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष सरकार का जवाब सुनना ही नहीं चाहता। केंद्रीय कृषि मंत्री ने सरकार की तरफ से जारी आंकड़े पेश करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने फंड का दुरुपयोग किया, लेकिन हमारी सरकार ने विकास कार्यों पर खर्च करने पर जोर दिया। शिवराज सिंह चौहान ने दावा किया कि सरकार किसानों के साथ-साथ गरीबों के कल्याण के लिए विधेयक लाई है, जिसका विरोध किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, सबसे पहले इस पवित्र सदन में मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं। सभापति महोदय को धन्यवाद देना चाहता हूं। इस विषय पर हमने माननीय सदस्यों के विचार सुने हैं। अब जवाब देना मेरा अधिकार है। मैं आपसे संरक्षण चाहता हूं। मैंने रात के डेढ़ बजे तक माननीय सदस्यों की बात सुनी है। अपनी बात सुना देना और फिर जवाब न सुनना ये लोकतांत्रिक परंपराओं को तार-तार करना है। संविधान की धज्जियां उड़ाना है। ये बापू के आदर्शों की हत्या भी कर रहे हैं। अपनी बात सुना दो और हमारी न सुनो। ये भी हिंसा है। यह बापू के आदर्शों की हत्या करने का काम कांग्रेस और बाकी विपक्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सबसे पहले मैं पूज्य बापू (राष्ट्रपति महात्मा गांधी) के चरणों में प्रणाम करना चाहता हूं। बापू हमारी श्रद्धा हैं। बापू जी हमारे आदर्श हैं। बापू हमारी प्रेरणा हैं। बापू हमारे विश्वास हैं। इसलिए माननीय अध्यक्ष महोदय भारतीय जनता पार्टी ने अपने पंच निष्ठाओं में गांधी के सामाजिक-आर्थिक दर्शन को स्थान दिया है। हम गांधी जी के आदर्शों पर चलने वाले हैं। गांधी जी ने ही कहा था कि गांव भारत की आत्मा है। अगर गांव मर जाएंगे, भारत मर जाएगा।

भारत-ओमान के बीच मुक्त व्यापार समझौता

> 98 प्रतिशत भारतीय निर्यात बिना किसी शुल्क के होगा संभव

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और ओमान ने गुरुवार को एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत भारत के 98 प्रतिशत निर्यात को ओमान के बाजार में ड्यूटी-फ्री पहुंच मिलेगी। इस समझौते से खास तौर पर कपड़ा, कृषि उत्पाद और चमड़ा उद्योग को बड़ा फायदा होने की उम्मीद है। इसके बदले में भारत ओमान से आने वाले कुछ उत्पादों पर आयात शुल्क में कटौती करेगा। इनमें खजूर, मार्बल और पेट्रोकेमिकल उत्पाद शामिल हैं।

यह समझौता अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही से लागू होने की संभावना है। ऐसे समय में यह करार अहम माना जा रहा है, जब भारत को अपने सबसे बड़े निर्यात बाजार अमेरिका में 50 प्रतिशत तक के ऊंचे शुल्क का सामना करना पड़ रहा है।

केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ओमान के वाणिज्य, उद्योग और निवेश प्रोत्साहन मंत्री कैस बिन मोहम्मद अल यूसुफ से मुलाकात की। इस बैठक में भारत-ओमान के बीच आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की गई। गोयल ने इस बातचीत को उत्पादक बताते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंध पहले से ही मजबूत हैं और उन्हें नई ऊंचाइयों तक ले जाने की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।

सोशल मीडिया पर साझा संदेश में पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और ओमान के बीच बढ़ता आर्थिक जुड़ाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सुल्तान हैथम बिन तारिक के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि नेताओं की मौजूदगी में होने वाली आगामी बातचीत से सभ्यतागत रिश्ते गहरे आर्थिक सहयोग के नए अध्याय में तब्दील होंगे। यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को अपने तीन देशों के चार दिवसीय दौरे के अंतिम चरण में ओमान पहुंचे।

लाखों की हेरोइन तस्करी मामले पर पुलिस की कार्रवाई, दो आरोपी गिरफ्तार

वैशाली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार एसटीएफ की विशेष टीम और वैशाली जिला पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बिदुपुर थाना क्षेत्र से करीब 10 लाख रुपये मूल्य की हेरोइन के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 42.18 ग्राम हेरोइन, एक आधार कार्ड, एक रेल टिकट और 1,270 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। तस्करों से पूछताछ के बाद पुलिस ने गिरफ्तार दोनों आरोपियों सहित कुल चार नामजद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। यह जानकारी सदर-1 अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) सुबोध कुमार ने आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। एसडीपीओ ने बताया कि वैशाली पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए लगातार सघन वाहन जांच और छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

फिर काम आई बेटी !

चुपके से लालू यादव पहुंचे इस बेटी के पास

पटना, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव एक बार फिर अपनी बेटी के सहारे इलाज के लिए दिल्ली पहुंचे, लेकिन इस बार उनकी यात्रा गुपचुप रही। आंखों की गंभीर समस्या से जूझ रहे लालू यादव अचानक दिल्ली पहुंचे और अपनी बेटी मीसा भारती के आवास पर ठहरे। इसकी भनक पार्टी नेताओं से लेकर समर्थकों तक को नहीं लगी। इससे पहले लालू यादव को उनकी बेटी रोहिणी भी कीडनी दे चुकी हैं। इस बार राजद सुप्रीमो मीसा का घर चुने हैं।

बेटी मीसा के यहां रुके हैं लालू

लालू यादव को अचानक आंख से दिखने लगा धुंधला

जानकारी के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से लालू प्रसाद यादव की आंखों की रोशनी में अचानक दिक्कत बढ़ गई थी। जिस आंख में पहले मोतियाबिंद का ऑपरेशन हो चुका है, उसी आंख से उन्हें धुंधला दिखने लगा। हालत बिगड़ने पर दो दिन पहले उन्हें पटना के आईजीआईएमएस अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद सलाह दी कि उसी अस्पताल में दिखाया जाए, जहां पहले ऑपरेशन हुआ था।

इसके बाद परिवार ने बिना किसी सार्वजनिक जानकारी के उन्हें दिल्ली ले जाने का फैसला किया। लालू यादव परिवार के साथ सीधे दिल्ली पहुंचे और बेटी मीसा भारती के घर पर ठहरे। वहां से उन्हें एक बड़े प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों ने आंखों की विस्तृत जांच की। फिलहाल उन्हें दवाइयां दी गई हैं और दो दिन बाद दोबारा जांच के लिए बुलाया गया है।

मुश्किल समय में सहारा बनकर बेटी ही आई सामने

परिवार सूत्रों के अनुसार, आंखों के इलाज के बाद लालू प्रसाद यादव के संपूर्ण स्वास्थ्य की भी जांच हो सकती है। हालांकि अभी फोकस आंखों की समस्या पर ही है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि लालू यादव की यह 'चुपचाप' दिल्ली यात्रा जानबूझकर गोपनीय रखी गई, ताकि किसी तरह की अफवाह न फैले। एक बार फिर मुश्किल समय में बेटी मीसा भारती उनके सबसे बड़े सहारे के रूप में सामने आई हैं।

बेंच पर सुलाकर छात्राओं से छेड़छाड़ जहानाबाद में हेडमास्टर पर गंभीर आरोप

जहानाबाद, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के जहानाबाद से छात्राओं और टीचर के बीच के रिश्ते को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक हेडमास्टर पर छात्राओं ने प्राइवेट पार्ट छूने का आरोप लगाया है।

बच्चियों के साथ हुई गलत हरकतों के विरोध में जब अभिभावकों ने स्कूल पहुंचकर विरोध दर्ज किया, तो आरोपी हेडमास्टर मौका देखकर फरार हो गया।

परिजन ने पुलिस से आरोपी की गिरफ्तारी कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। जहानाबाद जिले के मलहचक मोड पर स्थित राजकीयकृत उर्दू मध्य स्कूल के हेडमास्टर पर छात्राओं ने छेड़खानी करने का आरोप लगाया है। छात्राओं का आरोप है कि हेडमास्टर बीत कई दिनों से उनके साथ गंदी हरकतें कर रहा था। किसी को कुछ भी बताने पर वह जान से मारने की धमकी दे रहा था।

छठीं क्लास की छात्राओं अपने चेंबर में बुलाकर हेडमास्टर उनसे पैर दबाने के लिए कहता था। साथ ही बेंच पर सुलाकर गलत तरीके से छूता था। थानाध्यक्ष मोहन प्रसाद सिंह ने बताया कि हेडमास्टर के खिलाफ एक छात्रा की मां ने नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष ने बताया कि केस की जांच शुरू कर दी गई है।

हेडमास्टर की शिकायत लेकर एक छात्रा और उसकी दो सहेली, उनके अभिभावक और बड़ी संख्या में लोग आए थे। पुलिस ने हेडमास्टर से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई संपर्क नहीं हो पाया।

फ्लैट का किराया मांगने आई मालकिन के किए टुकड़े-टुकड़े

गाजियाबाद, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद में किराया मांगना एक मकान मालकिन को भारी पड़ गया। यहां के राजनगर एक्सटेंशन में स्थित एक सोसाइटी में पिछले 5 से 6 महीनों से किराया न देने वाले किरायेदार दंपति ने किराया मांगने पहुंची मकान मालकिन की हत्या कर दी। इतना ही नहीं हत्या के बाद आरोपियों ने शव के टुकड़े कर उन्हें एक सूटकेस में भरकर बेड के अंदर छिपा दिया। कई घंटों तक महिला के लापता रहने पर जब उसकी तलाश शुरू हुई तो सीसीटीवी की मदद से पुलिस किरायदारों तक पहुंची। हालांकि आरोपियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन असफल रहे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपियों को हिरासत में ले लिया। फिलहाल मामले की जांच जारी है। घटना गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन स्थित औरा चिमेरा सोसायटी की है। दीपशिखा शर्मा निवासी एम-105 ओरा सुमेरा सोसायटी राजनगर एक्सटेंशन अपने दूसरे फ्लेट पर किराया लेने गई थी।

देर रात तक वह घर नहीं पहुंची तो उसकी तलाश शुरू हुई। सीसीटीवी फुटेज में वह शाम के समय फ्लैट की ओर जाती दिखाई दी, लेकिन वापस आते हुए नहीं दिखी। इस पर संदेह गहराने पर सोसाइटी के लोग किरायेदारों के फ्लैट तक पहुंचे। आरोपियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन असफल रहे। शोर-शराबा होने पर आसपास के फ्लैट्स से लोग बाहर आ गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपियों को हिरासत में ले लिया और मामले की जांच जारी है।

गाजियाबाद में दरोगा रिवाल्वर में मैगजीन न लगा सके

डीसीपी के निरीक्षण में पुलिस की खुली पोल, सामने बदमाश होते तो क्या होता

गाजियाबाद, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद में गुरुवार को डीसीपी देहात सुरेंद्रनाथ तिवारी ने देहात के निवाड़ी थाने का निरीक्षण किया, इस दौरान सभी शस्त्र जमीन पर रखे हुए नजर आए। डीसीपी ने एक-एक पुलिसकर्मी और एक-एक दरोगा से सभी शस्त्रों के बारे में पूछा। फिर इन शस्त्रों को खुलवाकर जब उन्हें बंद करने के लिए कहा तो 2 दरोगा रिवाल्वर में मैगजीन ही नहीं लगा सके। इसकी एक वीडियो भी सामने आई है।

सवाल यह है कि आखिर अपराधी सामने होते और पुलिस के कि यह स्थिति हो जाए तो फिर पुलिस पर सवाल खड़े होने लाजमी है। पूरे मामले में अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं, वीडियो में कई पुलिस कर्मी साथ में खड़े हुए दिखाई दे रहे हैं, तो बराबर में निरीक्षण करने वाले डीसीपी सुरेंद्रनाथ तिवारी भी दिखाई दे रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी व साइबर ठगी मामले में एनआइए की बड़ी कार्रवाई

आरोपित की दो संपत्तियां जब्त

पटना, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी और साइबर धोखाधड़ी से जुड़े एक बड़े मामले में कड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपित की अवैध रूप से अर्जित दो अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया है। यह कार्रवाई वांछित आरोपी आनंद कुमार सिंह के खिलाफ की गई है, जो वर्तमान में कंबोडिया में रहकर इस संगठित अपराध को संचालित कर रहा था।

एनआइए द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, आरोपी आनंद कुमार सिंह ने अवैध कमाई का उपयोग करते हुए अपनी पत्नी के नाम पर महाराष्ट्र के ठाणे में एक फ्लैट और बिहार के सिवान जिले में एक भूखंड खरीदा था। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि ये दोनों संपत्तियां अपराध से अर्जित धन से खरीदी गई थीं। इसी आधार पर एनआइए ने कानूनी प्रक्रिया के तहत इन्हें जब्त

कर लिया है। एजेंसी की जांच में यह भी सामने आया है कि आनंद कुमार सिंह भारतीय युवाओं को अच्छे वेतन वाली वैध नौकरियों का झांसा देकर विदेश, विशेष रूप से कंबोडिया, ले जाने में शामिल था। वहां पहुंचने के बाद इन युवाओं को जबरन साइबर धोखाधड़ी जैसे अवैध कार्यों में लगाया जाता था। कई मामलों में युवाओं के पासपोर्ट जब्त कर लिए जाते थे और उन्हें शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना का भी सामना करना पड़ता था।

अदालत ने यह भी निर्देश दिया है कि इन संपत्तियों की नीलामी से प्राप्त धनराशि को जब्त कर सरकारी खजाने में जमा कराया जाए। जांच एजेंसी के अनुसार, आरोपी एक ऐसे संगठित गिरोह का हिस्सा था, जो भारत के आर्थिक रूप से कमजोर और बेरोजगार युवाओं को निशाना बनाता था। सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से आकर्षक नौकरी के विज्ञापन देकर युवाओं को फंसाया जाता था। एनआइए का कहना है कि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच लगातार जारी है।

रेलवे ट्रैक पर मिला सीमेंटेड स्लीपर–तेजस एक्सप्रेस 27 मिनट तक रोकी गई, बड़ा हादसा टला

उन्नाव, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में मगरवारा रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर सीमेंटेड स्लीपर मिलने से अफरा-तफरी मच गई। यह स्लीपर डाउन लाइन पर रखा मिला, जिसकी सूचना तुरंत रेलवे कंट्रोल को दी गई। इसके बाद कानपुर–लखनऊ रेल रूट पर सतर्कता बढ़ा दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही नई दिल्ली से लखनऊ जा रही तेजस एक्सप्रेस को सुरक्षा कारणों से गंगाघाट स्टेशन पर रोक दिया गया। तेजस एक्सप्रेस रात करीब 8:52 बजे गंगाघाट स्टेशन पहुंची, लेकिन सिग्नल ना मिलने के कारण उसे लूप लाइन पर खड़ा कर दिया गया।

करीब 27 मिनट तक ट्रेन स्टेशन पर खड़ी रही, जिससे यात्रियों में भी हल्की चिंता देखने को मिली। सूचना मिलते ही जीआरपी, आरपीएफ और रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे जांच के बाद रेलवे अधिकारियों ने बताया कि आशंका है कि गिट्टी उतारने के काम के दौरान स्लीपर ट्रैक पर आ गया हो, हालांकि मामले की जांच की जा रही है।

'ओमान में फंसी मां, वापस ला दो...' कानपुर की बेटी ने पीएम और सीएम से लगाई गुहार

कानपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। कानपुर के जाजमऊ इलाके में ओमान में नौकरी का ऑफर सुनकर एक महिला अच्छे पैसे कमाने के लालच में खुशी-खुशी जाने को तैयार हो गई। इसके बाद वह ओमान चली गई और नौकरी भी करने लगी, लेकिन कुछ दिन बाद भारत में महिला ने अपनी बेटी से फोन पर बताया कि वह ठीक है। इसके बाद एक महीने तक बेटी का अपनी मां से संपर्क नहीं हो पाया।

जब बेटी एजेंट से मिलने गई तो एजेंट ने कहा कि अगर मां को वापस लाना है तो डेढ़ लाख रुपये और देने होंगे। इसके बाद बेटी ने भारत के प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से अपनी मां को ओमान से वापस लाने की गुहार लगाई है। बेटी का कहना है कि नौकरी का झांसा देकर एजेंट ने उसकी मां को ओमान भेजा था। उसने बताया कि पिछले दो महीने से उसने अपनी मां को नहीं देखा है और अब उससे कोई संपर्क भी नहीं हो पा रहा है।

नालंदा में एसटीएफ की कार्रवाई, हथियार तस्करी का पर्दाफाश

एके-47 के कारतूस और चाइना मेड पिस्टल के साथ पांच गिरफ्तार

नालंदा, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एसटीएफ और स्थानीय पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। लहेरी थाना क्षेत्र के सोहन कुआं मोहल्ले में संयुक्त छापेमारी कर पुलिस ने हथियार तस्करी के एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में पांच तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें झारखंड के पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) जिले के तीन सगे भाई भी शामिल हैं। मौके से भारी मात्रा में अवैध हथियार, गोला-बारूद और एक स्कॉर्पियो वाहन बरामद किया गया है।

गिरफ्तार आरोपियों के पास से 'मेड इन चाइना' लिखी पांच पिस्टल, एके-47 के 153 जिंदा कारतूस, छह मैगजीन और एक स्कॉर्पियो जब्त की गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नगर थाना क्षेत्र के बारादरी निवासी परवेज, मुंगेर निवासी सौरभ झा तथा झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के जीआरजई, महबूब और जाहिद हुसैन के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार झारखंड के तीनों आरोपी आपस में सगे भाई हैं और आपराधिक गतिविधियों में लंबे समय से सक्रिय रहे हैं।

लहेरी थानाध्यक्ष रंजीत कुमार रजक ने बताया कि एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि सोहन कुआं मोहल्ले में स्थित त्रिभूवन प्रसाद के मकान के एक फ्लैट में हथियारों की बड़ी खेप की डिलीवरी होने वाली है। सूचना में यह भी स्पष्ट किया गया था कि झारखंड से कुछ तस्कर हथियार लेने आने वाले हैं।

इसके बाद एसटीएफ ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से पूरी रणनीति के साथ छापेमारी की और फ्लैट में मौजूद सभी पांचों आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

जांच में यह भी सामने आया है कि जिस फ्लैट से हथियार बरामद हुए, उसे मुंगेर निवासी सौरभ झा ने किराये पर लिया था। वही बिहार थाना क्षेत्र के परवेज और झारखंड के तस्करों के बीच संपर्क का मुख्य सूत्रधार था। पुलिस रिकॉर्ड खंगालने पर पता चला है कि परवेज को वर्ष 2013 में भी लहेरी थाना पुलिस ने 600 कारतूस के साथ गिरफ्तार किया था। वहीं झारखंड के तीनों सगे भाई हत्या समेत कई संगीन मामलों में पहले जेल जा चुके हैं और हाल ही में जमानत पर बाहर आए थे।

पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ है कि आरोपी केवल हथियार तस्करी ही नहीं, बल्कि जमीन की खरीद-बिक्री के कारोबार से भी जुड़े हुए थे। आशंका जताई जा रही है कि अवैध हथियारों से होने वाली कमाई को वैध दिखाने के लिए रियल एस्टेट के धंधे का इस्तेमाल किया जा रहा था।

फिलहाल सभी आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हथियारों की आपूर्ति कहां से की जा रही थी और इन घातक हथियारों को किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। साथ ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी तेज कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई नालंदा और आसपास के जिलों में अपराध पर अंकुश लगाने की दिशा में बड़ी सफलता मानी जा रही है।

चंद्रशेखर उर्फ रावण को सहारनपुर दंगों के मुकदमों में राहत नहीं

सभी एफआईआर व मुकदमों की कार्यवाही रद्द करने की याचिका खारिज

प्रयागराज, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नगीना के सांसद चंद्रशेखर के विरुद्ध सहारनपुर दंगों से संबंधित एफआईआर और उनके आधार पर लंबित आपराधिक कार्यवाही रद्द करने से इनकार कर दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन ने दिया है। कोर्ट ने कहा कि एक ही दिन की विभिन्न घटनाओं के लिए अलग-अलग एफआईआर दर्ज की जा सकती हैं। सहारनपुर के कोतवाली देहात थानाक्षेत्र में 09 मई 2017 को हिंसा और आगजनी के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं पर पथराव, आगजनी व सरकारी अधिकारियों पर हमले का आरोप लगाया था। इसके बाद उसी दिन अन्य एफआईआर भी दर्ज की गईं, जिनमें निजी संपत्ति के नुकसान, भवन में आगजनी और पुलिसकर्मियों पर हमले के आरोप थे। चंद्रशेखर ने याचिका में चारों एफआईआर और उनके मुकदमों की पूरी कार्यवाही को रद्द करने की मांग की। कहा गया कि एक ही घटना के लिए कई एफआईआर दर्ज करना गलत है। सभी घटनाएं एक ही दिन, एक ही भीड़ ने अंजाम दी। ऐसे में चार एफआईआर रद्द की जाएं या उनके आरोपपत्रों को पहली एफआईआर के पूरक आरोप पत्र के तौर पर माना जाए। अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि सभी घटनाएं एक बड़ी साजिश का हिस्सा थीं। ये सभी अलग-अलग स्थानों पर हुई थीं और सभी के गवाह अलग हैं। कोर्ट ने सभी याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि घटनाएं एक ही दिन की हैं, लेकिन उनके स्थान, समय व पीड़ित अलग-अलग हैं। जांच में किसी बड़ी साजिश का खुलासा होता है तो अलग-अलग एफआईआर दर्ज करना न्यायसंगत है।

लिव-इन को हरी झंडी! हाईकोर्ट बोला-बिना शादी साथ रहना कोई गुनाह नहीं!

प्रयागराज, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप भले ही समाज में स्वीकार्य नहीं है, लेकिन ऐसा हम नहीं कह सकते कि यह 'गैर-कानूनी' है। शादी से पहले किसी कपल का साथ रहना, कोई अपराध नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि कोई भी व्यक्ति, लड़का हो या लड़की।

अगर वो बालिग है, उसे अपने जीवन में किसके साथ रहना है और किसके साथ नहीं, वो उसका निजी फैसला है। कोर्ट ने कहा कि व्यक्ति के निजी फैसले में न कोई अन्य व्यक्ति और ना ही कोई परिवार का सदस्य, उसके जीवन में रोक-टोक लगा सकता है। वहीं इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले कपल द्वारा पुलिस सुरक्षा की मांग वाली सभी याचिकाओं को मंजूर कर लिया। कोर्ट ने कहा कि कोई भी कपल बिना शादी के अपने मर्जी से साथ रह सकता है। बता दें कि लिव इन में रह रहे कपल की दाखिल याचिकाओं पर जस्टिस विवेक कुमार सिंह की सिंगल बेंच ने इस पर टिप्पणी करते हुए, इस फैसले को सुनाया है। वहीं कोर्ट की एक अन्य बेंच ने किरण रावत और अन्य बनाम केस में ऐसे रिश्तों को "सामाजिक समस्या" बताया था। कोर्ट ने ऐसे रिश्तों से पैदा होने वाली समस्याओं को लेकर जोर दिया।

दायर याचिका में कपल्स की क्या मांग?

आज के समय में अक्सर यह देखा गया है कि कपल्स शादी से पहले ही अपने पार्टनर के साथ 'लिव-इन रिलेशनशिप' में रहने लगते हैं, लेकिन समाज ऐसे रिश्तों को नहीं अपनाता है। परिवार के लोगों की तरफ से इन रिश्तों को लेकर दबाव बनाया जाता है कि वो ऐसा न करें।

कपल्स का कहना होता है कि वो एक-दूसरे को अच्छी तरह से जानने के लिए ऐसा करते हैं, जिससे उन दोनों को बीच कोई गलतफहमी या कोई भी सवाल न रहे। इलाहाबाद हाईकोर्ट में लिव-इन में रह रहे कुछ कपल्स ने याचिका दायर की थी, जिसमें पुलिस सुरक्षा की मांग की थी। याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए जस्टिस विवेक कुमार सिंह ने युवाओं में जागरूकता पैदा करने पर जोर दिया है।

थावे मंदिर में चोरी, मां दुर्गा के स्वर्ण-रजत आभूषण व लॉकर से कीमती सामान ले उड़े चोर

गोपालगंज, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। थावे थाना क्षेत्र के विश्वप्रसिद्ध थावे दुर्गा मंदिर में रात अज्ञात चोरों ने भीषण चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घने कोहरे और रात के सन्नाटे का फायदा उठाकर चोर मंदिर परिसर में घुसे और मां दुर्गा की प्रतिमा पर चढ़ाए गए सोना-चांदी के मुकुट, हार सहित अन्य कीमती आभूषण चुरा लिए। इसके साथ ही मंदिर परिसर में रखे गए लॉकर को तोड़कर उसमें मौजूद बहुमूल्य सामान भी ले गए। प्रारंभिक आकलन और स्थानीय लोगों के अनुसार चोरी गई संपत्ति की कीमत करीब तीन करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही गुरुवार सुबह मंदिर परिसर में हड़कंप मच गया। पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं और मंदिर प्रशासन में भारी आक्रोश देखा गया।

श्रद्धालुओं का कहना है कि थावे दुर्गा मंदिर आस्था का प्रमुख केंद्र है और यहां सुरक्षा व्यवस्था में चूक गंभीर चिंता का विषय है। सूचना मिलते ही थावे थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। फुटेज में दो अज्ञात युवक चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए दिखाई दे रहे हैं।

हिजाब विवाद पर सियासी भूचाल

बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगें नीतीश कुमार, सांसद बर्क का तीखा हमला

सम्भल, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में आयोजित एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान नियुक्ति पत्र वितरण समारोह उस वक्त विवादों में आ गया, जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर एक मुस्लिम युवती का हिजाब जबरन हटाने का आरोप लगा। इस घटना का वीडियो और तस्वीरें सामने आने के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। संभल से सांसद जियार्रहमान बर्क ने इस घटना को "बेहद शर्मनाक और घटिया" करार देते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक मंच से किसी महिला की धार्मिक पहचान से इस तरह का व्यवहार स्वीकार्य नहीं किया जा सकता।

फेसबुक पोस्ट में उठाए गंभीर सवाल

सांसद बर्क ने अपने फेसबुक अकाउंट पर तीखी टिप्पणी करते हुए लिखा कि संविधान की शपथ लेने वाला मुख्यमंत्री यदि सार्वजनिक मंच पर किसी महिला की इज्जत और धार्मिक

पहचान के साथ खिलवाड़ करता है, तो यह केवल असभ्यता नहीं बल्कि एक नैतिक अपराध है। उन्होंने कहा कि यह घटना लोकतांत्रिक मूल्यों पर गहरी चोट है।

सुरक्षाकर्मियों की भूमिका भी सवालों में

बर्क ने अपनी पोस्ट में यह भी जिक्र किया कि हालात इतने असहज हो गए थे कि सुरक्षाकर्मी को उस लड़की को पीछे खींचना पड़ा, ताकि मुख्यमंत्री की हरकत का तमाशा और न बढ़े। सांसद ने इसे सत्ता की संवेदनहीनता का उदाहरण बताया।

बिना शर्त माफी मांगें मुख्यमंत्री

सांसद जियार्रहमान बर्क ने साफ शब्दों में कहा कि नीतीश कुमार को बिना किसी शर्त के सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह मामला केवल एक लड़की के अपमान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिला सम्मान, धार्मिक स्वतंत्रता और संवैधानिक मर्यादा पर सीधा हमला है।

मीडिया की चुप्पी पर भी उठे सवाल

सबसे चौंकाने वाली बात बताते हुए सांसद ने कहा कि इतनी गंभीर घटना के बावजूद टीवी चैनलों पर सन्नाटा क्यों है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर इस मुद्दे पर प्राइम टाइम डिबेट क्यों नहीं हो रही और बड़े मीडिया हाउस इस मामले पर चुप क्यों हैं।

कोहरे में 2 बस-ट्रक में टक्कर,एक की मौत

पटना, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। गुरुवार सुबह पटना, भागलपुर, बांका, लखीसराय, बेगूसराय, समस्तीपुर, बेतिया, गोपालगंज, सीतामढ़ी समेत 12 जिलों में घना कोहरा छाया है। पटना के कई इलाकों में विजिबिलिटी 20 मीटर है। दरभंगा में भी विजिबिलिटी कम रही। इधर, गापोलगंज में कोहरे के कारण 2 बस और एक ट्रक में टक्कर हो गई। जिसमें एक युवक की मौत हो गई। जबकि कई लोग जख्मी हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौसम विभाग की तरफ से भी गुरुवार को 5 जिलों में कोहरे को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है।

सबसे ठंडा रहा कानपुर

कानपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रदेश में कानपुर सबसे ठंडा रहा। सीएसए की मौसम वेधशाला की रिपोर्ट के मुताबिक 24 घंटे में दिन का अधिकतम पारा 1.8 डिग्री और रात का पारा तीन डिग्री लुढ़क गया। पहली बार कानपुर में रात और दिन दोनों का तापमान एक साथ प्रदेश में सबसे कम रहा। यह सुबह छह बजे के पहले तक शून्य हो सकती है। एयरफोर्स मौसम स्टेशन के मुताबिक अधिकतम तापमान 20.1 डिग्री और रात का न्यूनतम 6 डिग्री रहा।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
शुक्रवार, 19 दिसंबर, 2025 5

सुविचार
अपने मन को स्थिर रखकर सभी परिस्थितियों में धैर्य बनाये रखें

तेलंगाना में शीतलहर तेज होने की चेतावनी

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अगले दो दिनों में हैदराबाद समेत पूरे तेलंगाना में ठंड और बढ़ने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)-हैदराबाद ने शीतलहर की चेतावनी जारी की है। आईएमडी के अनुसार, अगले 2-3 दिनों में कुछ इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रह सकता है। आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, संगारेड्डी, मेदक, मंचरियाल, वारंगल, हनुमाकोंडा, विकाराबाद और कामारेड्डी जिलों में शीतलहर का असर ज्यादा रहने की आशंका है।

इन जिलों में तापमान 5 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। अन्य इलाकों में न्यूनतम तापमान 10 से 15 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। गुरुवार सुबह से ही ठंड का असर दिखाई देने लगा। टीएसडीपीएस के आंकड़ों के अनुसार, रंगारेड्डी जिले के मोइनाबाद में तापमान 6.5 डिग्री और इब्राहिमपटनम में 7.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हैदराबाद के कई इलाकों में भी तापमान गिरा। एचसीयू और सेरिलिंगमपल्ली में 8.1, मौला अली में 9.4, राजेंद्रनगर में 9.5, गाचीबोवली में 11, गजुलारामाराम में 11.4, जीदीमेटला में 11.6 और अलवाल में 12 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। जिलों की बात करें तो कोमाराम भीम आसिफाबाद में 5.7, संगारेड्डी में 6.4, रंगारेड्डी में 6.5, आदिलाबाद में 7.7, विकाराबाद और सिद्दीपेट में 8.1 तथा मेदक में 8.5 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया।

ठंड के कारण स्कूलों के समय में बदलाव

आदिलाबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में बढ़ती ठंड को देखते हुए सरकारी और निजी स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। कलेक्टर राजर्षि शाह ने गुरुवार को इस संबंध में आदेश जारी किया। आदेश के अनुसार अब प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और हाई स्कूल सुबह 9 बजे की बजाय 9:40 बजे खुलेंगे और शाम 4 बजे की जगह 4:30 बजे बंद होंगे। यह व्यवस्था अगले आदेश तक लागू रहेगी। सभी निजी स्कूलों को भी इसी समय का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। नियमों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। जिले में पिछले कुछ दिनों से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। न्यूनतम तापमान 6 से 7 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। भीमपुर मंडल के अरली (टी) गांव में गुरुवार को न्यूनतम तापमान 7.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि 11 दिसंबर को यहां तापमान 5.4 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था।

सर्वश्रेष्ठ पत्रिकाओं को 8 शील्ड प्रदान की गईं

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-04, हैदराबाद की बैठक दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्यालय रेल निलयम में को संजय कुमार श्रीवास्तव, अध्यक्ष/नराकास एवं महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में समिति के उपाध्यक्ष/नराकास, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक राजेश पी.खाडे जी, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-4 के सदस्य कार्यालयों के प्रमुख एवं प्रतिनिधिगण, हिंदी शिक्षण योजना के प्रतिनिधि उपस्थित थे। उप निदेशक (कर्यान्वयन), बेंगलूरू, अनिर्बान विश्वास, कुछ अन्य कार्यालयों के प्रमुखों/प्रतिनिधियों ने ऑन लाइन माध्यम से सहभागिता की। महाप्रबंधक ने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस समिति की बैठकों का नियमित आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षणों को ध्यान में रखते हुए हिंदी में कार्य किया जाए। बैठक के आरंभ में उपाध्यक्ष/मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक ने अध्यक्ष तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में नियमित रूप से कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। बैठक के दौरान नराकास-4 की हिंदी ई पत्रिका अक्षर भारती का विमोचन अध्यक्ष द्वारा किया गया। इस बैठक में वर्ष 2024-2025 के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करनेवाले कार्यालयों को विभिन्न वर्गों के अंतर्गत 26 शील्ड प्रदान की गईं. कार्यालयों द्वारा प्रकाशित सामान्य पत्रिकाओं, ई-पत्रिकाओं, तकनीकी पत्रिकाओं में से सर्वश्रेष्ठ पत्रिकाओं को 8 शील्ड प्रदान की गईं। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में आयोजित हिंदी नारा लेखन प्रतियोगिता, हिंदी निबंध प्रतियोगिता, हिंदी कविता पठन प्रतियोगिता, हिंदी लोक कथा वाचन प्रतियोगिता तथा हिंदी टिप्पण व प्रारूप लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

इंटरमीडिएट पास सर्टिफिकेट अब ज्यादा सुरक्षित होगा

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस शैक्षणिक वर्ष से तेलंगाना में इंटरमीडिएट पास सर्टिफिकेट और मार्कशीट पहले से ज्यादा सुरक्षित और आधुनिक बनाए जा रहे हैं। देखने में यह प्रमाण पत्र सामान्य जैसा होगा, लेकिन इसके अंदर कई नई सुरक्षा विशेषताएं छिपी होंगी। तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन ने बताया कि अब प्रमाण पत्रों में यूवी फ्लोरोसेंट फाइबर जोड़े जा रहे हैं। ये खास फाइबर नंगी आंखों से दिखाई नहीं देंगे और केवल यूवी लाइट में ही चमकेंगे। इससे फर्जी प्रमाण पत्र बनाना मुश्किल हो जाएगा। बोर्ड के अनुसार, सुरक्षा फीचर्स की संख्या 18 से बढ़ाकर 25 कर दी गई है। अब मार्कशीट पर छात्र की ब्लैक एंड व्हाइट फोटो की जगह रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो छपी होगी, जिससे पहचान आसान होगी।

अंतरराज्यीय गांजा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, 44 किलो गांजा जब्त

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विशाखापट्टनम (आंध्र प्रदेश) से दिल्ली ले जाया जा रहा अंतरराज्यीय गांजा तस्करी का एक बड़ा रैकेट सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर पकड़ा गया है। रेलवे पुलिस (जीआरपी) सिकंदराबाद, ईगल टीम (टीजीएएनबी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की संयुक्त कार्रवाई में दो पुरुष गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 44.854 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 22,42,700 रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, 17 दिसंबर 2025 को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म और ट्रेनों में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ अचानक चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान नार्को डॉग की मदद से दो आरोपियों को उस समय पकड़ा गया, जब वे गांजा लेकर दिल्ली जाने की कोशिश कर रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों में मिंटू (29 वर्ष), निवासी जे.जे. कॉलोनी, मदनपुर खादर, सरिता विहार, दक्षिण दिल्ली, नूर आलम (22 वर्ष), निवासी जे.जे. कॉलोनी, मदनपुर खादर, सरिता विहार, दक्षिण दिल्ली शामिल है। इस मामले में मुख्य गांजा तस्कर रहमान (दिल्ली निवासी) फरार है। पुलिस जांच में सामने आया कि मिंटू एक आदतन गांजा तस्कर है। वह मार्च 2024 में सरिता विहार थाना, दक्षिण दिल्ली में एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार होकर जेल गया था और दिसंबर 2024 में रिहा हुआ था। रिहाई के बाद उसने फिर से मोटे मुनाफे के लालच में फरार आरोपी रहमान के कहने पर गांजा ढोने के लिए हामी भरी और इस योजना में नूर आलम को भी शामिल किया। योजना के अनुसार दोनों आरोपी 7 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली से विशाखापट्टनम पहुंचे, वहां से विजयनगरम गए और कुछ दिन ठहरे। 16 दिसंबर 2025 को उन्हें दो ट्रॉली सूटकेस और दो शोल्डर बैग दिए गए, जिनमें लगभग 44 किलो गांजा भरा हुआ था। इसके बाद वे विजयनगरम से विशाखापट्टनम पहुंचे और कोणार्क एक्सप्रेस से सिकंदराबाद आए। यहां से वे दक्षिण एक्सप्रेस के जरिए दिल्ली जाने वाले थे। जब आरोपी सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर दक्षिण एक्सप्रेस के लिए तत्काल टिकट बुक कराने की कोशिश कर रहे थे, तभी दोपहर करीब 1:40 बजे रेलवे पुलिस ने उन्हें गांजा सहित पकड़ लिया। इस सफल कार्रवाई में जीआरपी सिकंदराबाद, ईगल टीम (टीजीएएनबी) और आरपीएफ के अधिकारियों व जवानों ने संयुक्त रूप से कार्य किया। यह पूरी कार्रवाई रेलवे पुलिस अधीक्षक सुश्री चंदना दीप्ति, आईपीएस के पर्यवेक्षण में हुई। रेलवे एवं सड़क सुरक्षा के आईजीपी के. रमेश नायुडू, आईपीएस ने इस बड़ी सफलता पर जीआरपी सिकंदराबाद, ईगल टीम (टीजीएएनबी) और आरपीएफ के अधिकारियों व कर्मचारियों की सराहना की और उन्हें उपयुक्त पुरस्कार देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की शिष्टाचार भेंट

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने जुबिली हिल्स स्थित मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री श्री रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार भेंट की। आरबीआई बोर्ड बैठक में भाग लेने के लिए हैदराबाद आए गवर्नर इस अवसर पर मुख्यमंत्री से मिले। भेंट के दौरान आरबीआई गवर्नर ने तेलंगाना सरकार द्वारा अपनाई जा रही आर्थिक नीतियों की सराहना की। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने राज्य सरकार द्वारा लागू की गई विभिन्न सुधारात्मक पहलों की जानकारी गवर्नर को दी। विशेष रूप से बिजली क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों, तीसरी डिस्कॉम (डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी) की स्थापना, तथा सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ऊर्जा क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए दीर्घकालिक योजनाओं के साथ आगे बढ़ रही है। इस दौरान आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मुख्यमंत्री से बीयूडीएस एक्ट को अधिसूचित करने का आग्रह किया और राज्य में और अधिक सुधारों एवं योजनाओं को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। गवर्नर ने यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (यूएलआई) को लेकर आरबीआई द्वारा की जा रही पहल की जानकारी भी मुख्यमंत्री को दी। इसके साथ ही सरकारी एवं निजी जमाओं (डिपॉजिट्स) के दावों से संबंधित क्लेम कैंपेनिंग के बारे में भी अवगत कराया। बैठक में राज्य के मुख्य सचिव रामकृष्णा राव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव शेषाद्रि, वित्त सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, आरबीआई हैदराबाद के क्षेत्रीय निदेशक चिन्मय कुमार, जनरल मैनेजर्स मेजर यशपाल चरण, एस. पाणिग्राही सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

रुपये में गिरावट के पीछे संरचनात्मक कारण

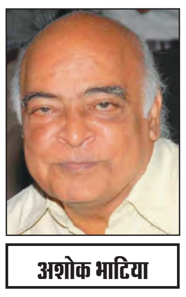

अशोक भाटिया

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की गिरावट, 90 के लगभग है इसके कारण सर्वकालिक निचले स्तर ने कई लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हाल तक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को वित्तीय स्थिरता के प्रबंधन और लचीली वित्तीय प्रणाली और मजबूत मैक्रो-इकोनॉमिक संतुलन बनाए रखने के लिए सराहना की जाती थी। लेकिन अब, भावना कम आशावादी हो रही है। सितंबर 2024 से रुपये का 3.2% से अधिक मूल्यह्रास हो गया है और अधिक बंद हो रहा है। और यह सितंबर 2024 के अंत से भारतीय स्टॉक मार्केट (NSE) को 60 ट्रिलियन या 12.6% मार्केट कैप खोने के साथ जुड़ता है. भारतीय बाजारों पर वैश्विक आवेगों की अनिश्चितताओं के प्रति दृढ़ विश्वास कम हो गया है।

स्टोर में जो है वह वैश्विक और घरेलू आवेगों से बंधे संरचनात्मक और चक्रीय दोनों कारकों से जुड़ा हुआ है। आरबीआई ने खुले तौर पर हस्तक्षेपकारी मुद्रा हस्तक्षेप के साथ इसे दबाने की कोशिश की। लेकिन, जैसे ही यह नए सिरे से डॉलर के पलटाव के सामने खुलता है, मूल्यह्रास की गति ऐतिहासिक औसत से अधिक हो सकती है। अमेरिकी डॉलर सूचकांक और INR-USD के मॉडल सहित हमारी बहु-आयामी ढांचा इंगित करता है कि डॉलर अगले छह से 12 महीनों में 90-92 के स्तर तक गिर सकता है; पूर्वाग्रह एक उच्च और तेज मूल्यह्रास की ओर है।दीर्घावधि परिप्रेक्ष्य से, INR / USD का निष्पादन चक्रीय है, चक्रीय अप-टर्न (उदाहरण के लिए, 2002-2009 के दौरान 18%) के दौरान सराहना करता है और मंदी के दौरान मूल्यह्रास करता है। 2008 में अनुक्रमित, INR-USD ने अन्य मुद्राओं (38% डॉलर उभरते बाजार सूचकांक, और 21% AE डॉलर सूचकांक) की तुलना में (90%) अधिक मूल्यह्रास किया है क्योंकि विकास अंतर बनाम वैश्विक है।

रुपए का मूल्यह्रास मतलब है कि एक डॉलर खरीदने के लिए अब ज़्यादा रुपये देने पड़ते हैं, जिससे आयात (जैसे कच्चा तेल, इलेक्ट्रॉनिक्स) महंगा हो जाता है और महंगाई बढ़ती है, जबकि निर्यात सस्ता होने से निर्यातकों को फायदा होता है, लेकिन यह अर्थव्यवस्था के लिए मिलाजुला असर डालता है, जिससे अक्सर चालू खाता घाटा (CAD) और विदेशी पूंजी के बाहर जाने (capital flight) का खतरा बढ़ जाता है, जिसे कभी-कभी अर्थव्यवस्था की 'सांस फूलना' कहा जाता है क्योंकि इससे आर्थिक स्थिरता पर दबाव पड़ता है और विकास धीमा हो सकता है।

हाल के दिनों में रुपये पर बढ़ते दबाव के पीछे कई कारण हैं, जिनमें डॉलर की मजबूती, बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता और मजबूत विदेशी मांग शामिल हैं। पिछली महत्वपूर्ण गिरावट 2022 में देखी गई थी। पिछले कुछ दिनों से बाजार की अनिश्चितता बढ़ रही है। डॉलर मजबूत हो रहा है। परिणामस्वरूप, निवेशक सुरक्षित निवेश विकल्पों की तलाश कर रहे हैं और डॉलर की ओर रुख कर रहे हैं। रुपया कमजोर हो रहा है और डॉलर की मांग बढ़ रही है। रुपया का 90 के पार जाना भी बाजार के बदलावों का प्रतिबिंब है। अमेरिकी नीतियों का भी रुपये पर असर पड़ रहा है। अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। इसके अलावा, भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते में देरी, अमेरिकी आर्थिक नीतियों और ब्याज दरों के बारे में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बढ़ती अटकलों के कारण रुपया दबाव में है। साथ ही, पेट्रोल और डीजल, मशीनरी, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक्स और यहां तक कि विदेश यात्रा की कीमतें भी बढ़ जाती हैं। जब रुपया ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गया है तो दबाव कम करने के लिए रिजर्व बैंक डॉलर बेच सकता है। हालांकि, आरबीआई का हस्तक्षेप का सीमित प्रभाव होगा। क्योंकि अभी रुपये पर काफी दबाव है। बाजार अभी भी आरबीआई के अगले कदमों पर करीब से नजर रख रहा है। अमेरिका के साथ एक बड़े व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में देरी से भारतीय रुपये में भारी गिरावट आई है।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले कुछ हफ्तों में रुपये बचाने के लिए ज़्यादा हस्तक्षेप नहीं किया है और विदेशी निवेशक शेयर बाजार से पैसा निकाल रहे हैं, जिससे रुपये पर दबाव पड़ रहा है। कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं, जिससे निवेशकों का मूड और खराब हो रहा है, जिसका मतलब है कि डॉलर की मांग बहुत अधिक है और आपूर्ति कम है, जिससे लगातार गिरावट आ रही है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की भी आशंका है, जिसका सीधा असर हमारी जेब पर पड़ेगा। लेकिन इस बार, जब रुपया थोड़ा मजबूत हुआ, तो आरबीआई ने डॉलर को ही खरीद लिया। भारत की अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत है। जीडीपी की वृद्धि 8.2 प्रतिशत है। हालांकि, डॉलर की मांग में वृद्धि के कारण, इन सकारात्मक पहलुओं पर पानी पड़ गया है और रुपया कमजोर है। इसका मतलब है कि स्थिति वास्तव में अच्छी है; लेकिन डॉलर की भूख अधिक है। मुद्रा में गिरावट का कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा दैनिक बिकवाली है। रुपया पिछले आठ महीनों से गिर रहा है और अब एक नए निचले स्तर पर है। रुपये, जो लंबे समय से स्थिर है, पिछले साल 85-90 के निशान को पार कर गया है। हाल ही में, डॉलर के मुकाबले रुपया 25 पैसे गिरकर 90.21 के नए निचले स्तर पर बंद हुआ है। अक्सर यह सुना जाता है कि 15 अगस्त, 1947 को एक डॉलर एक रुपये के बराबर था। यह विचार अच्छा लगता है। लेकिन आर्थिक तथ्य और ऐतिहासिक रिकॉर्ड हमें कुछ और बताते हैं: रिजर्व बैंक का यह दावा कि भारत की स्वतंत्रता के समय एक रुपया एक डॉलर के बराबर था, सच नहीं है, और केंद्रीय बैंक के दस्तावेज, आरबीआई, द 1991 प्रोजेक्ट डेटा से पता चलता है कि स्वतंत्रता के समय, भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के बराबर नहीं था। इसलिए ब्रिटिश पाउंड को स्टर्लिंग से जोड़ा गया था। रुपये की विनिमय दर पाउंड द्वारा निर्धारित की जाती थी। उस समय एक पाउंड की कीमत 13.33 रुपये के बराबर थी। उस समय अमेरिकी डॉलर के मुकाबले ब्रिटिश पाउंड का मूल्य 4.03 डॉलर था। भारतीय मुद्रा का पहला बड़ा मूल्यह्रास 1966 में हुआ था। इस दौरान डॉलर के मुकाबले रुपया 4.76 से 7.50 के स्तर पर आ गया। यह उस समय के अशांत समय के कारण था। देश चीन (1962) और पाकिस्तान (1965) के साथ युद्धों से त्रस्त था, जिसने अर्थव्यवस्था को पंगु बना दिया था। 1965-66 में, देश को विदेशी सहायता की सख्त जरूरत थी, और विश्व बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भारत को अपनी मुद्रा का अवमूल्यन करने का आदेश दिया। विश्व बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भारत को अपनी मुद्रा का अवमूल्यन करने का आदेश देने के बाद डॉलर के मुकाबले रुपया 7.50 तक गिर गया।

रुपये के मूल्यह्रास के मामले में 1991 देश के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष था। आर्थिक चुनौतियों का सामना करते हुए, देश ने आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत की। इस बार रुपया 21 से 26 तक गिर गया, जो भारत के आर्थिक इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण चरण था। भुगतान संतुलन संकट के कारण, भारत के पास आयात (तेल, आवश्यक वस्तुएं) खरीदने के लिए केवल तीन सप्ताह का विदेशी मुद्रा भंडार था। खाड़ी युद्ध या इराक-कुवैत युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि हुई। नतीजतन, भारत के आयात बिल में काफी वृद्धि हुई। इससे रुपया और कमजोर हो गया। राजनीतिक अस्थिरता ने देश को घेर लिया और निवेशकों का विश्वास कम हो गया। इस संकट से उबरने के लिए तत्कालीन वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और प्रधानमंत्री पी. बहुत। नरसिम्हा राव ने अर्थव्यवस्था को उदार बनाने और निर्यात को सस्ता बनाने और विदेशी मुद्रा लाने के लिए दो चरणों में रुपये का अवमूल्यन करने का फैसला किया।

मेसी मातृभाषा के राजदूत

अपने देश के खिलाड़ी विदेश में मातृभाषा में बात करने से कतराते हैं। लेकिन फुटबाल के भगवान कहे जाने वाले मेसी को देखकर लगा वे स्पैनिश के सच्चे राजदूत बन कर आए हैं। लियोनल मेसी की भारत यात्रा के दौरान ऐसी दीवानगी थी जो कभी किसी ने भी नहीं देखी होगी। आज मेसी एक खिलाड़ी व व्यक्ति से ऊपर उठकर एक वैश्विक 'ब्रांड' बन गए हैं। आप 'सुपरस्टार' संस्कृति से छुटकारा पा ही नहीं सकते। खेल को कायम रखने व दर्शकों को निरंतर आकर्षित करते रहने की ताकत के कारण ऐसे सितारों की जरूरत भी रहती है। कोलकाता में यही दीवानगी विवाद का कारण भी बन गई। कोलकाता, हैदराबाद, मुम्बई, दिल्ली में स्टेडियम तो भरे रहे, पर साथ ही फिल्मी सितारों, राजनीतिज्ञों व उद्योगपतियों में इस वैश्विक सितारे के इर्द-गिर्द मंडराने की होड़ भी कम नहीं थी। कोलकाता तो अपने फुटबॉल प्रेम के लिए विख्यात है। लेकिन अपर्याप्त व्यवस्था के चलते अफरा-तफरी मच गई। जिन दर्शकों ने 25000 रुपए तक में टिकट खरीदे थे, वे मेसी की झलक पाने को तरस गए। राजनीति व फिल्म-जगत के सितारे तो मेसी के साथ फोटो खिंचवाते रहे, पर फुटबॉल के सच्चे प्रेमी दर्शक उन्हें देख भी नहीं सके। नाराज दर्शकों ने तोड़-फोड़ शुरू कर दी, जिससे ममता सरकार को भारी बदनामी झेलनी पड़ी। मेसी 20 मिनट में ही वापस चले गए। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक शतद्रु दत्ता सहित 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री ने माफी भी मांगी है।

जबकि, होना तो यह चाहिए था कि मेसी को एक खुली जीप या गाड़ी में बैठाकर स्टेडियम का चक्कर और फुटबॉल को किक लगवा देना था। दर्शक तृप्त हो जाते। कोलकाता में दर्शक न तो शाहरुख खान को देखने आए थे और न ही अन्य सितारों व राजनीतिज्ञों को। कोलकाता के बाद हैदराबाद, मुम्बई व नई दिल्ली में टूर व्यवस्थित रहा। मुम्बई में जब मेसी की अगवानी क्रिकेट के भगवान' सचिन तेंदुलकर ने की तो दोनों का भावुक मिलन व जर्सियों का आदान-प्रदान देखने लायक था। भारतीय फुटबॉलर सुनील छेत्री जब उनसे मिले तो सभी अभिभूत रह गए। लेकिन भारत के ओलिंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने इस आयोजन के प्रति निराशा जाहिर की कि इससे भारत को क्या हासिल हुआ? इतने धन से तो भारतीय खेलों के विकास को गति मिल सकती थी।

लेकिन बिंद्रा को यह समझना होगा कि महान खिलाड़ी देश व सीमा से परे होते हैं। कला हमेशा कालजयी होती है। मेसी, पेले, तेंदुलकर, गावस्कर, ध्यानचंद, ब्रैडमेन जैसे खिलाड़ी दुनिया की धरोहर होते हैं। हुनर, कला व प्रतिभा का सम्मान ही स्वस्थ समाज व दुनिया की रचना करता है। अगर लियोनल मेसी को देखकर भारतीय युवा प्रेरित होते हैं, तो इसमें बुराई क्या है? महान खिलाड़ी अपने देश व स्वाभिमान का प्रतीक भी होता है। उसका व्यवहार, विनम्रता व चरित्र दूसरों को प्रेरित करता है। मेसी अर्जेंटीना के खिलाड़ी हैं तो उन्होंने अपनी मातृभाषा स्पैनिश में ही बात की। मेसी को देखकर लगा कि वे अपने देश के सच्चे राजदूत हैं। मेसी से फुटबॉल और दूसरे खेलों के दिग्गज खिलाड़ियों का मिलना तो सौहार्द और प्रेरणा देने वाली बात है, पर फिल्मी सितारों और राजनीतिज्ञों का क्या काम था? बहरहाल, भारत के लोकप्रिय क्रिकेट-सितारे महेंद्रसिंह धोनी या विराट कोहली भी मेसी की तरह अपना 'ब्रांड' विश्व पटल पर स्थापित कर सकते हैं।

क्या वामपंथ का आखिरी किला भी ढहने वाला है ?

राजेश कुमार पासी

मैं 2019 में केरल गया था. अपनी यात्रा के दौरान कई लोगों से बात की तो उन्होंने यही कहा कि यहां भाजपा का कुछ नहीं है और न कभी होगा। उनका कहना था कि यहां सिर्फ कांग्रेस और माकपा ही अदलबदल करके राज करती हैं। केरल की डेमोग्राफी भी कुछ ऐसी है कि वर्षों की मेहनत के बाद भी भाजपा यहां पैर नहीं जमा पाई है। भाजपा मुख्य रूप से उत्तर भारत की पार्टी मानी जाती है लेकिन मोदी के नेतृत्व में भाजपा पूरे देश को अपनी पकड़ में लेने की कोशिश कर रही है। मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने दक्षिण भारत को छोड़कर पूरे देश में अपना झंडा गाड़ दिया है हालांकि अभी भी कुछ राज्यों में भाजपा सत्ता से दूर है। लोकतंत्र में सत्ता में आने से पहले विपक्ष में आना जरूरी है और भारतीय राजनीति में ज्यादातर दलों ने ऐसे ही अपनी जगह बनाई है ।

दक्षिण भारत के दो राज्य तमिलनाडु और केरल भाजपा के लिए समस्या बने हुए हैं लेकिन धीरे-धीरे भाजपा ने इन राज्यों में भी अपनी पकड़ बनानी शुरू कर दी है । हाल ही में संपन्न हुए केरल स्थानीय निकाय के चुनावों में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट(यूडीएफ) ने बड़ी जीत के साथ अपनी वापिसी की है । केरल में रिवायत चल रही थी कि एक बार यूडीएफ और एक बार एलडीएफ सत्ता में आता था लेकिन पिछली बार यह रिवायत टूट गई थी और एलडीएफ ने अपनी सरकार बचा ली थी । स्थानीय चुनाव परिणामों का यही संदेश है कि यूडीएफ अपनी वापिसी करने जा रहा है । वामपंथ धीरे-धीरे भारत से समाप्त होता जा रहा है हालांकि यह तो पूरी दुनिया में चल रहा है । देखा जाए तो केरल में वामपंथ का आखिरी किला बचा हुआ है । बेशक इन चुनावों में यूडीएफ ने अपनी वापिसी की उम्मीद जगा दी है लेकिन इससे इतर चर्चा भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की तिरूवनंतपुरम में जीत की है । यह जीत कई मायनों में भाजपा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

भगवान का देश कहलाने वाले केरल में वामपंथी पार्टी को यूडीएफ की जीत के साथ-साथ सबसे बड़ा झटका तिरूवनंतपुरम में एनडीए की जीत से लगा है । एनडीए पहले ही उसे त्रिपुरा में सत्ता से और बंगाल में विपक्ष से साफ कर चुका है । प्रधानमंत्री मोदी की कल्याणकारी योजनाओं का प्रतिफल है कि भाजपा ने केरल में अपने पांव जमाना शुरू कर दिया है । 1952 से ही संघ यहां काम कर रहा है लेकिन भाजपा फिर भी खाली हाथ रही है । ऐसा लगता है कि अब संघ और भाजपा को जमीनी स्तर पर काम करने का फायदा मिलने लगा है । 2026 के विधानसभा चुनावों में मुख्यमंत्री पी. विजयन को यूडीएफ के साथ-साथ एनडीए से भी चुनौती मिल सकती है । वामपंथी पार्टी के लिए समस्या यह है कि तिरूवनंतपुरम में पिछले 45 वर्षो से चल रहे उसके राज को सफल चुनौती यूडीएफ से नहीं बल्कि एनडीए से मिली है । भाजपा के तीसरी शक्ति बनने के आसार से वामपंथ को केरल में अपना अस्तित्व खतरे में नजर आ रहा है ।

देखा जाए तो भाजपा की ताकत बढ़ना दोनों गठबंधनों के लिए खतरे की घंटी है । ऐसा नहीं है कि भाजपा अगले चुनावों में कोई बड़ा चमत्कार करने जा रही है, लेकिन वो लड़ने की शक्ति जुटा रही है। अब भाजपा को पूरी तरह से नकारना दोनों गठबंधनों के लिए आसान होने वाला नहीं है। भाजपा की बढ़ती ताकत बता रही है कि लगातार प्रयास का परिणाम हमेशा सकारात्मक होता है। इसका दूसरा पहलू यह भी है कि केरल की जनता के सामने भाजपा तीसरा विकल्प बनकर आ गयी है। हिन्दू समाज के भाजपा के पक्ष में जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता लेकिन प्रदेश के ईसाई समुदाय के लिए भी भाजपा कुछ मामलों में बेहतर विकल्प बन सकती है। दोनों गठबंधन मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति पर चलते हैं और इसके लिए इनमें एक प्रतिस्पर्धा भी चलती रहती है। मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति से न केवल हिन्दू समुदाय बल्कि ईसाई समुदाय भी परेशान है, लेकिन अभी तक उसके पास इस नीति के प्रति विरोध जताने के लिए कोई रास्ता नहीं था । अगर ईसाई समुदाय का थोड़ा सा भी झुकाव भाजपा की ओर होता है तो ये दोनों गठबंधनों के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। भाजपा पूर्वोत्तर भारत के ईसाई नेताओं का इस्तेमाल केरल में ईसाई समुदाय में अपनी पकड़ बनाने के लिए कर सकती है।

हरित ऊर्जा की रफ्तार पर सवार भारत

आरके जैन

जब कोई राष्ट्र इतिहास रचता है, तो उसकी गूंज सीमाओं से परे जाती है। दिसंबर 2025 में भारतीय रेलवे ने ऐसा ही एक स्वर्णिम अध्याय लिखा, जब ब्रॉड-गेज रेल नेटवर्क का 99.2 प्रतिशत विद्युतीकरण पूर्ण हुआ। यह उपलब्धि मात्र आँकड़ों की बाज़ीगरी नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच, निर्णायक नेतृत्व और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की अथक मेहनत का जीवंत प्रमाण है। जिस दौर में कई तथाकथित विकसित देश आज भी डीज़ल आधारित ढांचे पर निर्भर हैं, उसी दौर में भारत ने अपने विशाल रेल नेटवर्क को हरित ऊर्जा से जोड़कर नई दिशा तय कर दी। यह आत्मनिर्भर भारत की बुलंद घोषणा है, पर्यावरण संरक्षण की ठोस पहल है और नए भारत के आत्मविश्वास का उद्घोष है। मोदी सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया कि बड़े सपने देखने और असंभव को संभव में बदलने का साहस और सामर्थ्य आज भारत के पास है।

यदि हम 2014 से पहले की स्थिति पर नज़र डालें, तो वर्तमान प्रगति किसी चमत्कार से कम नहीं लगती। आज़ादी के बाद लगभग छह दशकों में, यानी 2014 तक, भारतीय रेलवे का केवल 21,801 किलोमीटर मार्ग ही विद्युतीकृत हो सका था। योजनाओं की सुस्ती, निर्णयों की कमी और इच्छाशक्ति के अभाव ने विकास को जकड़ रखा था। लेकिन 2014 के बाद तस्वीर पूरी तरह बदल गई। मोदी सरकार के नेतृत्व में 2014 से 2025 के बीच 46,900 किलोमीटर से अधिक रेल मार्गों का विद्युतीकरण किया गया, जो पहले के कुल कार्य से भी दोगुने से अधिक है। विशेष रूप से 2019 से 2025 के बीच 33,000 किलोमीटर से ज्यादा का विद्युतीकरण हुआ, यानी औसतन प्रतिदिन 15 किलोमीटर से अधिक की रफ्तार। यह दूरी जर्मनी जैसे देश के संपूर्ण रेल नेटवर्क के बराबर है। यह प्रगति मिशन मोड में काम करने वाली सरकार, बाधाओं को अवसर में बदलने वाली सोच और परिणाम देने वाली इच्छाशक्ति का प्रतिफल है।

वैश्विक परिदृश्य में भारत की यह उपलब्धि और भी अधिक प्रभावशाली बन जाती है। इंटरनेशनल यूनियन ऑफ रेलवेज (यूआईसी) की जून 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का 99.2 प्रतिशत विद्युतीकरण कई विकसित देशों से कहीं आगे है। ब्रिटेन जहाँ 39 प्रतिशत पर है, वहीं रूस 52 प्रतिशत, फ्रांस 60 प्रतिशत, जापान 64 प्रतिशत, स्पेन 67 प्रतिशत और चीन 82 प्रतिशत पर ही सिमटे हुए हैं। दुनिया के अनेक बड़े रेल नेटवर्क आज भी डीज़ल की खपत से जूझ रहे हैं, जबकि भारत ने अपने सबसे व्यस्त और व्यापक नेटवर्क को हरित ऊर्जा से संचालित कर दिखाया है। इसका प्रत्यक्ष लाभ यह हुआ कि डीज़ल आयात पर निर्भरता घटी, विदेशी मुद्रा की बचत हुई और परिचालन लागत में करोड़ों रुपये की कमी आई। साथ ही, कार्बन उत्सर्जन में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिससे भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं को नई मजबूती मिली।

पर्यावरणीय दृष्टि से यह क्रांति अत्यंत महत्वपूर्ण है। रेल परिवहन, सड़क परिवहन की तुलना में लगभग 89 प्रतिशत कम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन करता है। एक टन माल को एक किलोमीटर तक ले जाने में रेल से मात्र 11.5 ग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन होता है, जबकि सड़क परिवहन से यही आंकड़ा 101 ग्राम तक पहुँच जाता है। विद्युतीकरण ने इस अंतर को और भी प्रभावी बना दिया है। मोदी सरकार की नीतियों ने यह सिद्ध कर दिया है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकते हैं। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक संघर्ष में भारत अब केवल सहभागी नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका में उभर रहा है।

मोदी सरकार की दृष्टि केवल तारों और खंभों तक सीमित नहीं है, बल्कि ऊर्जा के स्रोतों में भी क्रांतिकारी परिवर्तन किया गया है। नवंबर 2025 तक रेलवे में 812 मेगावाट सौर ऊर्जा और 93 मेगावाट पवन ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं, जो सीधे ट्रैक्शन आवश्यकताओं को पूरा कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त 1,500 मेगावाट से अधिक की हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का प्रबंध किया गया है। भारतीय रेलवे अब आधुनिक थ्री-फेज आईजीबीटी तकनीक वाले लोकोमोटिव का निर्माण कर रहा है, जो ब्रेकिंग के दौरान ऊर्जा को पुनः उत्पन्न करते हैं। यह 'मेक इन इंडिया' की सशक्त मिसाल है, जो आयात पर निर्भरता घटाने, रोजगार सृजन बढ़ाने और 2030 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को साकार करने में सहायक है। यह प्रधानमंत्री के पंचामृत संकल्प का सजीव रूप है।

इस विद्युतीकरण क्रांति का सबसे बड़ा लाभ देश की आम जनता को मिला है। विद्युतीकृत मार्गों पर ट्रेनें अधिक तेज़, सुरक्षित और विश्वसनीय हो गई हैं। देरी में कमी आई है और किरायों पर अनावश्यक बोझ नहीं पड़ा है। देश के 14 रेलवे जोन और 25 राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेश पूरी तरह विद्युतीकृत हो चुके हैं। पूर्वोत्तर के राज्य—अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और नागालैंड—जहाँ कभी बुनियादी ढांचे की कमी महसूस होती थी, अब 100 प्रतिशत विद्युतीकरण के साथ विकास की मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं। वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी अत्याधुनिक ट्रेनें बिजली से संचालित होकर यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएँ प्रदान कर रही हैं। यह जन-केंद्रित शासन की स्पष्ट झलक है, जो रेलवे को सचमुच करोड़ों भारतीयों की जीवनरेखा बना रहा है।

भारतीय रेलवे का यह विद्युतीकरण अभियान मोदी सरकार की अटूट इच्छाशक्ति, कुशल प्रशासन और राष्ट्रप्रथम सोच का अनुपम उदाहरण है। जहाँ कभी योजनाएँ फाइलों में सिमटी रहती थीं, वहाँ आज रफ्तार, हरित ऊर्जा और तकनीकी नवाचार का तूफान दिखाई देता है। यह नए भारत का आत्मघोष है—एक ऐसा भारत जो न केवल अपने लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा बन रहा है। शीघ्र ही 100 प्रतिशत विद्युतीकरण का लक्ष्य प्राप्त कर यह उपलब्धि विश्व इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज होगी और आने वाली पीढ़ियों को बताएगी कि जब संकल्प मज़बूत हो, तो राष्ट्र असंभव को भी संभव बना सकता है।

क्या है ये एसआईआर ?

विवेक रंजन श्रीवास्तव

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाई जा रही एसआईआर प्रक्रिया मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन बनाने का एक महत्वपूर्ण कदम है जो फर्जी वोटरों को हटाने और असली मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।

एसआईआर का पूरा नाम Special Intensive Revision है, जिसे हिंदी में विशेष गहन पुनरीक्षण कहा जाता है। यह चुनाव आयोग की एक नियोजित प्रक्रिया है जिसमें मतदाता सूची का ब्लॉक लेवल ऑफिसर घर-घर जाकर मतदाता सूची की जांच करते हैं, नाम, पता, उम्र, परिवार के सदस्यों का सत्यापन करते हैं। इसका मुख्य लक्ष्य डुप्लीकेट एंट्री, मृत व्यक्तियों के नाम हटाना , शिफ्ट हुए मतदाताओं या अवैध प्रविष्टियों को हटाना तथा नए बने 18+ उम्र के मतदाताओं को जोड़ना है।

सर का इतिहास..

एसआईआर कोई नई योजना नहीं है, बल्कि दशकों पुरानी प्रक्रिया है जो चुनाव कानून के तहत हर चुनाव से पहले या आवश्यकता पर पहले भी की जाती रही है। बिहार में हाल ही में इसे सफलतापूर्वक लागू किया गया जहां 64 लाख फर्जी वोटर हटाए गए और इससे वोटिंग प्रतिशत 10% बढ़ा।

वर्ष 2025 में चुनाव आयोग ने इसे पूरे देश में विस्तार दिया, खासकर 23 साल बाद बड़े पैमाने पर यह हो रहा है लेकिन कुछ राज्य जैसे पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विपक्ष ने इसका विरोध किया तथा सुप्रीम कोर्ट में इस व्यवस्था को चुनौती दी।

एसआईआर प्रक्रिया का पहला आधिकारिक कार्यान्वयन सन 1952 में हुआ था जब भारत के पहले लोकसभा चुनाव हुए और मतदाता सूची को गहन पुनरीक्षण की आवश्यकता पड़ी । उस समय भारत निर्वाचन आयोग जो 1950 में स्थापित हुआ था, ने इसकी जिम्मेदारी ली थी । तत्कालीन मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुकुमार सेन के नेतृत्व में मतदाता सूची शुद्ध करने का यह अभियान संपन्न हुआ था। इसके बाद यह प्रक्रिया समय-समय पर, विशेषकर बड़े चुनावों से पहले, जारी रही जैसे 2002-2004 के बीच पूरे देश में बड़े पैमाने पर सर को क्रियान्वित किया गया था।

एसआईआर का तरीका..

BLO या एसआईआर टीम घर घरआती है, अपना पहचान पत्र दिखाती है । आप परिवार के वोटिंग लिस्ट के सदस्यों के नाम, पता, परिवार विवरण, दस्तावेज (आधार, राशन कार्ड, बिजली बिल आदि दस्तावेज से) सत्यापित करवाते हैं। फॉर्म 6 (नया पंजीकरण), फॉर्म 7 (नाम हटाना), फॉर्म 8 (सुधार) के फार्म भरवाए जाते हैं।

पारदर्शिता के लिए परिवार वंशावली प्रमाण जरूरी होता है।

बिहार मॉडल पर आधारित, यह वोटर लिस्ट सत्यापन के द्वारा वर्तमान जनसांख्यिकी (शहरीकरण, पलायन) के अनुरूप सही वोटर लिस्ट बनाता है।

एसआईआर का औचित्य..

लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूची की शुद्धता अनिवार्य है, क्योंकि गलत वोटर चुनावी निष्पक्षता बाधित करते हैं।

एसआईआर से मृत , पलायन कर चुके वोटर लिस्ट से समाप्त होते हैं, यदि कोई घुसपैठिए खासकर विदेशी सीमा से जुड़े प्रदेशों में किसी तरह आ गए हैं तो दस्तावेजों के अभाव में उनकी वोटिंग का गलत अधिकार रोक दिया जाता है । भारत के वास्तविक नागरिक के वोटिंग अधिकार सुरक्षित रहते हैं । वोटिंग प्रतिशत बढ़ जाता है, क्योंकि बोगस नाम कट जाने से वोटिंग लिस्ट यथार्थ और अद्यतन बन जाती है। विपक्षी आशंकाओं के बावजूद, यह एक रूटीन अभियान है जो वार्षिक संशोधन से आगे जाकर वोट लिस्ट की गहन सफाई सुनिश्चित करता है, ताकि हर योग्य वोट का अधिकार बरकरार रहे।

काकोरी के शूरवीरों को नमन

योगेश कुमार गोयल

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल राजनीतिक आंदोलनों, प्रस्तावों और समझौतों का क्रम नहीं है बल्कि यह उन असंख्य क्रांतिकारियों की त्यागमयी गाथा भी है, जिन्होंने मातृभूमि की आजादी के लिए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया। इन बलिदानों ने गुलामी की जड़ों को भीतर से हिलाया और जनता के मन में यह विश्वास जगाया कि अंग्रेजी हुकूमत अजेय नहीं है। ऐसी ही एक ऐतिहासिक और निर्णायक घटना है काकोरी कांड, जिसने न केवल ब्रिटिश सत्ता को गहरी चुनौती दी बल्कि भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन को एक नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की। काकोरी कांड भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष का वह अध्याय है, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि आजादी केवल याचिकाओं और प्रार्थनाओं से नहीं मिलेगी बल्कि उसके लिए साहस, संगठन और बलिदान की आवश्यकता होगी। यही कारण है कि काकोरी कांड में शामिल क्रांतिकारियों को केवल इतिहास के पात्र नहीं बल्कि क्रांति की नींव रखने वाले शूरवीर माना जाता है। उनकी शहादत की स्मृति में हर वर्ष 19 दिसम्बर को काकोरी शहीद दिवस मनाया जाता है, जो हमें स्वतंत्रता की कीमत और उसकी रक्षा की जिम्मेदारी का बोध कराता है।

बीसवीं सदी के प्रारंभिक दशकों में भारत का राजनीतिक परिदृश्य तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा था। महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन ने देश में जन-जागरण की लहर पैदा की थी। 1920 में शुरू हुआ यह आंदोलन ब्रिटिश शासन के लिए एक गंभीर चुनौती बन गया था लेकिन फरवरी 1922 में चौरी-चौरा कांड के बाद गांधी जी द्वारा आंदोलन वापस लिए जाने से देश के एक बड़े वर्ग, विशेषकर युवा क्रांतिकारियों में गहरी निराशा फैल गई। वे मानते थे कि जब अंग्रेज दमन और हिंसा का सहारा ले रहे हैं, तब केवल अहिंसा के माध्यम से आजादी पाना कठिन है। यही वह ऐतिहासिक मोड़ था, जहां से संगठित क्रांतिकारी आंदोलन ने नई दिशा पकड़ी। निराश लेकिन दृढ़ निश्चयी युवाओं ने यह ठान लिया कि वे किसी भी कीमत पर स्वतंत्रता के लक्ष्य से पीछे नहीं हटेंगे। इसी सोच के परिणामस्वरूप 1923 में शचीन्द्रनाथ सान्याल के नेतृत्व में हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) की स्थापना हुई। इस संगठन का उद्देश्य केवल ब्रिटिश शासन का विरोध करना नहीं बल्कि एक ऐसे स्वतंत्र, गणराज्यात्मक भारत की स्थापना करना था, जहां शोषण और अन्याय का कोई स्थान न हो। एचआरए के प्रमुख सदस्यों में राम प्रसाद बिस्मिल, योगेशचंद्र चटर्जी, शचीन्द्रनाथ बख्शी जैसे साहसी क्रांतिकारी शामिल थे। बाद में चंद्रशेखर आजाद और भगत सिंह जैसे तेजस्वी क्रांतिकारी भी इस विचारधारा से जुड़े। संगठन का स्पष्ट मत था कि क्रांति के लिए संसाधन चाहिए और संसाधनों के लिए धन। लेकिन चंदा मांगना न केवल संगठन की गोपनीयता को खतरे में डाल सकता था बल्कि अंग्रेजी खुफिया तंत्र को भी सतर्क कर सकता था। ऐसे में निर्णय लिया गया कि ब्रिटिश सरकार के ही खजाने को निशाना बनाया जाए। इस विचार को कार्यरूप देने की जिम्मेदारी संगठन के सेनापति पं. राम प्रसाद बिस्मिल को सौंपी गई। प्रारंभिक प्रयासों में क्रांतिकारियों ने कुछ धन जुटाने की कोशिश की, लेकिन वह हथियारों और क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए पर्याप्त नहीं था। अंततः यह निर्णय लिया गया कि सीधे सरकारी खजाने पर हाथ डाला जाए। यह फैसला न केवल साहसिक था बल्कि अत्यंत जोखिम भरा भी, क्योंकि असफलता की स्थिति में इसका परिणाम मृत्यु या आजीवन कारावास हो सकता था।

8 अगस्त 1925 को बिस्मिल के घर एक गुप्त बैठक हुई, जिसमें ब्रिटिश सरकार के खजाने को लूटने की विस्तृत योजना बनाई गई। अगले ही दिन 9 अगस्त 1925 को एचआरए के दस क्रांतिकारी सहारनपुर-लखनऊ पैसेंजर ट्रेन में सवार हुए। इनमें राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, चंद्रशेखर आजाद, राजेंद्र लाहिड़ी, शचीन्द्रनाथ बख्शी, मन्मथनाथ गुप्त, मुरारी शर्मा, बनवारी लाल, केशव चक्रवर्ती और मुकुंदी लाल शामिल थे। लखनऊ के निकट काकोरी रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चेन खींचकर उसे रोका गया। योजना के अनुसार, राजेंद्र लाहिड़ी ने नेतृत्व संभाला और कुछ ही क्षणों में सरकारी खजाने को कब्जे में ले लिया गया। यह कार्रवाई इतनी सुनियोजित थी कि यात्रियों को अधिक नुकसान नहीं हुआ। हालांकि दुर्भाग्यवश एक आकस्मिक गोली चलने से एक यात्री की मृत्यु हो गई, जिसे बाद में ब्रिटिश सरकार ने पूरे मामले को और अधिक संगीन बनाने के लिए प्रमुख आधार बनाया।

इस लूट में कुल 4601 रुपये प्राप्त हुए, जो उस समय एक बड़ी राशि थी। अगले ही दिन यह खबर अखबारों के माध्यम से पूरे देश और विदेश में फैल गई। लंदन के हाउस ऑफ कॉमन्स तक में इस घटना की चर्चा हुई। ब्रिटिश सरकार हिल गई और उसने इसे अपनी सत्ता के लिए खुली चुनौती माना। इसके बाद जो दमनचक्र चला, वह भारतीय इतिहास के सबसे कठोर अभियानों में से एक था। ब्रिटिश सरकार ने एचआरए के लगभग 40 क्रांतिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाया। लंबी सुनवाई और कठोर पूछताछ के बाद अंग्रेजी अदालत ने चार क्रांतिकारियों को फांसी की सजा सुनाई। राजेंद्रनाथ लाहिड़ी को 17 दिसम्बर 1927 को गोंडा जेल में फांसी दी गई। इसके दो दिन बाद 19 दिसम्बर 1927 को राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान और रोशन सिंह को अलग-अलग जेलों में फांसी दे दी गई। इन फांसियों ने पूरे देश को झकझोर दिया। हिंदू-मुस्लिम एकता की अद्भुत मिसाल बने बिस्मिल और अशफाक की मित्रता ने यह सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्रता संग्राम किसी एक धर्म या समुदाय का नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र का संघर्ष था। उनकी शहादत ने असहयोग आंदोलन के बाद ठहर गई क्रांतिकारी चेतना को फिर से प्रज्वलित कर दिया। काकोरी कांड का सबसे अनछुआ पहलू यह है कि यह केवल धन लूट की घटना नहीं थी बल्कि यह एक वैचारिक विद्रोह था, जिसका उद्देश्य अंग्रेजी शासन की नैतिक वैधता को चुनौती देना और यह संदेश देना था कि भारत अब दासता स्वीकार नहीं करेगा। इस घटना ने आगे चलकर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और सुभाष चंद्र बोस जैसे नेताओं को भी गहराई से प्रभावित किया। आज, जब हम काकोरी शहीद दिवस मनाते हैं तो यह केवल अतीत को स्मरण करने का अवसर नहीं है बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए प्रेरणा लेने का दिन है। काकोरी के शूरवीरों ने हमें सिखाया कि स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं बल्कि कर्त्तव्य भी है उसकी रक्षा का, उसकी गरिमा बनाए रखने का। काकोरी कांड के शहीदों का बलिदान भारतीय इतिहास में सदैव अमर रहेगा।

19 या 20 दिसंबर, कब है 2025 की आखिरी अमावस्या ?

कब मनाई जाएगी पौष अमावस्या ?

वैदिक पंचांग के अनुसार, पौष अमावस्या की तिथि की शुरुआत 19 दिसंबर की सुबह 4 बजकर 59 मिनट पर शुरू होगी और तिथि का समापन 20 दिसंबर को सुबह 7 बजकर 12 मिनट पर होगा. इसलिए, उदयातिथि के अनुसार, 19 दिसंबर को पौष अमावस्या का व्रत रखा जाएगा.

पौष अमावस्या को दान-पुण्य, स्नान और आध्यात्मिक साधना के लिए विशेष फलदायी बताया गया है। इस दिन पितरों के लिए तर्पण करने से सात जन्मों तक शुभ फल प्राप्त होता है। आइए जानते हैं कि साल की आखिरी अमावस्या 19 दिसंबर या 20 दिसंबर 2025 को पड़ेगी।

पौष मास के कृष्ण पक्ष में पड़ने वाली अमावस्या को पौष अमावस्या कहा जाता है। यह साल की अंतिम अमावस्या भी है, ऐसे में धार्मिक दृष्टि से ये अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। पौष अमावस्या को छोटा पितृ पक्ष भी कहा जाता है। मान्यता है कि इस दिन किए गए तर्पण और दान से पितरों की विशेष कृपा प्राप्त होती है। कहा जाता है कि पौष अमावस्या पर किए गए स्नान, दान और श्राद्ध कर्म सात जन्मों तक शुभ फल देते हैं। धार्मिक मान्यता है कि अमावस्या के दिन पूर्वज पृथ्वी पर आते हैं और अपने परिजनों के सत्कर्मों से प्रसन्न होकर उन्हें सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं

पौष अमावस्या कब है ?

पंचांग के अनुसार कृष्ण पक्ष में पड़ने वाली अमावस्या तिथि 19 दिसंबर, शुक्रवार को सुबह 4 बजकर 59 मिनट से शुरू होकर अगले दिन 20 दिसंबर, शनिवार की सुबह 7 बजकर 12 मिनट तक रहेगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, दान और पितृ तर्पण जैसे सभी शुभ कार्य 19 दिसंबर को ही किया जाएगा।

पौष अमावस्या का धार्मिक महत्व?

पौष अमावस्या को पितरों को समर्पित दिन माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन विधि पूर्वक तर्पण और दान करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है और परिवार में सुख-शांति व समृद्धि आती है। शास्त्रों के अनुसार पौष मास की अमावस्या पर किए गए दान का पुण्य कई गुना बढ़ जाता है। अन्न, वस्त्र, तिल और गुड़ का दान अत्यंत शुभ माना गया है। जिन लोगों की कुंडली में पितृ दोष होता है, उनके लिए यह तिथि विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जाती है।

पौष अमावस्या पर दान का महत्व ?

पौष अमावस्या के दिन तर्पण के साथ-साथ दान-पुण्य का भी विशेष महत्व होता है। इस दिन अन्न, वस्त्र, कंबल, तिल, गुड़ और घी का दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। जरूरतमंदों को भोजन कराना भी अत्यंत शुभ माना गया है। मान्यता है कि इस दिन किया गया दान सीधे पितरों तक पहुंचता है। इसके साथ ही गौ सेवा और मंदिर में दीपदान करना भी अत्यंत पुण्यदायी बताया गया है।

पितरों का तर्पण कैसे करें ?

इस दिन ब्रह्म मुहूर्त के समय नदी, सरोवर में स्नान करें। स्नान के बाद साफ, हल्के रंग के वस्त्र पहने और मन में पितरों के प्रति श्रद्धा रखें। अगर घर के पास नदी, सरोवर ना हो तो घर में भी तर्पण किया जा सकता है। आटे या चावल के पिंड बनाकर कौओं और गाय को खिलाएं। इस दिन दक्षिण दिशा में एक दीपक जलाना अत्यंत शुभ माना गया है। ऐसे करने से पितृ दोष शांत होता है और जीवन से बाधाएं दूर होती हैं। घर में पका सादा भोजन पितरों को समर्पित करें और बाद में गाय या गरीबों को दे दें।

पितरों को प्रसन्न करने के लिए जरूर करें यह काम

-पौष अमावस्या पर सुबह जल्दी उठकर सबसे पहले स्नान करें. फिर पितरों का स्मरण कर तर्पण दें. तर्पण के लिए काले तिल, सफेद फूल और कुश का इस्तेमाल होता है. तर्पण से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है.

-इस दिन पितरों को प्रसन्न करने के लिए पितृ चालीसा का पाठ करना काफ़ी शुभ होता है. साथ ही पितरों की आत्मा की शांति के लिए ब्राह्मणों को भोजन कराएं, दान-दक्षिणा दें.

-इस दिन स्नान के बाद पीपल वृक्ष की जड़ में जल देना चाहिए. इससे भी पितृ दोष दूर होता है. इस दिन पीपल की पूजा करें, 7 बार परिक्रमा करें और सरसों तेल में काले तिल डाकर दीप जलाएं. मान्यता है कि पीपल में पितृ भी वास करते हैं. इसलिए पीपल वृक्ष में जल देने और पीपल की सेवा करने से तीर्थ समान फल मिलता है और पितृ भी प्रसन्न होते हैं.

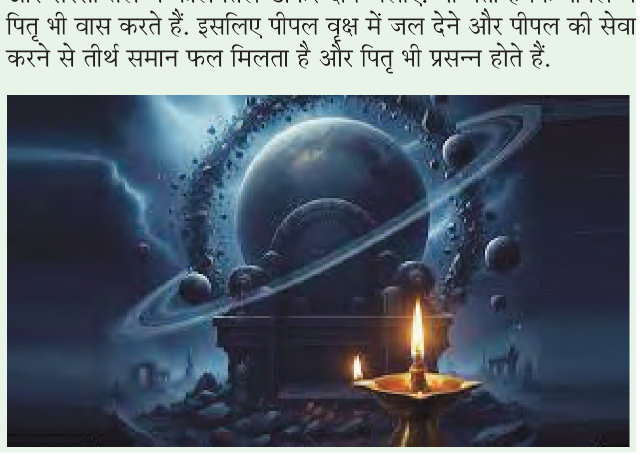

हर घर में रहते हैं धन के देवता कुबेर जानें किस दिशा से बरसाते हैं धन

वास्तु शास्त्र में कुबेर स्थान का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि इसे धन, संपत्ति और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। कुबेर देवता को धन के देवता के रूप में पूजा जाता है और उनका वास उन स्थानों पर होता है, जहां धन और समृद्धि की ऊर्जा का प्रवाह होता है। कुबेर का नाम सुनते ही हमारे मन में धन-संपत्ति और समृद्धि की छवि बन जाती है।

कुबेर स्थान की दिशा:

वास्तु शास्त्र के अनुसार, उत्तर और उत्तर-पूर्व (ईशान) दिशा को कुबेर देवता का स्थान माना जाता है। इस दिशा को धन और समृद्धि की दिशा माना जाता है। इसलिए यदि इस दिशा में घर का मुख्य प्रवेश द्वार या कोई महत्वपूर्ण कार्यस्थल हो, तो वह स्थान समृद्धि और सफलता के लिहाज से शुभ माना जाता है।

कुबेर देवता का निवास स्थान:

कुबेर देवता का निवास स्थान विशेष रूप से उत्तर दिशा में माना जाता है क्योंकि उत्तर दिशा को वृद्धि और उन्नति की दिशा माना जाता है। अगर इस दिशा में कोई रुकावट या नकारात्मकता हो तो व्यक्ति को धन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा, यदि उत्तर दिशा में कोई भारी वस्तु या नकारात्मक तत्व रखे हों तो यह कुबेर देवता की कृपा को बाधित कर सकता है।

धन और समृद्धि में वृद्धि:

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में उत्तर दिशा को साफ और खुला रखना चाहिए। इस दिशा में किसी भी प्रकार की भारी वस्तुएं या गंदगी नहीं रखनी चाहिए क्योंकि इससे कुबेर देवता की कृपा रुक सकती है और घर में धन की कमी हो सकती है। इसके अलावा उत्तर दिशा में धन के संग्रह या बैंकिंग कार्य जैसे कार्य करने से संपत्ति में वृद्धि होती है।

कुबेर स्थान और पूजा:

यदि आप घर में कुबेर देवता की पूजा करना चाहते हैं तो आपको उत्तर दिशा में कुबेर देवता की प्रतिमा या चित्र रखना चाहिए। इसके साथ ही वहां सोने, चांदी या अन्य आभूषण रखने से उनकी कृपा और समृद्धि प्राप्त की जा सकती है। विशेष रूप से कुबेर यंत्र और कुबेर देवता के मंत्र का जाप करने से धन के मामले में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।

घर की इन जगहों को गंदा रखने से रुक जाती है सुख-समृद्धि

वास्तु शास्त्र का मूल सिद्धांत प्रकृति की सकारात्मक ऊर्जा और पंच तत्वों के संतुलन पर आधारित है। घर केवल ईंट और सीमेंट से नहीं बनता, बल्कि यह वहां रहने वाले सदस्यों की ऊर्जा और समृद्धि को भी प्रभावित करता है। वास्तु शास्त्र का स्पष्ट मत है कि घर में गंदगी, कबाड़, अव्यवस्था और नकारात्मक ऊर्जा का जमावड़ा वास्तु दोष को जन्म देता है, जिसका सीधा असर घर की सुख-शांति, स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति पर पड़ता है।

मुख्य द्वार

मुख्य द्वार को देहली या ऊर्जा का प्रवेश द्वार कहा जाता है। यहीं से सकारात्मक ऊर्जा और माता लक्ष्मी का आगमन होता है। मुख्य द्वार पर गंदगी, कूड़ेदान, टूटी-फूटी चीजें, या जूते-चप्पलों का ढेर रखना अत्यंत अशुभ माना जाता है। यह शुभ ऊर्जा के प्रवेश को बाधित करता है और घर में दरिद्रता लाता है। मुख्य द्वार को हमेशा साफ-सुथरा रखें। वहां पर्याप्त रोशनी रखें। मुख्य द्वार के पास कभी भी अंधेरा नहीं होना चाहिए।

ईशान कोण

ईशान कोण सबसे पवित्र स्थान माना जाता है। यह दिशा देवताओं के वास की होती है और जल तत्व का प्रतिनिधित्व करती है। इस दिशा में शौचालय, कूड़े का ढेर, भारी सामान, या अव्यवस्था होना सबसे बड़ा वास्तु दोष उत्पन्न करता है। इसे सिर का स्थान माना जाता है और इसकी गंदगी घर के मुखिया के मानसिक स्वास्थ्य, निर्णय लेने की क्षमता और धन आगमन को बुरी तरह प्रभावित करती है।

ब्रह्म स्थान

घर का मध्य भाग ऊर्जा का केंद्र बिंदु होता है। यह आकाश तत्व से जुड़ा होता है और घर की संपूर्ण ऊर्जा को संतुलित करता है। इस स्थान पर भारी फर्नीचर, गंदगी, या दीवारों पर सीलन होना घर की ऊर्जा के प्रवाह को रोकता है। इसके दूषित होने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और आर्थिक स्थिरता में कमी आती है। ब्रह्म स्थान को हमेशा खुला, साफ और अव्यवस्था मुक्त रखें। यदि संभव हो, तो यहां कोई हल्की कलाकृति या पौधा रखें।

रसोई घर

रसोई घर अग्नि तत्व का स्थान है और घर के सदस्यों के स्वास्थ्य का सीधा कारक है। रात भर जूठे बर्तन सिंक में छोड़ना, टूटे हुए बर्तन रखना, या रसोई में कबाड़ जमा करना बहुत बड़ा वास्तु दोष है। इससे धन की हानि, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और घर के सदस्यों के बीच वाद-विवाद बढ़ जाता है। रात में सोने से पहले हमेशा रसोई और बर्तनों को साफ करें। गैस स्टोव और काउंटर टॉप को स्वच्छ रखें क्योंकि यह अग्नि देवता का स्थान है।

एंट्रेंस का सही दिशा और महत्व

घर में नेगेटिव एनर्जी के संकेत

घर में अगर ऊर्जा संतुलित नहीं है तो छोटे-छोटे संकेत सामने आते हैं. जैसे अकसर लड़ाई-झगड़े होना, मन उदास रहना, नींद पूरी न होना, आलस बढ़ना और बेचैनी महसूस होना. कभी-कभी यह सिर्फ मूड नहीं बल्कि शरीर और स्वास्थ्य पर भी असर डालता है. ऐसे में यह जरूरी है कि हम समय रहते घर की एनर्जी को संतुलित करें।

2. एंट्रेंस का सही दिशा और महत्व

वास्तु के अनुसार, घर का मुख्य दरवाजा घर की ऊर्जा का प्रवेश द्वार होता है, अगर यह सही दिशा में नहीं है तो नकारात्मक ऊर्जा घर में फैलती है. उदाहरण के लिए, साउथ या साउथ-वेस्ट दिशा में एंट्रेंस होने पर घर में वित्तीय परेशानियां, संबंधों में तनाव और मानसिक बेचैनी बढ़ सकती है. सही दिशा में दरवाजा रखने से सकारात्मक ऊर्जा आती है, घर में खुशहाली रहती है और जीवन में संतुलन बनता है।

3. घर में ऊर्जा बढ़ाने के आसान तरीके

-साफ-सफाई: घर हमेशा साफ-सुथरा रखें. गंदगी और अव्यवस्था नेगेटिव ऊर्जा को बढ़ाती है.

-प्रकृति का इस्तेमाल: पौधे, खासकर हरे पौधे और बांस, घर में सकारात्मक ऊर्जा लाते हैं।

-लाइटिंग और वेंटिलेशन: पर्याप्त रोशनी और हवा का आना जरूरी है. अंधेरे और बंद कमरों में एनर्जी खराब होती है।

-ध्यान और पोजिटिविटी: घर में छोटे-छोटे पोजिटिव नोट्स, खुशबू या म्यूजिक भी एनर्जी को बदल सकते हैं।

4. छोटी गलतियां और उनका असर

कई बार लोग घर में फर्नीचर या चीजें गलत दिशा में रख देते हैं. इससे छोटे-छोटे झगड़े, आलस, या बेचैनी बढ़ सकती है. उदाहरण के लिए, सोने का बिस्तर साउथ-वेस्ट में होने पर नींद में बाधा, आलस और मानसिक तनाव बढ़ सकता है. इसी तरह, कामकाजी स्टडी टेबल गलत दिशा में होने से ध्यान और काम में मन नहीं लगता।

घर में खुशहाली और मानसिक शांति के लिए घर की दिशा, एंट्रेंस और ऊर्जा का संतुलन बेहद जरूरी है. थोड़े बदलाव, सजावट और पोजिटिव एनर्जी अपनाने से घर में जीवन बदल सकता है।

बचपन में नामदेव ने क्यों छील ली अपनी ही चमड़ी ?

संत नामदेव के बचपन की एक घटना है। एक दिन नामदेव जंगल से घर आए तो उनकी धोती पर खून लगा था।

जब उनकी मां की नजर खून पर गई तो वह घबरा गईं। तत्काल दौड़कर नामदेव के पास जाकर उन्होंने पूछा, ''तेरी धोती में कितना खून लगा है। क्या हुआ तेरे साथ ? कहीं गिर पड़ा था क्या ?''

नामदेव ने उत्तर दिया, ''नहीं मां, गिरा तो कहीं नहीं था। मैंने कुल्हाड़ी से स्वयं ही अपना पैर छीलकर देखा था।''

मां ने धोती उठाकर देखा कि पैर में एक जगह की चमड़ी छिली हुई है। इतना होने पर भी नामदेव ऐसे चल रहे थे मानो उन्हें कुछ हुआ ही न हो।

नामदेव की मां ने यह देखकर पूछा, ''तू बड़ा मूर्ख है। कोई अपने पैर पर भला कुल्हाड़ी चलाता है ? पैर टूट जाए, लंगड़ा हो जाए, घाव पक जाए या सड़ जाए तो पैर कटवाने की नौबत आ जाएगी।''

मां की बात सुनकर नामदेव बोले, ''तब पेड़ को भी कुल्हाड़ी से चोट लगती होगी। उस दिन तेरे कहने से मैं पलाश के पेड़ पर कुल्हाड़ी चलाकर उसकी छाल उतार लाया था। मेरे मन में आया कि अपने पैर की छाल भी उतारकर देखूं, मुझे जैसी लगेगी, वैसी ही पेड़ को भी लगती होगी।''

नामदेव की बात सुनकर मां को रोना आ गया। वह बोलीं, ''नामू, तेरे भीतर मनुष्य ही नहीं पेड़-पौधों को लेकर भी दया का भाव है। तू एक दिन जरूर महान साधु बनेगा। मुझे पता चल गया कि पेड़ों में भी मनुष्य के ही जैसा जीवन है। अपने चोट लगने पर जैसा कष्ट होता है, वैसा ही उनको भी होता है। अब ऐसा गलत काम कभी तुझसे नहीं कराऊंगी।''

नामदेव की मां ने फिर कभी नामदेव को पेड़ काटने के लिए नहीं कहा।

कैसे एक चींटी ने सिखाया सफलता का असली मंत्र

एक राजा शिकार के लिए जंगल गए। वहां एक हिरन के पीछे उन्होंने अपना घोड़ा दौड़ाया। हिरन जंगल से निकलकर पहाड़ी की ओर भाग निकला। राजा उसके पीछे-पीछे चलते हुए अचानक एक पहाड़ी गांव में जा पहुंचे। वहां वह एक मूर्तिकार को मूर्तियां बनाते देख ठिठक गए। इतनी सुंदर मूर्तियां उन्होंने पहले कभी नहीं देखी थीं। राजा ने मूर्तिकार से कहा, ''मैं चाहता हूं कि तुम मेरी भी एक सुंदर मूर्ति बना दो।''

मूर्तिकार ने कहा, ''ठीक है महाराज। मैं आपकी मूर्ति अवश्य बनाऊंगा।''

उसने राजा की मूर्ति बनाने का काम शुरू कर दिया। कई दिन बीत गए पर मूर्ति तैयार नहीं हुई। मूर्तिकार रोज मूर्ति बनाता और उसे तोड़ देता, फिर बनाता और फिर तोड़ देता। लेकिन जैसी मूर्ति वह बनाना चाहता था, वैसी उससे बन नहीं पा रही थी। अंत में वह निराश होकर मूर्तियों के पास ही बैठ गया। अचानक उसकी नजर दीवार पर चढ़ रही एक चींटी पर पड़ी जो बार-बार गिरी जा रही थी।

वह चींटी दरअसल एक गेहूं के दाने को दीवार के उस पर ले जाना चाहती थी। मूर्तिकार यह दृश्य बड़े गौर से देख रहा था। चींटी बार-बार गिरने पर भी प्रयास में लगी हुई थी। आखिरकार चींटी को सफलता मिल ही गई और वह दीवार के उस पर चली गई। यह दृश्य देख मूर्तिकार ने सोचा- जब यह छोटी-सी चींटी निरंतर प्रयास से सफलता पा सकती है तो फिर मैं सफल क्यों नहीं हो सकता। मूर्तिकार को सफलता का सूत्र मिल चुका था। मूर्तिकार फिर से राजा की मूर्ति बनाने में जुट गया। इस बार मूर्ति बिल्कुल उसकी कल्पना के अनुरूप बनी। राजा रामदत्त ने जब अपनी सजीव मूर्ति देखी तो बड़े खुश हुए।

5 पतियों के साथ कैसे रहने का समय बांटती थी द्रौपदी

महाभारत में द्रौपदी एक दो नहीं बल्कि पांच पांडव भाइयों की पत्नी थी. आखिर वो कैसे पांचों पांडवों के साथ रहने का समय बांधती थी और उनके साथ इस तरह रहती थी कि कभी किसी पांडव को कोई शिकायत नहीं हुई. ना ही इस वजह से कभी भाइयों में मनमुटाव की कोई घटना कभी मिलती है. ये जानना दिलचस्प होगा।

ये जानना दिलचस्प हो सकता है कि द्रौपदी ने अपने पांच पांडव पतियों के साथ किस तरह समय बांटा होगा कि सभी खुश थे. कभी किसी भाई को इससे शिकायत नहीं हुई. कभी किसी भाई ने द्रौपदी के इस तौरतरीके पर सवाल नहीं उठाया. महाभारत के तथ्य बताते हैं कि द्रौपदी ने सभी भाइयों के साथ एक तय समय तक रहने का नियम बना रखा था. जिस पर पांचों पांडव सहमत थे और ये व्यवस्था लंबे समय तक चलती रही.

जब द्रौपदी की शादी पांच पांडव भाइयों से हुई तो एक नियम भी बनाया गया कि विवाह के बाद वह उनके साथ कैसे रहेंगी. निजता के इस नियम का हर पांडव भाई ने कड़ाई से पालन किया. हालांकि एक बार अर्जुन ने इसका उल्लंघन किया तो खुद को ही 12 साल के निर्वासन की सजा दे दी. तो क्या आपको मालूम है कि द्रौपदी पत्नी के तौर पर हर भाई के साथ कितने समय तक रहती थीं।

महाभारत में इस घटना का उल्लेख किया गया है कि जब द्रौपदी युधिष्ठिर के साथ थीं, तो अर्जुन ने अनजाने में उनके कक्ष में प्रवेश कर लिया. इस घटना ने पांडवों के बीच स्थापित नियम और उनकी आपसी मर्यादा का परीक्षण किया. जब द्रौपदी पांचों पांडवों की पत्नी बनीं, तो तय हुआ कि द्रौपदी एक समय में केवल एक पांडव के साथ रहेंगी।

द्रौपदी ने पांडव भाइयों के लिए बनाया क्या नियम

इसी समय पांचों पांडव भाइयों और द्रौपदी के बीच एक नियम बनाया गया. इसके अनुसार, जो पांडव उस अवधि में द्रौपदी के साथ होंगे, उस समय अन्य पांडव उनके निजी स्थान में प्रवेश नहीं करेंगे. यदि कोई अनजाने में ऐसा करता, तो उसे आत्मनिर्वासन (वनवास) जाना पड़ेगा. द्रौपदी ने हर पांडव भाई के साथ पत्नी के तौर पर कितने दिन रहना शुरू किया, ये हम आपको आगे बताएंगे.

केवल एक बार कैसे टूटा ये नियम

पहले ये जान लीजिए कि एक बार कैसे ये व्यवस्था टूट गई और तब क्या हुआ. एक दिन अर्जुन को अपने धनुष और तीर की जरूरत पड़ी, ये युधिष्ठिरक कक्ष में रखे थे. तब युधिष्ठिर और द्रौपदी अपने निजी कक्ष में अकेले थे.

अर्जुन ने तब द्रौपदी और युधिष्ठर की निजता को तोड़ा

अर्जुन को पता था कि नियम के अनुसार उन्हें कक्ष में प्रवेश नहीं करना चाहिए, लेकिन स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने नियम तोड़कर कक्ष में प्रवेश किया.अर्जुन ने स्वीकार किया कि उन्होंने नियम तोड़ा है, भले ही उनकी मंशा सही थी. नियम के अनुसार, उन्हें 12 वर्षों के लिए वनवास पर जाना पड़ा. यह निर्णय स्वयं अर्जुन ने लिया, क्योंकि पांडवों के बीच आपसी मर्यादा और धर्म का पालन सबसे ऊपर था।

तब अर्जुन ने खुद को स्व निर्वासित कर दिया

युधिष्ठिर ने अर्जुन के वनवास जाने के निर्णय का सम्मान किया. अर्जुन इस वनवास के दौरान 12 वर्षों तक अलग-अलग स्थानों पर रहे. उन्होंने इसी दौरान उलूपी (नागकन्या), चित्रांगदा, और सुभद्रा से विवाह भी किया. दिव्यास्त्रों का अभ्यास किया. तप करके शिव को खुश किया।

(जारी)

शाहिद की ओ रोमियो में हुई दो हीरोइन की एंट्री हॉटनेस के मामले में सब पर भारी

तमन्ना

अभिनेता शाहिद कपूर नए साल का आगाज अपने पसंदीदा फिल्ममेकर विशाल भारद्वाज के साथ करेंगे। लंबे समय से इन दोनों की आने वाली फिल्म ओ रोमियो का नाम चर्चा में बना हुआ है। फिल्म शूटिंग और कास्ट को लेकर तरह-तरह की खबरें सामने आती रहती हैं। शाहिद कपूर की ओ रोमियो में बॉलीवुड की दो फेमस एक्ट्रेसेज की एंट्री हुई है, जो बी टाउन में अपनी हॉटनेस का जलवा बिखरेती रहती हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि ये दो हसीनाएं आखिर कौन हैं।

अभिनेता शाहिद कपूर एक बार फिर फिल्ममेकर विशाल भारद्वाज के निर्देशन में नजर आने वाले हैं। दोनों की चौथी फिल्म का शीर्षक है 'ओ रोमियो'। पहले इस प्रोजेक्ट को अर्जुन उस्तरा कहा जा रहा था, लेकिन हाल ही में मेकर्स ने फिल्म के नाम का औपचारिक ऐलान किया।

फिल्म में शाहिद कपूर के साथ तृप्ति डिमरी और दिग्गज फिल्म ओ रोमियो में विशाल भारद्वाज अभिनेता नाना पाटेकर अहम के साथ काम कर रहे हैं शाहिद भूमिकाओं में दिखाई देंगे। अब खबर है कि इस फिल्म में तमन्ना भाटिया और दिशा पाटनी की भी एंट्री हो चुकी है। यानी 'ओ रोमियो' में सितारों की एक शानदार फौज नजर आएगी।

हालांकि, तमन्ना और दिशा के किरदारों को लेकर फिलहाल सस्पेंस बना है, लेकिन विशाल भारद्वाज की फिल्मों को देखते हुए इतना तय है कि हर किरदार में कई परतें और अलग-अलग रंग देखने को मिलेंगे। बता दें कि दिशा ओ रोमियो में कैमियो करती दिखेंगे। शूटिंग पिछले साल जनवरी में शुरू हुई थी। इसके भव्य सेट्स की जिम्मेदारी लाल सिंह चड्ढा व एयरलिफ्ट जैसी फिल्मों के मशहूर सेट डिजाइनर मुस्तफा स्टेशनवाला ने संभाली है।

दिशा

विशाल भारद्वाज संग शाहिद कपूर की जोड़ी काफी जचती है। ऐसे में ओ रोमियों को लेकर भी फैंस की एक्साइटमेंट काफी हाई है। गौर किया जाए शाहिद की इस अपकमिंग मूवी की रिलीज डेट की तरफ तो अगले साल वेलेंटाइंस डे पर फरवरी में रिलीज करने की योजना है। 14 फरवरी 2026 को ओ रोमियो को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। नए साल की शुरुआत शाहिद कपूर इसी मूवी के साथ करेंगे।

भीड़ में फंसी साउथ एक्ट्रेस निधि अग्रवाल, लड़कों ने गलत तरीके से किया टच

आठ साल में कीं आठ फिल्में, अब 14 साल बड़े प्रभास संग करेंगी रोमांस

हैदराबाद में प्रभास की आने वाली फिल्म 'द राजा साब' के प्रमोशनल इवेंट के दौरान ऐसा वाकया सामने आया, जिसने एक बार फिर से सेलेब्रिटीज की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सॉन्ग लॉन्च जैसे भव्य कार्यक्रम के बाद जब अभिनेत्री निधि अग्रवाल वेन्यू से बाहर निकल रही थीं, तभी हालात अचानक बेकाबू हो गए। भारी संख्या में मौजूद लोगों ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियोज के मुताबिक, इवेंट खत्म होते ही लोग निधि अग्रवाल के बेहद करीब आ गए। कोई सेल्फी लेना चाहता था तो कोई वीडियो बनाने में जुटा था। इसी बीच भीड़ का दबाव इतना बढ़ गया कि अभिनेत्री को अपनी कार तक पहुंचने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। चारों तरफ से घिरी निधि के चेहरे पर घबराहट साफ नजर आ रही थी। आखिरकार सुरक्षा कर्मियों ने घेरा बनाकर उन्हें किसी तरह कार तक पहुंचाया। कार में बैठने के बाद निधि ने कहा- 'ओ माय गॉड। व्हाट द हेल वॉज डैट' (हे भगवान। ये सब क्या था) वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स का गुस्सा फूट पड़ा है।

कई लोगों ने इसे फैन कल्चर की हद पार होना बताया है। यूजर्स का कहना है कि स्टार्स की लोकप्रियता का मतलब यह नहीं कि उनकी निजी सुरक्षा को नजरअंदाज कर दिया जाए। कुछ लोगों ने आयोजकों को भी जिम्मेदार ठहराया और कहा कि इतने बड़े सितारे के इवेंट में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होने चाहिए थे। वहीं, कुछ यूजर्स ने यह भी कहा कि प्रशंसा और बदतमीजी के बीच की लाइन अब धुंधली होती जा रही है।

हिंदी परिवार में जन्मीं निधि तमिल-तेलुगु और कन्नड़ भी जानती हैं

17 अगस्त 1993 को हैदराबाद में जन्मीं निधि अग्रवाल बंगलूरू में पली-बढ़ी हैं। उन्होंने अपनी पढ़ाई भी बंगलूरू से ही की है। हिंदी भाषी मारवाड़ी परिवार में पैदा होने वाली निधि तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषा भी बोल लेती हैं और समझ भी लेती हैं।

साल 2014 में मिस दीवा यूनिवर्स में हिस्सा लेने वाली निधि अग्रवाल ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2017 में की। निधि ने बॉलीवुड की फिल्म 'मुन्ना माइकल' से फिल्मी दुनिया में कदम रखा। टाइगर श्रॉफ स्टारर इस फिल्म के लिए निधि का चयन 300 कैंडिडेट के ऑडिशन के बाद हुआ था।

2018 में तेलुगु और 2021 में तमिल सिनेमा में किया डेब्यू

बॉलीवुड में डेब्यू करने के बाद निधि ने साल 2018 में नागा चैतन्य के साथ फिल्म 'सव्यसाची' से तेलुगु सिनेमा में अपनी शुरुआत की। जबकि साल 2021 में उन्होंने तमिल सिनेमा में अपनी शुरुआत फिल्म 'ईस्वरन' से की। हिंदी फिल्म से अपनी शुरुआत करने वाली निधि अग्रवाल ने अब तक अपने करियर में तीन तेलुगु और दो तमिल फिल्मों में काम किया है। हालांकि, उनके खाते में 'आई स्मार्ट शंकर' को छोड़कर अब तक कोई बड़ी हिट फिल्म नहीं आई है। इस साल वो पवन कल्याण की फिल्म 'हरि हर वीर मल्लु' में भी नजर आई थीं, लेकिन यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई।

प्रभास के साथ 'द राजा साब' में आएंगी नजर

निधि अग्रवाल अब फिल्म 'राजा साब' में नजर आएंगी। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म को बड़े स्तर पर बनाया गया है। इस फिल्म में निधि अपने से 14 साल बड़े अभिनेता प्रभास के साथ रोमांस फरमाती नजर आएंगी। 'राजा साब' 9 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। पहले इस फिल्म को 5 दिसंबर को ही रिलीज होना था, लेकिन अब फिल्म अगले साल रिलीज होगी। फिल्म को लेकर काफी बज बना हुआ है। निधि अग्रवाल को इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं।

हीरो नहीं अब विलेन बनकर बदली बॉबी-अक्षय की किस्मत

फिल्म दुनिया में एक कहावत काफी पॉपुलर है, फटा पोस्टर, निकला हीरो। लेकिन अब बदलते समय के साथ-साथ इसमें भी फेरबदल की मांग होने लगी है, क्योंकि अब पोस्टर फटता है और हीरो नहीं बल्कि एक धांसू विलेन निकलकर आता है। दो साल पहले रणबीर स्टारर फिल्म एनिमल से अबरार हक से बॉबी देओल ने विलेन के किरदार की परिभाषा को बदलकर रख दिया था।

मौजूदा वक्त में अक्षय खन्ना ने धुरंधर में रहमान डकैत का नेगेटिव रोल कर लीड रोल से ज्यादा लोकप्रियता हासिल कर ली है। लेकिन आपको ये जानकार हैरानी होगी कि जब बॉबी और अक्षय खुद लीड हीरो हुआ करते थे, तब वह इस तरह का स्टारडम पाने में नाकाम रहे थे।

विलेन बन बदली किस्मत

अक्षय खन्ना ने बॉबी देओल से पहले फिल्मों में नेगेटिव रोल प्ले करने का काम शुरू कर दिया था। पहली बार वह हमराज, फिर रेस और ढिशूम के बाद प्रॉपर खलनायक के तौर पर पहचाने जाने लगे। इस साल छावा और अब धुरंधर के जरिए उन्होंने हिंदी सिनेमा में बेस्ट विलेन के तौर पर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है।

साल 2008 में आई रेस के बाद से अक्षय खन्ना बड़ी हिट फिल्म की तलाश में थे, जो 2025 में छावा और अब धुरंधर के जरिए पूरी हुई है। साफतौर पर कहा जाए तो अक्षय ने 50 साल की उम्र में मनचाहा मुकाम हासिल कर लिया है। धुरंधर में जिस तरह से अभिनेता ने रहमान डकैत के रोल को प्ले किया है, उसकी जितनी तारीफ की जाए कम है।

ठीक इसी तरह सालों तक हिट मूवी का सूखा झेलने वाले बॉबी देओल ने 2023 में आई एनिमल में पहली बार विलेन बन बड़े पर्दे पर धमाल मचाया था और वह मूवी ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर साबित हुई। फिल्म में उनके द्वारा निभाए गए नेगेटिव कैरेक्टर अबरार हक के बारे में अब भी चर्चा की जाती है।

दोनों के एंट्री सॉन्ग ने मचाई धूम

जिस तरह एनिमल में बॉबी देओल के लिए ईरानी सॉन्ग जमाल कुडू ने मनोरंजन जगत में तलहका मचाया था। ठीक उसी प्रकार फिलहाल धुरंधर में अक्षय खन्ना का बहरीन सॉन्ग FA9LA पूरे भारत में ट्रेंडिंग में नंबर-1 बना हुआ है। कुल मिलाकर कहा जाए तो अब हीरो ही नहीं बल्कि फिल्मों में विलेन के लिए भी गाने बनते हैं और वे सुपरहिट भी रहते हैं।

एक साथ नजर आ चुके हैं रहमान और अबरार

दरअसल धुरंधर के रहमान डकैत यानी अक्षय खन्ना और एनिमल के अबरार हक यानी बॉबी देओल एक साथ भी एक दूसरे के साथ स्क्रीन शेयर कर चुके हैं। ये दोनों कलाकार हमराज और नकाब जैसी मूवीज में एक साथ दिखाई दिए हैं।

पायल गेमिंग के सपोर्ट में आईं अंजलि अरोड़ा बयां किया अपना दर्द, कहा- आज भी हो रहा नुकसान

पायल गेमिंग

इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबर पायल गेमिंग इन दिनों कथित एमएमएस के चलते सुर्खियों में हैं। बताया जाता है कि वायरल एमएमएस वीडियो में पायल गेमिंग हैं। हालांकि उन्होंने दावा किया है कि यह एमएमएस उनका नहीं है। इस मामले पर अब एक्ट्रेस अंजलि अरोड़ा की प्रतिक्रिया सामने आई है। अंजलि अरोड़ा ने अपने साथ हुए इसी तरह के एक मामले को याद किया है। उनके मुताबिक ऐसे झूठ का दर्द लड़कियां वर्षों तक झेलती हैं जबकि इसे फैलाने वाले इसके बारे में नहीं सोचते हैं।

अंजलि अरोड़ा ने याद किया अपना दर्द

पायल गेमिंग के मामले को लेकर अंजलि अरोड़ा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की है। उन्होंने लिखा 'तीन साल पहले मैंने एक फेक एमएमएस वायरल होने का दर्द झेला था। वही चीजें आज पायल के साथ होता देख वह दर्द ताजा हो गया है। लोगों को एहसास नहीं कि उनकी प्रतिक्रिया कितनी नुकसान पहुंचाती है। उनके लिए यह एक मिनट का मनोरंजन है, लेकिन हमारे लिए यह वर्षों का दर्द बन जाता है। झूठे विवादों के चलते मुझे कई प्रोजेक्ट से निकाल दिया गया। आज भी मुझे इसका नुकसान झेलना पड़ रहा है।'

आज भी दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है

अभिनेत्री ने आगे लिखा 'अभी भी मुझे मेरे कमेंट सेक्शन में दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है। लोग गंदी भाषा का इस्तेमाल करते हैं। वह यह नहीं सोचते कि मुझ पर इसका क्या असर पड़ेगा। यह परेशान करने वाली बात है कि लोग झूठी चीजों पर तुरंत यकीन कर लेते हैं। ऐसी मानसिकता बहुत खराब होती है। इसे सहा नहीं जा सकता। कोई भी महिला बिना आधार के झूठ झेलने की हकदार नहीं है।'

कौन हैं अंजलि अरोड़ा?

अंजलि अरोड़ा सोशल मीडिया सेंसेशन हैं। वह कई म्यूजिक वीडियोज में नजर आ चुकी हैं। वह रियलिटी शो लॉकअप का हिस्सा रही हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 13 मिलियन फॉलोवर्स हैं। कच्चा बादाम वाला उनका एक वीडियो वायरल हुआ था, जिससे वह मशहूर हुईं। इसके बाद उनका कथित एमएमएस वायरल हुआ।

अंजलि अरोड़ा

पायल गेमिंग की प्रतिक्रिया

पायल गेमिंग का असली नाम पायल धरे है। वह गेमिंग वीडियो के अलावा लाइफस्टाइल कंटेट बनाने के लिए जानी जाती हैं। कथित एमएमएस के वायरल होने पर उन्होंने कहा 'मैं ये बात साफ-साफ कहना चाहती हूं कि जो उस वीडियो में दिखाई दे रही है वो मैं नहीं हूं।' उन्होंने इसे लेकर कानूनी लड़ाई लड़ने की भी बात कही है।

बुजुर्ग डायरेक्टर ने बहाने से की मालती चाहर के साथ जबरदस्ती, कांप गई थीं एक्ट्रेस

क्रिकेटर दीपक चाहर की बहन मालती हाल ही में लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस 19 में नजर आईं थीं। एक्ट्रेस ने यहां आते ही सबकी नाक में दम कर दिया था। हाल ही में एक इंटरव्यू में मालती ने अपने साथ हुए भयावह कास्टिंग काउच अनुभव के बारे में बात की और बताया कि इसने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया और सदमे में डाल दिया।

डायरेक्टर ने पार की हदें

मालती ने शो में अपने सफर और शोबिज इंडस्ट्री में एक अभिनेत्री के तौर पर झेली गई मुश्किलों के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने होस्ट सिद्धार्थ कन्नन को बेझिझक बताया कि इंडस्ट्री में उनका सफर उतना आसान नहीं रहा जितना दिखता है। उन्होंने एक घटना का भी जिक्र किया जब एक बुजुर्ग फिल्म निर्माता ने उनसे बात करते समय अपनी सीमा पार करने की कोशिश की थी।

बॉडी लैंग्वेज से समझ जाते हैं लोग

कास्टिंग काउच के अनुभवों के बारे में बात करते हुए, मालती ने कहा कि इस इंडस्ट्री में ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने कहा, हां, कभी-कभी ऐसा होता है। एक-दो बार लोग अपनी किस्मत आजमा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि कई लोग बॉडी लैंग्वेज से किसी व्यक्ति की सीमाओं का अंदाजा लगा लेते हैं। यहां के लोग बहुत समझदार हैं। वे आपके स्वभाव और बॉडी लैंग्वेज को समझ जाते हैं। एक-दो लोगों ने हद पार की, एक ने तो बदतमीजी भी की, लेकिन ज्यादातर लोगों ने मेरी सीमाओं को समझा।

मेरे साथ जबरदस्ती - मालती

मालती ने आगे कहा कि एक फेमस डायरेक्टर के साथ मैं काम कर रही थीं। काम के सिलसिले में कई बार उनसे मिलती भी थी। लेकिन एक बार काम खत्म होते ही मैंने उन्हें हग किया, वो भी साइड से क्योंकि वो मेरे पिता की उम्र के थे, लेकिन मैं क्या देखती हूं कि उन्होंने अचानक बदले में मुझे लिप्स पर किस करने की कोशिश की। मैं समझ ही नहीं पाई ये क्या हुआ, वो काफी उम्रदराज हैं, फिर जो मैंने उन्हें सही किया। इसके बाद मैं उनसे कभी नहीं मिली। लेकिन मैं यही कहना चाहूंगी कि किसी को भी बाप मत मानो, सबसे बचके रह। लेकिन उस वक्त मुझे बहुत गुस्सा आया था।' बता दें कि मालती चाहर ने बिग बॉस 19 में वाइल्ड कार्ड एंट्री ली थी. शो में आते ही उनकी केमिस्ट्री अमाल मलिक से काफी पसंद की गई।

बैस्टियन में आईटी रेड के बीच शिल्पा शेट्टी ने खोला नया रेस्टोरेंट, बोलीं- 'दरवाजे खुलने के लिए तैयार'

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी इन दिनों लगातार सुर्खियों में हैं. उनकी सुर्खियों में रहने की वजह कोई फिल्म या इवेंट नहीं है. वह लंबे वक्त से विवादों की वजह से सुर्खियों में हैं. पहले वह 60 करोड़ की धोखाधड़ी मामले को लेकर खबरों में रहीं. इसके बाद बीती रात आयकर विभाग ने उनके बैस्टियन रेस्टोरेंट पर छापा मार उन्हें सनसनी बना दिया. उनका ये रेस्टोरेंट मुंबई के दादर में है.

अभी ये मामला शांत भी नहीं हुआ था कि शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से एक और नया रेस्टोरेंट की खोलने का ऐलान कर सभी को चौंका दिया है. उन्होंने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को खारिज करते हुए नए रेस्टोरेंट का ऐलान किया है.

बता दें कि शिल्पा के नए रेस्टोरेंट का नाम 'अम्माकाई' है. उनके नए रेस्टोरंत की खास बात यह है कि उन्होंने इस रेस्टोरेंट उसी जगह पर खोला है जहां हाल ही में उनके बैस्टियन होटल पर आईटी ने छापा मारा था.

बिना रिजर्वेशन होगी एंट्री

नए रेस्टोरेंट की घोषणा करते हुए शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा- 'दरवाजे खुलने के लिए तैयार हैं, किचन में हलचल है, और अम्मा ने आधिकारिक तौर पर हां कह दिया. 19 दिसंबर को सुबह 11 बजे से रात 1 बजे तक खुला रहेगा, सीधे अंदर आएं, कोई रिजर्वेशन नहीं.'

फैंस कर रहे हैं शिल्पा की हिम्मत की तारीफें

वहीं वीडियो में वह कह रही है कि यह इंतजार के लायक होगा. यह मेरी जड़ों और कम्फर्ट फूड को समर्पित है, जो मुझे घर की याद दिलाता है. रेस्टोरेंट में बैस्टियन के सभी फेवरेट डिश यहां आपको मिलेंगे. अब शिल्पा के नए रेस्टोरेंट खोलने के ऐलान से हड़कंप मच गया है. उनके इस फैसले से उनके चाहने वाले उनकी बिजनेस सेंस और हिम्मत दोनों की तारीफें कर रहे हैं.

डेंटल सर्जन से अभिनेत्री बनीं श्रेया शर्मा

बोलीं- कबीर सिंह में मैं कियारा की जगह ज्यादा अच्छा परफॉर्म कर सकती थी

डेंटल सर्जन से अभिनेत्री बनने तक श्रेया शर्मा का सफ़र किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। हरियाणा के एक मेडिकल परिवार से निकलकर उन्होंने अपने सुरक्षित करियर को छोड़ अभिनय के सपने को चुना। बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के मुंबई आकर श्रेया शर्मा ने संघर्ष, ऑडिशन और अस्वीकृतियों का सामना किया। मेहनत, धैर्य और अपने सपनों पर अटूट विश्वास के बल पर उन्होंने मस्ती 4 जैसी बड़ी फिल्म में अपनी जगह बनाई।

मुझे अच्छे से याद है कि बचपन से ही मैं "मेड इन इंडिया" गाने पर डांस किया करती थी। मेरे पापा डॉक्टर हैं और मम्मी एक टीचर हैं। हरियाणा में हमारा खुद का हॉस्पिटल भी है। मैं हमेशा से एक्ट्रेस बनना चाहती थी, लेकिन कैसे और किस दिशा में जाना है, ये मुझे पता नहीं था।

बोर्ड एग्जाम के बाद मैंने वही रास्ता चुना, जो हमारे घर में परंपरा के तौर पर चला आ रहा है, और मैंने बीडीएस किया। मेरे रिजल्ट में अच्छे मार्क्स आए, जिससे मेरे मां-बाप बहुत खुश थे। लेकिन कन्वोकेशन खत्म होते ही मैंने मुंबई जाने की ठान ली और अपने सपनों को पूरा करने का फैसला किया। एक आउटसाइडर के तौर पर मुंबई में दिक्कतें तो हुईं हीं। अब मुझे मुंबई में आए हुए दो साल हो गए हैं और मैं धीरे-धीरे सब कुछ सीख रही हूं। मैं दिल से एक्टिंग करना चाहती थी और आज वही कर रही हूं।

जब मैं पहली बार मुंबई पहुंची, तो सबसे बड़ी दिक्कत ये थी कि आखिर रहूं कहां। घर ढूंढने में ही एक महीना लग गया। फिर तीन महीने बाद मैंने काम की तलाश शुरू की। मेरा मेडिकल बैकग्राउंड था, इसलिए इंडस्ट्री के बारे में उतना आइडिया नहीं था। मैंने एक लिस्ट बना ली थी कि इंडस्ट्री में किन-किन लोगों से मुझे मिलना है। मैंने अपना एक अच्छा-सा पोर्टफोलियो भी तैयार किया, ताकि ये दिखा सकूं कि मैं किस तरह के काम करना चाहती हूं। मैंने काफी सारे वर्कशॉप्स भी किए हैं। मैं एक वुमन आर्मी हूं और इंडस्ट्री में मैंने थोड़ा लेट कदम रखा है, लेकिन मुझे एक्टिंग से प्यार है और वो मुकाम मैं जरूर हासिल करूंगी। मैंने 'Mr. & Mrs. Grey' नाम की एक फिल्म की शूटिंग खत्म की थी। उस फिल्म के बाद मैं एक प्रोड्यूसर के ज़रिए मिलान मिलाप जावेरी सर से मिली। उस वक्त मस्ती 4 के ऑडिशन चल रहे थे।मैंने अपनी फिल्म के किरदार 'आंचल' नाम की लड़की के लिए ऑडिशन दिया। जब मिलाप सर मुझे उस किरदार के बारे में बता रहे थे कि वो लड़की अपने हसबैंड का फोन चेक करती है, लोकेशन मंगवाती है, तो मैंने उनसे कहा कि "सर, मैं तो रियल लाइफ में भी ऐसी ही हूं।"

ऑडिशन देने के बाद मैंने बहुत लंबा इंतज़ार किया और डेली कॉल करके पूछा करती थी। मैं किसी भी हाल में ये फिल्म करना चाहती थी, क्योंकि इसी फिल्म से मुझे इंडस्ट्री में ब्रेक मिलता। और कौन नहीं चाहता है आफताब शिवदासानी, विवेक ओबेरॉय, रितेश देशमुख और अरशद वारसी जैसे एक्टर्स के अपोजिट काम करना, मेरे लिए ये एक बहुत बड़ी ऑपर्च्युनिटी थी।

मस्ती 4 के सेट पर विवेक ओबेरॉय सर सबसे बड़े प्रैंकस्टर थे। वो किसी एक से कुछ बोल देते थे, फिर दूसरा आकर पूछता था कि "क्या आपने मेरे बारे में ऐसा कहा?" हम तीनों लड़कियों ने सेट पर बहुत मस्ती की है।

शूट यूके में हुआ था, तो हमने बहुत खाया। जिस दिन हमारा बिकिनी शूट था, उस दिन हम तीनों पिज्जा खा रही थीं। नरगिस माशाअल्लाह बहुत खूबसूरत है। जब मैंने उन्हें बकिंघम में मिलने वाले शॉपिंग ऑफर्स के बारे में बताया, तो वो मास्क लगाकर वहां शॉपिंग करने चली गईं। मुझे लगता है कि मैं आदित्य रॉय कपूर के साथ अच्छी दिखूंगी। इसके अलावा मैं शाहिद कपूर के साथ भी काम करना चाहती हूं। मुझे लगता है कि कबीर सिंह में मैं कियारा की जगह ज्यादा अच्छा परफॉर्म कर सकती थी, मुझे उस फिल्म में होना चाहिए था। जहां तक डायरेक्टर्स की बात है, तो मैं संजय लीला भंसाली की बहुत बड़ी फैन हूं।

'जया जी के पास आपके मोबाइल का पासवर्ड है?'

कार्तिक आर्यन ने पूछा सवाल तो अमिताभ बच्चन ने कहा- पागल हो क्या

टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति सीजन 17 में बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन और

अनन्या पांडे गेस्ट बनकर पहुंचेंगे। दोनों शो में अपनी आने वाली फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के प्रमोशन के लिए आएंगे। यह एपिसोड आज रात 9 बजे आएगा। उससे पहले शो का प्रोमो सोशल मीडिया पर सामने आया है।

प्रोमो में दिखा कि शो के एक सेगमेंट के दौरान कार्तिक और अनन्या, होस्ट अमिताभ बच्चन से उनकी प्राइवेट लाइफ से जुड़े कुछ सवाल पूछते हैं। इसी बातचीत के दौरान कार्तिक, जया बच्चन को लेकर भी कुछ सवाल किए। शो में कार्तिक पूछते हैं कि क्या जया जी के पास अमिताभ बच्चन के मोबाइल का पासवर्ड है? यह सवाल सुनते ही बिग बी हंस पड़ते हैं और मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, "पागल हो क्या, हम उन्हें बता देंगे?" उनके इस जवाब पर स्टूडियो में मौजूद सभी लोग हंसने लगते हैं।

शो में फिटनेस को लेकर भी बातचीत होती है। कार्तिक आर्यन बताते हैं कि वह अपने मन का खाना नहीं खा पाते और जो मिलता है, उसी से संतोष कर लेते हैं। उन्होंने मजाक में कहा कि कई बार बाहर से बर्गर मिलता है, लेकिन अंदर सलाद होता है। अनन्या पांडे भी उनकी बात से सहमति जताती हैं। यह सुनकर अमिताभ बच्चन हैरानी जताते नजर आते हैं। बता दें कि फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जो 25 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में कार्तिक और अनन्या के अलावा में फिल्म नीना गुप्ता, जैकी श्रॉफ और टीकू तलसानिया भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसका डायरेक्शन समीर विद्वांस ने किया है और इसे करण जौहर प्रोड्यूस कर रहे हैं।

कुमार सानू ने पूर्व पत्नी पर मानहानि का केस किया

तलाक समझौते की शर्तों के उल्लंघन का आरोप लगाया, 30 लाख रुपए हर्जाना मांगा

मशहूर प्लेबैक सिंगर कुमार सानू ने अपनी पूर्व पत्नी रीता भट्टाचार्य के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया है। मामले में सानू ने 30 लाख रुपए के हर्जाने की मांग की है। साथ ही, उन इंटरव्यू को हटाने की मांग की है, जिनमें उनके खिलाफ आरोप लगाए गए हैं।

यह केस दोनों के तलाक के करीब 24 साल बाद सामने आया है। कुमार सानू और रीता भट्टाचार्य का तलाक साल 2001 में हुआ था। तलाक की प्रक्रिया बांद्रा फैमिली कोर्ट में पूरी हुई थी।

याचिका सानू की ओर से वकील सना रईस खान के जरिए दायर की गई है। इसमें कहा गया है कि रीता भट्टाचार्य ने कुछ एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म्स को इंटरव्यू दिए। इनमें विरल भयानी और फिल्म विंडो जैसे प्लेटफॉर्म शामिल हैं। इन इंटरव्यू में उन्होंने सिंगर पर गंभीर आरोप लगाए।

रीता ने आरोप लगाया था कि प्रेग्नेंसी के दौरान उन्हें खाना नहीं दिया गया। किचन बंद कर दिया जाता था। दूध और इलाज तक से दूर रखा गया। उन्होंने यह भी कहा कि उस समय कोर्ट की कार्यवाही चल रही थी। इसके अलावा, उन्होंने सानू पर कई अफेयर्स और परिवार की अनदेखी करने के आरोप भी लगाए। ये इंटरव्यू सितंबर 2025 में सोशल मीडिया पर काफी शेयर हुए थे।

तलाक समझौते की शर्तों के उल्लंघन का दावा

कुमार सानू की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि ये बयान तलाक के समय तय हुई सहमति की शर्तों का उल्लंघन हैं। सानू के मुताबिक, 9 फरवरी 2001 को फैमिली कोर्ट में यह तय हुआ था कि दोनों पक्ष भविष्य में एक-दूसरे पर कोई आरोप नहीं लगाएंगे।

याचिका में कहा गया है कि इन बयानों से सिंगर की इमेज को नुकसान पहुंचा है। इससे उन्हें मानसिक तनाव भी हुआ है। 27 सितंबर को रीता भट्टाचार्य और संबंधित मीडिया प्लेटफॉर्म्स को लीगल नोटिस भेजा गया था। नोटिस में कहा गया कि अगर इंटरव्यू नहीं हटाए गए, तो आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।

नोटिस में आरोपों की गंभीरता का भी जिक्र किया गया। इसमें कहा गया कि सानू पर प्रेग्नेंसी के दौरान खाना न देने जैसे आरोप लगाए गए। उनके परिवार को असभ्य बताया गया। गोद लेने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए गए।

याचिका के अनुसार, इन बयानों से सिंगर की मेहनत से बनी इमेज को नुकसान हुआ है। इससे प्राइवेट और प्रोफेशनल रिलेशन्स पर असर पड़ा है। बिजनेस से जुड़े मौकों में भी नुकसान हुआ।

इस सिविल केस में जहां हर्जाना और कंटेंट हटाने की मांग है, वहीं लीगल नोटिस में भारतीय न्याय संहिता की धारा 356 के तहत आपराधिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। याचिका में दिल्ली हाई कोर्ट के 15 अक्टूबर 2025 के एक आदेश की कॉपी भी शामिल है। यह आदेश एक अलग मामले से जुड़ा है, जिसमें एआई से बने कंटेंट को हटाने के निर्देश दिए गए थे।

जॉन अब्राहम @53, फिल्में फ्लॉप फिर भी यूथ आइकॉन : कटरीना को फिल्म से निकलवाने का आरोप लगा

बॉलीवुड के फिटनेस आइकॉन जॉन अब्राहम आज अपना 53वां जन्मदिन मना रहे हैं। एमबीए की पढ़ाई करने वाले जॉन की पहली नौकरी महज 6500 रुपए की थी। उन्होंने एक मीडिया प्लानर के तौर पर काम करना शुरू किया, लेकिन उनका लुक और स्टाइल देखकर उनके बॉस ने खुद उनसे मॉडलिंग करने के लिए कहा।

मॉडलिंग में जॉन को इंटरनेशनल पहचान तो मिली, लेकिन भारत में नाम बनाने के लिए उन्होंने देश लौटने का फैसला किया। इसी दौरान उन्हें करण जौहर की फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' ऑफर हुई, लेकिन जॉन ने फिल्म करने से इनकार कर दिया। फिर फिल्म जिस्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया और धीरे-धीरे हिंदी सिनेमा के एक्शन हीरो बन गए।

भले ही जॉन अब्राहम की कई फिल्में फ्लॉप रही हों, लेकिन वे आज भी युवाओं के पसंदीदा स्टार हैं। उनकी फिटनेस और स्टाइल उन्हें खास बनाती है। इसी वजह से युवा आज भी उन्हें फॉलो करते हैं।

बॉस की एक सलाह और बदल गई जिंदगी

जॉन अब्राहम एक मिडिल क्लास फैमिली से ताल्लुक रखते हैं। बचपन में उन्होंने काफी संघर्ष किया। उनके पिता अब्राहम जॉन एक आर्किटेक्ट थे। अपने पिता की तरह जॉन भी बड़े होकर आर्किटेक्ट बनना चाहते थे।

कॉलेज खत्म करने के बाद जॉन ने मीडिया प्लानर की नौकरी शुरू की। हालांकि, उनका लुक और स्टाइल बाकी लोगों से काफी अलग था। यूं कहें कि वे मीडिया प्लानर कम और एक्टर ज्यादा लगते थे। ऐसे में एक दिन उनके बॉस ने उनकी कद-काठी और पर्सनैलिटी को देखते हुए उन्हें मॉडलिंग करने की सलाह दी। सिर्फ सलाह ही नहीं, बल्कि उन्होंने जॉन को एक मॉडलिंग प्रतियोगिता में भाग लेने में भी मदद की।

खास बात यह रही कि जिस मॉडलिंग प्रतियोगिता में जॉन ने हिस्सा लिया, उसमें वे जीते और 'ग्लैडरैग्स सुपरमॉडल ऑफ द ईयर' बने। इसके बाद उन्हें इस प्रतियोगिता के इंटरनेशनल एडिशन में भी भाग लेने का मौका मिला। दुनियाभर के मॉडल्स से भरे इस इवेंट में जॉन अब्राहम फर्स्ट रनर-अप रहे।

मॉडलिंग की दुनिया में जॉन ने खुद को एक इंटरनेशनल चेहरा बना लिया। जब उन्होंने फिलीपींस में एक इंटरनेशनल मॉडलिंग कॉन्टेस्ट जीता, तो उनके पास मॉडलिंग के कई ऑफर्स आने लगे। उन्होंने सिंगापुर, हॉन्गकॉन्ग, लंदन और न्यूयॉर्क समेत दुनियाभर के कई शहरों में मॉडलिंग की। हालांकि अब तक भारत में उनकी कोई खास पहचान नहीं बनी थी।

भारत में अपना नाम बनाने के लिए जॉन अपने देश वापस लौट आए। देखते ही देखते वे भारत के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले मॉडल्स में शामिल हो गए। मॉडलिंग के दौरान ही उन्हें कई म्यूजिक वीडियो में काम करने का मौका मिला।

पंजाबी सिंगर जैजी-बी ने उन्हें अपने गाने 'सूरमा' के म्यूजिक वीडियो में कास्ट किया, जो उनका पहला म्यूजिक वीडियो था। इसके बाद वे पंकज उधास के गाने चुपके चुपके में नजर आए। इस गाने ने

उनके सपनों को उड़ान दी और वे रातों-रात मशहूर हो गए।

करण जौहर की फिल्म को कर दिया था मना

जॉन अब्राहम शुरू से ही अपने फिल्मी करियर को लेकर सतर्क रहे हैं। आपको यह जानकर हैरानी हो सकती है कि जब 'कभी खुशी कभी गम' बन रही थी, तब करण जौहर ने जॉन को इस फिल्म के लिए अप्रोच किया था। हालांकि जॉन ने इस फिल्म को करने से सीधे इनकार कर दिया। फिल्म में करण जौहर ने उन्हें शाहरुख या ऋतिक की भूमिका के लिए नहीं, बल्कि रॉकी के किरदार के लिए संपर्क किया था।

महेश भट्ट की फिल्म जिस्म से रखा फिल्मी दुनिया में कदम

मॉडलिंग और कई म्यूजिक वीडियो करने के बाद जॉन अब्राहम ने बॉलीवुड में कदम रखा फिल्म जिस्म से। इस फिल्म का निर्देशन महेश भट्ट ने किया था। फिल्म में उनके साथ बिपाशा बसु नजर आई थीं।

हालांकि, फिल्म ने बड़े पर्दे पर कोई कमाल नहीं किया, लेकिन जॉन और बिपाशा के बोल्ड सीन की खूब चर्चा हुई। इस फिल्म में काम के लिए जॉन को फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट मेल डेब्यू कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया।

इसके बाद जॉन ने साया, पाप, ऐतबार और लकीर जैसी कई फिल्मों में काम किया, लेकिन उन्हें वह सफलता नहीं मिली, जिसका वे बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

अक्षय की इस फिल्म से बदली जॉन की किस्मत

अक्षय और जॉन की जोड़ी फिल्म जगत में शाहरुख-सलमान, अनिल कपूर-जैकी श्रॉफ की जोड़ी की तरह ही मशहूर है। इन दोनों ने गरम-मसाला और देसी बॉयज जैसी फिल्मों में साथ काम किया। दर्शकों ने इनकी जोड़ी को बहुत पसंद किया, लेकिन आपको ये जानकर हैरानी होगी कि अक्षय की एक फिल्म बनने में देरी हुई तो उसी फिल्म ने जॉन की किस्मत बदल दी।

फिल्म साया से कटरीना को निकलवाया, खूब रोई थीं एक्ट्रेस

फिल्म साया में कटरीना कैफ को लीड एक्ट्रेस के तौर पर कास्ट किया गया था। इस फिल्म में उनके अपोजिट जॉन अब्राहम थे, लेकिन कहा जाता है कि जैसे ही जॉन को पता चला कि कटरीना इस फिल्म में हैं, उन्होंने फिल्म से उन्हें बाहर करवा दिया। दरअसल, उस वक्त कटरीना कैफ इंडस्ट्री में बिल्कुल नई थीं और उन्हें हिंदी बोलने में भी काफी दिक्कत होती थी। यही वजह थी कि जॉन उनके साथ काम नहीं करना चाहते थे। ऐसे में कटरीना को फिल्म से बाहर कर दिया गया। जब कटरीना को यह बात पता चली, तो वह बुरी तरह टूट गईं।

फिल्म इंडस्ट्री ने नजरअंदाज किया तो प्रोड्यूसर बने

जॉन अब्राहम ने कई हिट फिल्मों में काम किया, लेकिन उनकी जिंदगी में ऐसा भी समय आया जब उनकी फिल्में लगातार फ्लॉप होने लगीं। कई सालों तक उनके पास कोई काम नहीं था और इंडस्ट्री ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया। इसी वजह से उन्हें एक्टिंग में खुशी नहीं मिल रही थी।

रणवीर से पूछा गया कि उन्होंने प्रोड्यूसर बनने का फैसला क्यों किया, तो जॉन ने कहा, जो फिल्में मैं कर रहा था, उनसे मैं खुश नहीं था। मैं बदलाव चाहता था। मेरी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। लोग मुझे सिर्फ एक भारी-भरकम आदमी से ज्यादा समझने लगे। उन्होंने देखा कि मेरे पास दिमाग भी है और मैं अलग-अलग तरह की फिल्में बना सकता हूं, जैसे विक्की डोनर, परमाणु, बाटला हाउस।

उन्होंने आगे कहा, मैं इस बदलाव से खुश था। मैं कभी असुरक्षित महसूस नहीं करता। परमाणु से पहले मैंने चार साल तक कोई काम नहीं किया। इस दौरान कई नए लोग इंडस्ट्री में आ गए और मुझे कहा गया कि मैं खत्म हो गया हूं, लेकिन मैंने कभी मेहनत करना नहीं छोड़ा। मेरा मानना है कि आप बस मेहनत करते रहो, लोग आपकी ईमानदारी को जरूर देखेंगे।

जॉन के पिता मलयाली और मां ईरानी हैं

जॉन मिक्स्ड फैमिली से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता अब्राहम जॉन केरल के एक मलयाली सीरियन ईसाई हैं और उनकी मां ईरानी हैं जो गुजरात से हैं। जॉन का पारसी नाम फरहान अब्राहम है। उनकी स्कूलिंग मुंबई के बॉम्बे स्कॉटिश स्कूल से हुई, जहां ऋतिक रोशन, उदय चोपड़ा और अभिषेक बच्चन भी उनके साथ ही पढ़ते थे। तीनों के साथ आज भी जॉन की बेहतरीन बॉन्डिंग है। स्कूलिंग पूरी होने के बाद जॉन ने मुंबई के जय हिंद कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। इसके बाद उन्होंने MBA किया।

ब्यूरोक्रेट से ब्रशस्ट्रोक तक

पुस्तक समीक्षा

बी. पी. आचार्य, तेलंगाना के एक सेवानिवृत्त IAS अधिकारी, अपनी प्रशासनिक उत्कृष्टता और रचनात्मक प्रतिभा के लिए प्रसिद्ध हैं। 1995 में मेरे पहले कला प्रदर्शनी का उद्घाटन उनके द्वारा किया जाना आज भी एक प्रिय स्मृति है। वर्षों में, मैंने उन्हें एक दूरदर्शी नेता और प्रतिभाशाली कार्टूनिस्ट के रूप में सम्मान दिया है।

कार्टूनिंग में सामाजिक और राजनीतिक समझ, गहरी पर्यवेक्षण क्षमता और तीक्ष्ण बुद्धि का अनोखा मिश्रण आवश्यक होता है। आचार्य के कार्टून इन गुणों का उत्कृष्ट उदाहरण हैं—वे बुद्धिमत्ता को रचनात्मक चमक के साथ मिलाते हैं, बिल्कुल महान आर. के. लक्ष्मण की तरह, फिर भी अपनी विशिष्ट आवाज़ बनाए रखते हुए।

उनकी हालिया कार्टून-पुस्तक समाजिक और राजनीतिक विषयों पर नए दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है, जिन्हें हास्य और गहराई के साथ व्यक्त किया गया है। जटिल विचारों को दृश्य व्यंग्य के माध्यम से सरलता से प्रस्तुत करने की आचार्य की क्षमता उनके कला रूप में अनोखे योगदान को दर्शाती है। उन्हें पिछले दो दशकों से व्यक्तिगत रूप से जानना मेरे लिए सम्मान की बात है। वह मेरे कॉलेज के दिनों से मेरे मार्गदर्शक रहे हैं, और मैंने बी. पी. आचार्य की प्रेरणादायक यात्रा देखी है—एक प्रतिष्ठित प्रशासक और एक प्रतिभाशाली कलाकार के रूप में, जिनका प्रभाव आज भी कायम है।

(मनोहर चिलुवेरू एक प्रसिद्ध कलाकार और मूर्तिकार हैं।)

चांदी 1,609 बढ़कर 2.01 लाख किलो के ऑलटाइम हाई पर

इस साल कीमत 1.15 लाख बढ़ चुकी इस महीने 2.10 लाख तक जा सकती है

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। चांदी आज यानी 18 दिसंबर को लगातार दूसरे दिन ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 1 किलो चांदी 1,609 रुपए बढ़कर 2,01,250 रुपए किलो पर पहुंच गई है। इससे पहले 17 दिसंबर को ये 1,99,641 रुपए पर बंद हुई थी।

वहीं कल चांदी पहली बार 2 लाख रुपए किलो के ऊपर निकली थी। कल ये सुबह 2,00,750 रुपए पर ओपन हुई थी। इस साल अब तक चांदी की कीमत 1,15,233 रुपए बढ़ चुकी है।

चांदी में तेजी के 4 बड़े कारण

इंडस्ट्रियल डिमांड

सोलर, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) सेक्टर में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल के चलते चांदी अब सिर्फ ज्वेलरी तक सीमित नहीं रही।

ट्रंप के टैरिफ को लेकर आशंका

अमेरिकी कंपनियां संभावित टैरिफ पॉलिसी के डर से चांदी का भारी स्टॉक जमा कर रही हैं। इससे ग्लोबल सप्लाई पर दबाव बना है।

प्रोडक्शन रुकने की आशंका के चलते मैन्युफैक्चरर्स पहले से खरीदारी कर रहे हैं, जिससे आने वाले महीनों में भी तेजी बनी रह सकती है। निवेशक सिल्वर ईटीएफ के जरिए चांदी में निवेश बढ़ा रहे हैं, जिससे डिमांड और मजबूत हुई है।

सोना 137 रुपए बढ़कर 1.32 लाख रुपए पर पहुंचा

आज 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना भी 137 रुपए बढ़कर 1,32,454 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले ये कल यानी, 17 दिसंबर को 1,32,317 रुपए पर था। वहीं सोने ने 15 दिसंबर को 1,33,442 रुपए प्रति 10 ग्राम का ऑल टाइम हाई बनाया था।

रुपये में कमजोरी स्थायी नहीं, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। रुपये में मौजूदा कमजोरी के बावजूद अगले वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में मजबूती से वापसी करने की संभावना हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रुपया फिलहाल अवमूल्यन के दौर से गुजर रहा है, लेकिन भविष्य में इसमें सुधार देखा जाएगा।

विदेशी निवेशकों का प्रभाव घटा

रिपोर्ट के अनुसार भारतीय रुपये की चाल पर विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) का बड़ा असर हुआ करता था, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2014 से पहले तक मजबूत पोर्टफोलियो इनफ्लो ही रुपये की दिशा तय करने का प्रमुख कारण थे। हालांकि अब वैसी बड़ी पूंजी आमदनी उपलब्ध नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार, भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं, खासतौर पर व्यापार समझौतों में देरी, रुपये को प्रभावित करने वाले

सबसे अहम कारक बन गई हैं। इसमें कहा गया कि आसान और बड़े पूंजी प्रवाह का दौर खत्म हो चुका है और वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता हावी है।

आंकड़ों के अनुसार, 2007 से 2014 के बीच भारत में शुद्ध पोर्टफोलियो इनफ्लो औसतन 162.8 अरब डॉलर रहा। इसके मुकाबले 2015 से 2025 के दौरान यह घटकर 87.7 अरब डॉलर रह गया है। इन चुनौतियों के बावजूद, रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के व्यापार आंकड़े मजबूत लचीलापन दर्शाते हैं। इसमें यह भी बताया गया है कि देश लंबे समय से चली आ रही वैश्विक अनिश्चितता, बढ़ते संरक्षणवाद और श्रम आपूर्ति में आए झटकों को बिना किसी बड़ी बाधा के संभालने में सक्षम रहा है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि समय के साथ रुपये की गति को तीन अलग-अलग चरणों में विभाजित किया जा सकता है। पहले चरण में, जनवरी 2008 से मई 2014 तक, डॉलर की मजबूती की तुलना में रुपये का मूल्य काफी अधिक गिर गया। इस अवधि के दौरान, डॉलर में औसतन 1.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि रुपये में औसतन 16.3 प्रतिशत की गिरावट आई, जो कमजोर घरेलू आर्थिक परिस्थितियों को दर्शाती है। दूसरे चरण में, मई 2014 से मार्च 2021 तक, रुपये के मूल्य में गिरावट मोटे तौर पर डॉलर की मजबूती के अनुरूप रही।

रुपये में औसतन 7.9 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि डॉलर में 5.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो दोनों मुद्राओं के बीच अधिक समन्वित गति को दर्शाता है। तीसरे चरण में, सितंबर 2024 से अब तक, रुपया और डॉलर दोनों एक साथ अवमूल्यन कर रहे हैं।

सेंसेक्स 78 अंक गिरकर 84,482 पर बंद

निफ्टी फ्लैट 25,816 पर, ऑटो और फार्मा शेयर्स में गिरावट रही, आईटी और मेटल शेयर चढ़े

मुंबई, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 18 दिसंबर को फ्लैट कारोबार देखने को मिला। सेंसेक्स 78 अंक गिरकर 84,482 पर बंद हुआ। निफ्टी में 3 अंक की गिरावट रही, ये 25,816 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 16 में गिरावट और 14 शेयरों में बढ़त रही। आज ऑटो, फार्मा और एनर्जी शेयर्स में गिरावट रही। वहीं IT और मेटल सेक्टर के शेयर्स में बढ़त रही।

ग्लोबल मार्केट में मिला-जुला कारोबार

एशियाई बाजारों में कोरिया का कोस्पी 1.53% नीचे 3,994 पर और जापान का निक्केई इंडेक्स 1.03% नीचे 49,001 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.12% ऊपर 25,498 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.16% ऊपर 3,876 पर बंद हुआ। 17 दिसंबर को अमेरिका का डाउ जोन्स 0.47% नीचे 47,885 पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डेक कंपोजिट 1.81% ऊपर और S&P 500 1.16% गिरकर बंद हुआ।

गोयनका समूह का बंगाल में 15800 करोड़ रुपये का निवेश

कोलकाता, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। आरपी-संजिव गोयनका समूह के चेयरमैन संजिव गोयनका ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल में 15,800 करोड़ रुपये के पूंजीगत निवेश (कैपेक्स) की घोषणा की। यह निवेश राज्य में ऊर्जा, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से किया जाएगा। बिजनेस एंड इंडस्ट्री कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए संजीव गोयनका ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्णायक नेतृत्व की सराहना की और कहा कि इससे राज्य में निवेश को तेजी से आगे बढ़ाने में मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बीते वर्षों में उनका समूह पहले ही 26,500 करोड़ रुपये का निवेश कर चुका है। घोषित निवेश का सबसे अहम हिस्सा ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ा है। गोयनका ने बताया कि समूह 12,000 करोड़ रुपये की लागत से 5,000 मेगावाट-ऑवर क्षमता की एक अत्याधुनिक ऊर्जा भंडारण परियोजना स्थापित करेगा।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	धनु	मे
चंद्र	वृश्चिक	मे
मंगल	धनु	मे
बुध	वृश्चिक	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	वृश्चिक	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय		
धनु.....	07-00	बजे
मकर...	09-05	बजे
कुंभ....	10-48	बजे
मीन....	12-18	बजे
मेष.....	13-44	बजे
वृष....	15-21	बजे
मिथुन..	17-17	बजे
कर्क...	19-31	बजे
सिंह---	21-50	बजे
कन्या--	00-06	बजे
तुला---	02-20	बजे
वृश्चिक.	04-38	बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426874**
कलियुग संवत् - **5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- **1955885126**
सूर्योदय **06-43**
सूर्यास्त. **17-41**
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - पौष कृष्ण पक्ष शुक्रवार **19 Dec**
तिथि - अमावस्या अहोरात्र तक
नक्षत्र - ज्येष्ठा **22-51** तक उप मूल
योग - शूल **15-46** तक उप गण्ड
करण - चतुष्पाद **18-08** तक नाग

देव पितृकार्ये अमावस्या

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 10-50 12-13

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
चंचल	06-43 - 08-05	शुभ
लाभ	08-05 - 09-28	शुभ
अमृत	09-28 - 10-50	शुभ
काल	10-50 - 12-13	अशुभ
शुभ	12-13 - 13-36	शुभ
रोग	13-36 - 14-59	अशुभ
उत्पात	14-59 - 16-22	अशुभ
चंचल	16-22 - 17-41	शुभ

रात का चौघड़िया		
रोग	17-41 - 19-22	अशुभ
काल	19-22 - 20-59	अशुभ
लाभ	20-59 - 22-36	शुभ
उत्पात	22-36 - 00-14	अशुभ
शुभ	00-14 - 01-51	शुभ
अमृत	01-51 - 03-28	शुभ
चंचल	03-28 - 05-05	शुभ
रोग	05-05 - 06-43	अशुभ

विदेश में कमा कर करोड़ों जमा कर लिए, फिर भी वापस नहीं लौट रहे

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। अपने यहां से काफी लोग विदेश पढ़ने के लिए जाते हैं। कुछ विदेश में उच्च शिक्षा ग्रहण कर वहीं नौकरी कर लेते हैं और बढ़िया कमाते हैं। लेकिन बढ़िया कमा कर भी वह वापस भारत नहीं आते बल्कि वहीं बस जाते हैं। आखिर ऐसा वह क्यों करते हैं? वह स्वदेश वापस क्यों नहीं लौटते। इस बारे में एक व्यक्ति ने अपनी राय ऑनलाइन साझा की, जिससे एक बड़ी बहस छिड़ गई है। स्वप्रिल कोम्मावर नाम के एक व्यक्ति ने X (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट में बताया कि उन्होंने कनाडा में रहने वाले अपने एक दोस्त से हाल ही में क्या बात की।

कोम्मावर ने लिखा, कल मैं कनाडा में रहने वाले अपने दोस्त से बात कर रहा था। उसने मुझे बहुत ईमानदारी से एक बात बताई। उसने

कहा, '5-6 करोड़ रुपये बचाने के बाद भी, बहुत से लोग भारत वापस आने के बारे में नहीं सोचते। ऐसा नहीं है कि वे भारत से नफरत करते हैं। बल्कि इसलिए क्योंकि वहां जीवन... आसान है।'उन्होंने आगे बताया कि उनके दोस्त के अनुसार, विदेश में जीवन आसान होने के कई कारण हैं। उसने कहाः वहां काम करने का माहौल बेहतर है। नियम स्पष्ट हैं। ओवरटाइम का पैसा मिलता है। भ्रष्टाचार कम है। भारत में, छोटी-छोटी चीजें भी जान निकाल देती हैं - प्रदूषण, ट्रैफिक, रोज का तनाव।

कोम्मावर ने यह भी बताया कि उनके दोस्त के मुताबिक, सिर्फ पैसे कमाना रोज की मुश्किलों का सामना करने के लिए काफी नहीं है। पोस्ट में लिखा था, उसने कहा कि पैसा मायने रखता है, लेकिन उससे भी ज्यादा, मन की शांति, काम में सम्मान और सिस्टम का साथ बहुत मायने रखता है। साथ ही, पोस्ट में इस बात को भी स्वीकार किया गया कि कई भारतीय आज भी अपने देश से भावनात्मक जुड़ाव रखते हैं। कोम्मावर ने जोड़ा, वह आज भी भारत से भावनात्मक रूप से प्यार करता है। लेकिन हकीकत में, विदेश में जीवन ज्यादा स्थिर लगता है। कोई जज नहीं करता। मैं बस वही बता रहा हूं जो उसने महसूस किया। हर किसी की जिंदगी में अपनी प्राथमिकताएं होती हैं।

सात फीसदी की रफ्तार से बढ़ेगी जीडीपी

भारतीय अर्थव्यवस्था पर बोलीं आईएमएफ की पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। वैश्विक अनिश्चितताओं और घरेलू चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में मजबूत रफ्तार बनाए रख सकती है। अनुमान है कि देश की जीडीपी करीब सात फीसदी की दर से बढ़ेगी। यह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के 6.6 फीसदी के अनुमान से बेहतर प्रदर्शन है और अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत देता है।

आईएमएफ की पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने कहा कि भारत की वृद्धि दर पर आकलन राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के जुलाई-सितंबर तिमाही के आंकड़े आने से पहले किया गया था।

एनपीएस में 8 लाख जमा तो पूरा निकाल सकेंगे

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ने नेशनल पेंशन सिस्टम के एग्जिट और विड्रॉल नियमों में बड़े बदलाव किए हैं। अपडेटेड नियमों के मुताबिक, अगर एनपीएस में कुल जमा 8 लाख रुपए या उससे कम है, तो आप अपना पूरा पैसा निकाल सकते हैं। पहले ये लिमिट 5 लाख रुपए थी। वहीं, गैर सरकारी कर्मचारियों के लिए जमा का सिर्फ 20% हिस्सा एन्युटी खरीदने में लगाना जरूरी रह गया है, पहले ये 40% था। यानी अब वे 80% तक लंपसम निकाल सकते हैं। पहले NPS से पूरी तरह बाहर निकलने की उम्र 75 साल थी, अब इसे बढ़ाकर 85 साल कर दिया गया है। वहीं, कर्मचारी रिटायरमेंट के बाद भी अकाउंट एक्टिव रख सकते हैं, लंपसम या एन्युटी खरीदना कम या ज्यादा कर सकते हैं। इससे मार्केट रिटर्न का फायदा लंबे समय तक मिलता रहेगा। नॉन-गवर्नमेंट यूजर्स 60 से 85 साल के बीच कभी भी एग्जिट ले सकते हैं। अगर जमा 12 लाख से ज्यादा है, तो 20% एन्युटी और बाकी लंपसम या स्टेगर्ड (टुकड़ों में) निकासी कर सकते हैं। अगर जमा 8 से 12 लाख के बीच है, तो 6 लाख तक एकमुश्त और बाकी सिस्टेमेटिक विड्रॉल ऑप्शन से निकाल सकते हैं।

नए नियमों से छोटे निवेशकों को रिटायरमेंट पर कैश की जरूरत पूरी करने में आसानी होगी और कर्मचारियों को रिटायरमेंट पर ज्यादा विकल्प मिलेंगे।

खाने-पीने की चीजों में भारी मिलावट

5 में से 1 सैंपल फेल 4,800 लोगों को सजा, 257 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में खाने-पीने की चीजों में मिलावट की खबरें जब-तब आती रहती हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले पांच साल में खाने-पीने की चीजों के जितने भी सैंपल की जांच हुई है, उनमें हर पांच में से एक में मिलावट सामने आई है। राज्यसभा में पेश किए गए सरकारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले पांच सालों में 1.7 लाख से ज्यादा खाने के सैंपल असुरक्षित पाए गए। मिलावटखोरों पर 257 करोड़ रुपये से ज्यादा का जुर्माना भी लगाया गया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि फूड सेफ्टी कानूनों को लागू करने के लिए अब ज्यादा सख्ती बरती जा रही है। खास तौर पर उन खाने-पीने की चीजों पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है, जिनमें मिलावट का खतरा ज्यादा होता है। इनमें दूध और दूध से बने उत्पाद और रेडी टु ईट फूड्स शामिल हैं। ये चीजें sशहरों में खूब बिकती हैं। आंकड़ों के मुताबिक पिछले पांच साल में पूरे देश में करीब 8.7 लाख फूड सैंपल की जांच की गई। इनमें से 1.74 लाख से ज्यादा सैंपल सुरक्षा और गुणवत्ता के तय मानकों पर खरे नहीं उतरे।

इन गड़बड़ियों के कारण लगभग 4,800 लोगों को सजा हुई और उन पर भारी जुर्माना लगाया गया। सिर्फ इस साल की बात करें तो अब तक 1.7 लाख सैंपल जांचे गए हैं, जिनमें से 34,000 से ज्यादा सैंपल सुरक्षा मानकों को पूरा नहीं कर पाए।

मंत्रालय ने यह भी साफ किया कि फूड सिक्योरिटी सुनिश्चित करना केंद्र और राज्यों दोनों की जिम्मेदारी है। अब 'रिस्क-बेस्ड इंस्पेक्शन सिस्टम' के जरिए ज्यादा से ज्यादा गड़बड़ियां पकड़ी जा रही हैं।

ओमानी रियाल दुनिया की सबसे मजबूत करेंसी

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों की यात्रा के अंतिम चरण में ओमान पहुंचे हैं। करीब 309,500 वर्ग किमी में फैले ओमान की आबादी करीब 55 लाख है। भारत के विदेश मंत्रालय के अनुसार, लगभग 781,000 भारतीय इस देश में रहते हैं। यहां की करेंसी रियाल दुनिया की सबसे मजबूत करेंसीज में से एक मानी जाती है। ओमान के एक रियाल की कीमत 235 भारतीय रुपये के बराबर है।

रुपये की कीमत में इस साल डॉलर के मुकाबले करीब 6 फीसदी गिरावट आई है। यह तुर्की की लीरो और अर्जेंटीना की पेसो के बाद सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली करेंसी है। दूसरी ओर ओमानी रियाल मजबूत बना हुआ है। इसके पीछे कई कारण हैं। ओमान में तेल और प्राकृतिक गैस का विपुल भंडार है जो इसकी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाता है। इस देश की आर्थिक स्थिति स्थिर है और इसके पास विदेशी मुद्रा का भी बड़ा भंडार है।

भारत इस खाड़ी देश से कच्चा तेल, एलएनजी, यूरिया और पेट्रोलियम कोक मंगाता है। साथ ही भारत वहा से दूसरे केमिकल और जिप्सम और एल्यूमीनियम मंगाता है जो देश के पावर, फर्टिलाइजर और इंडस्ट्रियल सेक्टर के लिए काफी अहम है। भारत ओमान को मिनरल फ्यूल, केमिकल, कीमती धातु ,आयरन एंड स्टील, अनाज, जहाज, नौका, इलेक्ट्रिक मशीनरी, बॉयलर, चाय, कॉफी, मसाले कपड़े और फूड आइटम एक्सपोर्ट करता है।

ओमान की आबादी काफी कम है। यही वजह है कि उसकी प्रति व्यक्ति आय बहुत ज्यादा है।

सबसे बड़ी एआई आधारित कंपनी बनेगी टीसीएस

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने विश्व की सबसे बड़ी एआई आधारित प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी बनने की एक महत्वाकांक्षी योजना की रूपरेखा प्रस्तुत की। सीईओ के. कृतिवासन ने बताया, कंपनी का वार्षिक राजस्व लगभग 1.5 अरब डॉलर है। टीसीएस ने पहली बार अपने एआई राजस्व का खुलासा किया है।

सरकार ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के प्रबंध निदेशक अश्विनी कुमार तिवारी का कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ा दिया है। यह लगातार दूसरी बार है। इससे पहले 2024 में दो साल बढ़ाया गया था जो 27 जनवरी को खत्म होने वाला था। अब वे 31 दिसंबर, 2027 तक पद पर बने रहेंगे। तिवारी को जनवरी, 2021 में तीन साल के प्रबंध निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया था।

नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लि. (एनएसडीएल) ने सेबी को 15.57 करोड़ रुपये भरकर नियामकीय अनुपालन न करने के एक मामले का निपटारा कर लिया है। 2023-24 में निरीक्षण के दौरान एनएसडीएल में खामियां पाईं गईं थीं।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आज आप एक चिंतनशील अवस्था में रहेंगे। आज आपके उस काम में उत्कृष्टता प्राप्त करने की संभावना है जिसमे गहरी सोच और चिंतन शामिल हो। आज शिक्षक, प्रचारकों, वकील, विवादकर्ताओं और राजनेताओं के अपने अपने कार्य क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने की संभावना है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप अपने काम में रचनात्मक वृद्धि महसूस कर सकते हैं, अंतर्ज्ञान आपकी समस्या-समाधान का मार्गदर्शन करेगा। यह ऊर्जा प्रभावशाली उपलब्धियों की ओर ले जा सकती है, लेकिन यह अकेलेपन के क्षण भी ला सकती है। कम ऊर्जा के प्रति सचेत रहें और अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आपके करियर और पढ़ाई में भावनात्मक तीव्रता हो सकती है, जिससे आपके काम पर अधिक ध्यान और व्यक्तिगत निवेश होगा। आपकी कलात्मक प्रतिभा में निखार आएगा, जिससे आपकी परियोजनाओं में रचनात्मक बढ़त मिलेगी। आपके पास भावनात्मक संघर्षों पर काबू पाने का एक अनूठा अवसर भी होगा।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
आज का दिन उनके लिए अछा है जो की निर्माण के व्यवसाय से जुड़े है। आज के दिन आपको जाँच परख कर निवेश करना है क्योंकि ये अवसर लघु समय के लिए है। अगर आप अपने लिए घर खरीदने की सोच रहे है तो आपको अच्छे प्रस्ताव मिल सकते है। अपने इस चीज़ के लिए जो वित्तीय रणनीति बनाई थी।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,)
आपके करियर में ऊर्जा का संचार होगा। आप अपने अंतर्ज्ञान को बढ़ाते हुए सफलता के लिए किस्मत में महसूस कर सकते हैं। आपका अच्छा स्वास्थ्य उत्पादकता में सहायक है। हालाँकि, चुनौतियों का सामना करते समय धैर्य की आवश्यकता होती है। इन बाधाओं को स्वीकार करें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप मजबूत ऊर्जा और नए विचारों से प्रेरित होकर काम पर बड़ी उपलब्धियाँ हासिल कर सकते हैं। लापरवाह गलतियों से बचने के लिए सतर्क रहें और अकेलेपन की किसी भी भावना को संतुलित करने का प्रयास करें। मूड स्विंग आपके ध्यान को प्रभावित कर सकता है, इसलिए अपनी सेहत का ख्याल रखें।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)
आप खुद को स्वाभाविक रूप से सुर्खियों की ओर आकर्षित पाएंगे। काम पर अलग-अलग परिस्थितियों को अपनाएं क्योंकि इससे आपको अनोखे अवसर मिलेंगे। आपको सफलता और पहचान मिलना तय है। हालाँकि, अपने कामों में फिजूलखर्ची से बचें।

वृश्चिक (तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,)
आज आप खुद की जरुरत से अधिक आलोचना करने के मूड में हैं। आपको भी पता है कि आपकी अधिकतर चिंताएं निरर्थक हैं, फिर भी आप चिंता करते रहते हैं। इसका एकमात्र समाधान यह है कि अपने किसी ऐसे करीबी से सा अपनी चिंताओं के बारे में बात करें जो आपको सहारा दे सके।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
आज आप जो भी कुछ शुरू करेंगे, उसमे चाहे कितनी ही बाधाएं आयें, आपको सफलता मिलनी तय है। दिन के अंत तक आप दूसरों से फिर से बेहतर सम्बन्ध बना पायेंगे। अपनी प्रकृति में एक जरुरी बदलाव लायें-हर सम्बन्ध में केवल अधिकार जताने की कोशिश में ना रहें। सबको बराबरी का दर्जा दें और आपको भी बदले में सबसे प्यार मिलेगा।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा। लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे। यह किसी नए दोस्त के मिलने, पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
लम्बे समय के बाद आज आपको रहत महसूस होगी। किसी महत्वपूर्ण खबर से ख़ुशी मिलेगी। यदि माता-पिता हैं तो बेटे/बेटी के लिए सुयोग्य वर मिल सकता है। किसी लंबित अदालती मामले का फैसला आपके पक्ष में हो सकता है। करियर के मामले में छोटे से प्रयास से बड़ी सफलता मिलनी तय है।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
आपके आसपास आपका ध्यान और समय बांटने वाली बहुत सी गतिविधियाँ चल रही है। छोटी-मोटी बातों पर समय व्यर्थ ना करें। एकाग्र रहें, तभी आपको मुक्त ऊर्जा का प्रवाह अनुभव हो पायेगा। अगर आपको यह मिल गया तो आपकी जिन्दगी बन जायेगी। घबराएं नहीं, ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

इथियोपिया का गुलाम कैसे बना दक्कन का 'बादशाह'

हिल गई थी मुगल सल्तनत की जड़ें

अहमदनगर, 18 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इथियोपिया के दौरे के दौरान उन्हें वहां के सर्वोच्च अवॉर्ड 'ग्रेट ऑनर निशान' से सम्मानित किया गया। अपने आधिकारिक दौरे के दौरान पीएम मोदी ने हॉर्न ऑफ अफ्रीका से बोलते हुए दुनिया को याद दिलाया कि भारत और इथियोपिया के संबंध लगभग 2,000 साल पुराने हैं। 1941 में इथियोपिया की आजादी के लिए भारतीय सैनिकों ने इथियोपियाई लोगों के साथ मिलकर युद्ध लड़ा था। इथियोपियाई संसद को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने मलिक अंबर नाम के शख्स का जिक्र किया। पीएम ने कहा भारत-इथियोपिया के सदियों पुराने इस रिश्ते में मलिक अंबर की अविश्वसनीय कहानी छिपी है।

जानते हैं कौन था अफ्रीका में जन्मा वह शख्स, जिसे गुलाम बनाकर बेचा गया। लेकिन भारत की धरती पर उसने अपनी अक्ल, रणनीति और हौसले से ऐसा इतिहास रचा कि मुगल सम्राट तक उससे खौफ खाने लगे। बिना ताज पहने, बिना बादशाह बने, वह दक्कन की सत्ता का असली सूत्रधार बन गया। जिसके इशारे पर कई राजा अपनी चाल चलते थे। उस महावीर की गुरिल्ला युद्ध नीति ने मुगलों को वर्षों तक रोके रखा और मराठा शक्ति की नींव रखी।

कौन थे मलिक अंबर?

मलिक अंबर का जन्म 1548 के आसपास इथियोपिया, जो उस समय अबीसीनिया हुआ करता था, में हुआ था। वह ओरोमो या अब विलुप्त माया जनजाति से जुड़े एक जातीय समूह से थे। डेक्कन हेरिटेज की रिपोर्ट के मुताबिक, मलिक अंबर की किशोरावस्था के दौरान इलाके में क्षेत्रीय संघर्ष शुरू हो गया, इस लड़ाई में मलिक को पकड़ लिया गया और अरब व्यापारियों ने मलिक को 20 डुकट में यमन के व्यापारियों को बेंच दिया। यमन से उन्हें बगदाद लाया गया और उन्हें जबरन इस्लाम धर्म कबूल कराया गया। धीरे-धीरें मलिक अपने कामों को बखूबी करने और समझने लगे। उनकी बुद्धिमत्ता से प्रभावित होकर उनके मालिक मीर कासिम अल बगदादी ने उनका नाम अंबर रखा।

दक्कन में मलिक की एंट्री

कुछ समय बगदाद में रखने के बाद उन्हें एक बार फिर बेच दिया गया। 1560 के दशक के अंत या 1570 के दशक की शुरुआत में, उन्हें भारत में गुलाम बनाए गए एक पूर्व 'हब्शी' चंगेज खान ने खरीदा था। । कई हाथों से बिकने के बाद वे दक्कन पहुंचे, जहां उनकी बुद्धिमत्ता और नेतृत्व

क्षमता पहली बार सामने आई।

कई रिसर्चों से पता चलता है कि चंगेज खान अहमदनगर में निजाम शाही के रीजेंट मंत्री थे। वह पिछले बीस सालों से निजाम शाही के लिए वफादार थे। हालांकि उन्होंने भी इस्लाम धर्म अपना लिया था। लेकिन मलिक अंबर के विपरीत वह गुलाम नहीं थे। उमर एच अली अपनी रिपोर्ट में लिखते हैं कि 'इस अवधि के दौरान, अंबर ने निजाम के दरबार में बढ़ती जिम्मेदारियां संभालीं, जहां उन्होंने कूटनीति और सैन्य रणनीति और संगठन के बारे में देखा और सीखा।

उन्होंने बीजापुर सल्तनत के साथ अपना सैन्य करियर शुरू किया। उनसी वीरता के लिए "मलिक" दी गई। लगभग 1575 में मालिक की मृत्यु के बाद अंबर को मुक्त कर दिया गया। यानी अब स्वतंत्रता थी कि वह अपने निर्णय खुद ले सकेंगे, उन पर किसी अन्य का अधिपत्य नहीं रहा।

बनाई खुद की सेना

मलिक अंबर को जिस समय आजादी मिली थी, उस समय दक्कन में केवल चार प्रमुख सल्तनत ही हुआ करती थी। जिसमें अहमदनगर, गोलकोण्डा, बीजापुर और मुगल सल्तनत। मुगल लगातार दक्कन में अपने साम्राज्य का विस्तार करने की कोशिश कर रहे थे। ऐसे में सभी राज्यों को सेना की जरूरत होती थी। मलिक ने करीब 150 गुलामों की एक फौज तैयार की और पैसे लेकर युद्ध लड़ता था। कुछ वर्षों तक ऐसे ही चलता रहा। फिर साल 1595 में मलिक अंबर को अहमदनगर में नई संभावना दिखाई दी।

अहमदनगर सल्तनत की सत्ता संभाली

अहमदनगर सल्तनत के पतन के दौर में मलिक अंबर ने सत्ता संभाली। वे पेशवा/वजीर बने और नाबालिग निजामशाह के नाम पर शासन चलाया। वास्तविक सत्ता उन्हीं के हाथों में थी, लेकिन उन्होंने कभी खुद को सुल्तान घोषित नहीं किया। कई विद्वानों का तर्क है कि इसके पीछे भी मलिक की सोची-समझी साजिश थी। क्योंकि खुद को सुल्तान घोषित करने पर प्रजा में विद्रोह हो सकता था।

मलिक जिस वक्त अपनी जड़ें मजबूत कर रहे थे वहीं दूसरी ओर मुगल भी दक्कन में अपना साम्राज्य विस्तार कर रहे थे। अकबर और जहांगीर के समय में मलिक की मुगलों से कई लड़ाईयों हुईं।

अंबर ने गुरिल्ला युद्ध नीति अपनाई। जिसके तहत दुश्मन पर तेज हमले, आपूर्ति लाइन पर चोट और पहाड़ी इलाकों का चतुराई से इस्तेमाल। यही रणनीति आगे चलकर मराठा युद्ध शैली की नींव बनी। उन्होंने शहाजी भोसले जैसे मराठा सरदारों को संगठित किया।

अहमदनगर सल्तनत में अपनी पकड़ मजबूत करने के बाद मलिक ने छत्रपति शिवाजी के दादा मल्लोजी भोसले और उनके पिता, शाहजी भोसले जैसे मराठा सरदारों के साथ गठबंधन किया। उन्होंने दिल्ली के आक्रमणकारियों के खिलाफ साझा अभियान चलाए और मुगलों को आगे बढ़ने से रोक दिया।

सम्राट जहांगीर मलिक अंबर से इतना चिढ़ा कि अपनी आत्मकथा में उनके खिलाफ तीखे शब्द लिखे। कहा जाता है कि जहांगीर ने मलिक अंबर की तस्वीर पर तीर चलाकर अपनी भड़ास निकाली।

जहांगीर ने प्रसिद्ध रूप से अंबर के कटे हुए सिर पर तीर चलाते हुए खुद को चित्रित करने वाली एक पेंटिंग का कमीशन दिया था। हालांकि, न्यूयॉर्क स्थित कला इतिहासकार रॉबर्ट स्कैल्टन ने सुझाव दिया कि यह अंबर की 1626 में मृत्यु के अवसर पर चित्रित किया गया था।

1626 में मलिक अंबर का निधन हुआ। उनके बाद अहमदनगर की शक्ति धीरे-धीरे कमजोर हुई, लेकिन उनकी रणनीति, मराठा-मुगल संघर्ष की दिशा और दक्कन की राजनीति पर उनकी छाप अमिट रही।

महाराष्ट्र में साहूकारों ने बिकवा दी किसान की किडनी

50 हजार का कर्ज 4 साल में 74 लाख हुआ, कंबोडिया में 8 लाख में बेची, 6 गिरफ्तार

चंद्रपुर, 18 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। महाराष्ट्र के चंद्रपुर ज़िले के एक किसान रोशन कुडे ने कहा कि 74 लाख का कर्ज चुकाने के लिए लिए कुछ साहूकारों ने उसे अपनी किडनी बेचने के लिए मजबूर किया था। पुलिस ने कुडे का बुधवार को चंद्रपुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हेल्थ चेकअप करवाया, जिसके बाद डॉक्टरों ने बताया कि उसकी एक किडनी गायब है। ब्रह्मपुरी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने जांच शुरू की और 6 साहूकारों को गिरफ्तार किया। पांच को 20 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। इनमें किशोर बावनकुले, प्रदीप बावनकुले, संजय बल्लारपुरे, लक्ष्मण उरकुडे, मनीष घाटबंधे और सत्यवान बोरकर के नाम हैं।

नागभीड़ तहसील के मिंथुर गांव के रहने वाले कुडे के पास चार एकड़ खेती की जमीन है। खेती में नुकसान के कारण उसने एक साइड बिजनेस शुरू करने का फैसला किया। कुडे ने डेयरी फार्मिंग से कुछ कमाई की उम्मीद में गायें खरीदीं। उसने 2021 में दो साहूकारों से 40% ब्याज दर पर 50,000 रुपए उधार लिए थे। साहूकारों ने बाद में दावा किया कि ब्याज के साथ यह रकम बढ़कर 74 लाख रुपए हो गई थी। एक साहूकार ने उसे लोन का कुछ हिस्सा चुकाने के लिए किडनी बेचने का सुझाव दिया। इसके बाद उसने इंटरनेट पर सर्च किया और एक एजेंट से संपर्क किया। रोशन ने एजेंट से बात की तो वह उसे कोलकाता ले गया।

काम करने जा रही हो तो हिजाब लगाने की क्या जरूरत है

मांझी ने कुछ यूं किया नीतीश का बचाव

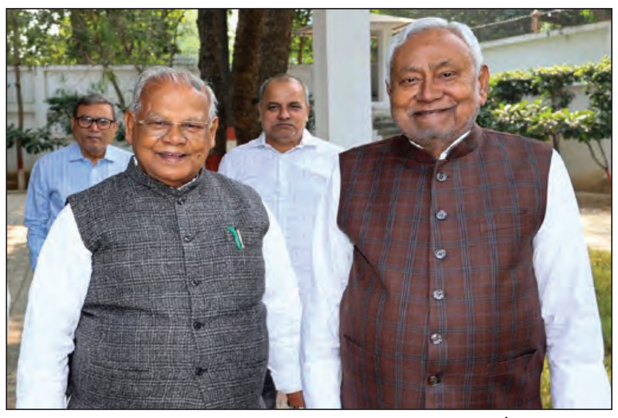

पटना, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के राजनीतिक गलियारों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक मुस्लिम महिला के चेहरे से हिजाब हटाने की घटना ने तूल पकड़ लिया है। जहां विपक्ष इस मुद्दे को लेकर सरकार पर हमलावर है, वहीं केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संरक्षक जीतन राम मांझी ने मुख्यमंत्री का पुरजोर समर्थन किया है। मांझी ने साफ तौर पर कहा कि मुख्यमंत्री का इरादा किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना या किसी का अपमान करना नहीं था। उन्होंने इस पूरी घटना को 'एक्सीडेंटल' बताते हुए जनता और विपक्षी दलों से इसे मानवीय नजरिए से देखने की अपील की है।

सीएम का उद्देश्य अपमान करना नहीं: मांझी

मीडिया से बातचीत के दौरान जीतन राम मांझी ने कहा कि नीतीश कुमार ने संभवतः स्नेहवश बेटी या बहू समझकर महिला का हिजाब हटाया होगा। उन्होंने कहा, 'एक्सीडेंटली ऐसा हुआ होगा। उनका इरादा खराब नहीं था। जब आप काम करने जाते हैं, तो सहजता में ऐसी चीजें हो जाती हैं।' मांझी के अनुसार, मुख्यमंत्री के मन में महिलाओं के प्रति सदैव सम्मान रहा है और इस घटना को जानबूझकर किया गया कृत्य मानना गलत होगा।

केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि इस प्रकरण को सांप्रदायिक रंग देना अनुचित है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का पूरा राजनीतिक करियर सर्वधर्म समभाव और समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित रहा है। मांझी ने दो टूक शब्दों में कहा, 'इसे धर्म के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए।' उन्होंने तर्क दिया कि काम के दौरान हिजाब को लेकर मुख्यमंत्री की टिप्पणी एक अभिभावक के तौर पर दी गई सलाह जैसी थी, न कि किसी धर्म पर प्रहार। विपक्ष पर निशाना साधते हुए मांझी ने कहा कि कुछ दल अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन बचाने के लिए छोटी घटनाओं को बड़ा विवाद बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य को इस समय विकास, रोजगार और सामाजिक सौहार्द की आवश्यकता है, न कि ऐसे मुद्दों की जो समाज में दरार पैदा करें। मांझी ने साफ किया कि जनता सब समझती है और विपक्ष की यह साजिश सफल नहीं होगी।

रोड एक्सीडेंट में दो की मौत

गुमला, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। गुमला जिले के बसिया थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो युवकों की मौत हो गई। दोनों शवों का गुरुवार को सदर अस्पताल में पोस्टमॉर्टम कराया गया।

एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार, इन दोनों सड़क दुर्घटनाओं में बाइक चालकों ने हेलमेट नहीं पहना था, जिसके कारण उन्हें गंभीर चोटें आईं। पहली घटना बसिया प्रखंड के पोकटा नदी के पास हुई, जहां एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार द्वारसेनी निवासी 22 वर्षीय प्रेम रंजन होरो और उसका एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को बसिया उप स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें सदर अस्पताल गुमला रेफर कर दिया गया। अस्पताल पहुंचने पर इलाज के दौरान प्रेम रंजन होरो की मौत हो गई।

पति सिर काटता है तो पत्नी बनवाती है टैटू

नगालैंड की हैरान करने वाली परंपरा

कोहिमा, 18 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। क्या आपने पहले कभी ऐसी किसी परंपरा के बारे में सुना है, जिसमें पति अगर किसी का भी सिर काटे तो पत्नी अपने शरीर पर टैटू बनवाती है। अगर नहीं सुना तो आप ये जानकर हैरान हो जाएंगे कि ऐसी एक परंपरा भारत के एक राज्य में आज भी मौजूद है। इस परंपरा की शर्त यह है कि पति जितने भी सिर काटेगा पत्नी को उतने ही टैटू अपने शरीर पर बनवाने पड़ेंगे। अगर आपने भी इस प्रथा के बारे में पहले नहीं सुना तो आइए आज आपको इसके बारे में विस्तार से बताते हैं।

सिर काटने वाली अजीब प्रथा भारत के नगालैंड राज्य के लोंगवा गांव में है। इर गांव की कुछ सीमा म्यांमार में भी है। लोंगवा गांव में सदियों से दुश्मन का सिर काटने की प्रथा चली आ रही है। प्रथा के मुताबिक दुश्मन के सिर को धड़ से अलग करने का मतलब है एक यादगार काम को अंजाम देना। जब कोई भी पुरुष ये काम करता है तो अपने पति की इस कामयाबी

का जश्न मनाने के लिए पत्नी अपने शरीर पर टैटू बनाती है। यहां की जनजातियां दुश्मन के सिर काटने के बाद उनकी खोपड़ी पर कब्जा कर लेते थे और सिर का सार्वजनिक प्रदर्शन करते थे।

यहां सिर काटना शौर्य का प्रतीक

नगालैंड के इस गांव में लोगों के घरों में मिथुन, भैंस, सुअर और हिरण के सिर दीवारों पर सजे हुए आसानी से देखे जा सकते हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक भारत और म्यांमार की बॉर्डर के बीचों-बीच रहने वाली इस जनजाति में सिर काटना शौर्य का प्रतीक माना जाता है। यहां इस गांव में एक तरफ हिंदी तो वहीं दूसरी तरफ म्यांमार की भाषा में संदेश लिखे नजर आते हैं। इस गांव में मांस, मक्का और सब्जियों को घर के बीच में बने चूल्हे के ठीक ऊपर बांस से बने कंटेनर में रखा जाता है। हालांकि, इस जनजाति का अस्तित्व भारत और म्यांमार के बीच खींची गई बॉर्डर से भी पहले का बताया जाता है।

भोजन भारत में, नींद म्यांमार में

म्यांमार और भारत की सीमा पर बने इस गांव में एक कहावत बड़ी मशहूर है कि यहां के मुखिया रात का भोजन भारतीय तरफ के गांव में करते हैं और खाना खाने के बाद सोते म्यांमार की तरफ हैं। पहले ये सभी आदिवासी/जनजाति थे। लेकिन 19वीं शताब्दी की शुरुआत में नगालैंड में ईसाई मिशनरियों ने ईसाइ धर्म का प्रचार-प्रसार शुरू कर दिया और प्रकृति की पूजा करने वाले इन आदिवासियों का राज्य आज 90 फीसदी ईसाई बहुल हो गया है। बताया जाता है कि नगालैंड के छोटे से छोटे गांव में कम से कम एक चर्च जरूर है।

हालांकि, सरकारी आंकड़ों के मुताबिक नगालैंड में सिर कांटने पर 1940 में प्रतिबंध लगा दिया गया था। राज्य में सिर काटने की अंतिम घटना 1969 में हुई थी। बताया जाता है कि सिर काटने की घटना पर लगे सरकारी प्रतिबंध के बाद गांव में लगाई गई सभी खोपड़ियों को हटा दिया गया। कहा जाता है कि इन खोपड़ियों को जमीन के अंदर दफन कर दिया गया।

हरियाणा विधानसभा विंटर सेशन, कांग्रेस का अविश्वास प्रस्ताव मंजूर

चंडीगढ़, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा के विंटर सेशन का आज पहला दिन है। कार्यवाही की शुरुआत प्रश्नकाल से हुई। दोपहर बाद लंच के बाद इस दौरान स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने कांग्रेस का अविश्वास प्रस्ताव स्वीकार किया।

स्पीकर ने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव मंजूर कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि कल 19 दिसंबर को दूसरी सिटिंग में इस पर चर्चा की जाएगी।

इस दौरान सिरसा से कांग्रेस विधायक गोकुल सेतिया की ओर से पानी की दिक्कत को लेकर उठाए गए मुद्दे पर कैबिनेट मंत्री रणवीर गंगवा में जमकर बहस हो गई। कांग्रेस विधायक ने गंगवा को कहा कि आपकी जीरो

परफार्मेंस हैं। आपसे अच्छे तो आपके विभाग के अधिकारी हैं। इस पर गंगवा ने विरोध जताया।

डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिड्डा ने कांग्रेस विधायक की ओर से बोले गए शब्दों पर आपत्ति प्रकट की। उन्होंने कहा कि आप ऐसा नहीं कह सकते।

गंगवा ने कहा कि आप झूठे आरोप लगा रहे हैं, मैं किसी भी अधिकारी को कोई शह देकर नहीं आया। विपक्ष ने हंगामा किया तो डिप्टी स्पीकर ने विपक्ष के विधायकों को समझाकर शांत किया। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के हस्तक्षेप करने पर कांग्रेस विधायक और मंत्री ने एकदूसरे से खेद प्रकट किया।

इस दौरान स्पीकर ने सदन में विधायी कार्यों के लिए 2 घंटे का समय निर्धारित किया। इस दौरान नेता विपक्ष हुड्डा ने सत्र बढ़ाने का प्रस्ताव रखा, जिस पर सीएम सैनी ने भी सहमति जताई। इस दौरान स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने कांग्रेस का अविश्वास प्रस्ताव स्वीकार किया।

सदन के पहले दिन की खास बात यह रही कि सीएम नायब सैनी आज भगवा पग बांधकर आए हैं, वहीं, कांग्रेस के 5 विधायक हरी जैकेट पहनकर पहुंचे हैं। उनका कहना है कि यह किसानों का प्रतीक है।

सदन में किसानों का मुद्दा उठाएंगे। प्रश्नकाल में मंत्री अनिल विज ने नेता विपक्ष बनने पर भूपेंद्र हुड्डा को शायराना अंदाज में बधाई दी।

बीएसएफ जवान ने सर्विस-राइफल से खुद को किया शूट

जगदलपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में बीएसएफ जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। सुसाइड करने का कारण अज्ञात है। जवान उत्तर प्रदेश का रहने वाला था। पुलिस मामले की जांच की जा रही है। घटना सोनपुर थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, जवान का नाम सचिन कुमार है। ये उत्तर प्रदेश के सिंगोली थाना क्षेत्र का रहने वाला था। पिछले कुछ समय से नारायणपुर के होरादी कैंप में आरक्षक के पद पर तैनात था। कैंप में ही ड्यूटी के दौरान उसने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सुकमा एनकाउंटर में एक महिला समेत 3 नक्सली ढेर

तीनों के शव बरामद, 12 लाख के इनामी थे, मौके से पिस्टल-टिफिन बम भी जब्त

सुकमा, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। थाना गोलापल्ली क्षेत्र के गोंदीगुड़ा के जंगल-पहाड़ी इलाके में हुई मुठभेड़ में महिला माओवादी समेत 3 नक्सली मारे गए हैं। मारे गए सभी नक्सली इनामी थे, जिन पर कुल 12 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

एसपी सुकमा किरण चव्हाण ने बताया कि नक्सलियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिली थी। इस आधार पर डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) की टीम ने गोंदीगुड़ा के जंगल क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। 18 दिसंबर 2025 की सुबह सर्चिंग के दौरान डीआरजी और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग हुई।

मुठभेड़ के बाद जब सुरक्षाबलों ने इलाके की तलाशी ली तो एक महिला और दो पुरुष माओवादियों के शव बरामद किए गए। मौके से भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक सामग्री और नक्सली सामान भी जब्त किया गया। आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि बस्तर रेंज में इस साल कुल 255 नक्सली मारे जा चुके हैं।

मुठभेड़ स्थल से 9 एमएम सर्विस पिस्टल, 12 बोर भरमार बंदूक, बीजीएल सेल, टिफिन बम सहित भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और नक्सली दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

बस्तर रेंज के आईजी सुन्दरराज पी ने कहा कि, वर्ष 2025 में सुरक्षा बलों की संयुक्त कार्रवाई में अब तक केंद्रीय समिति, डीकेएसजेडसी और पीएलजीए कैडर समेत कुल 255 नक्सली मारे जा चुके हैं।

आईजी ने कहा कि "बस्तर में माओवाद अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। संगठन की संरचना टूट चुकी है। सक्रिय माओवादियों से अपील है कि वे हिंसा का रास्ता छोड़कर सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति का लाभ उठाएं।" इससे पहले 3 दिसंबर को दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर जवानों ने 12 नक्सलियों को मार गिराया था। इनमें डिविजनल कमेटी मेंबर (डीवीसीएम) वेल्ला मोडियम भी मारा गया था। वहीं, इस एनकाउंटर में डीआरजी के 3 जवान शहीद और 2 घायल हुए थे।

झारखंड के 5 जिलों में शीतलहर का यलो अलर्ट

रांची, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में ठंड का असर लगातार तेज होता जा रहा है। राजधानी रांची समेत कई जिलों में न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। रांची जिले के कांके क्षेत्र में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो इस सीजन का सबसे कम तापमान माना जा रहा है। वहीं मौसम विभाग के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार रांची जिले में न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। राज्य के छह जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। जिससे सुबह और रात में कड़ाके की ठंड महसूस की जा रही है। ठंडी हवाओं और खुले आसमान की वजह से तापमान में और गिरावट की आशंका जताई जा रही है। मौसम विज्ञान केंद्र ने 18 दिसंबर को झारखंड के पांच जिलों गढ़वा, पलामू, चतरा, हजारीबाग और लातेहार में शीत लहर चलने की चेतावनी जारी की है।

लूटकांड का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

पलामू, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। पलामू जिले के हैदरनगर थाना क्षेत्र के कुकही गांव में एक माह पूर्व हुई लूट की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने मुख्य साजिशकर्ता नीरज कुमार और उसके साथी ओमप्रकाश सिंह उर्फ दीपू (22) को गिरफ्तार किया है। दंपती को बंधक बनाकर इस वारदात को अंजाम दिया गया था।

यह वारदात 20 नवंबर की रात मुगलजान टोला स्थित मृत्युंजय कुमार के घर में हुई थी। हथियारबंद अपराधी घर में घुस गए थे और उन्होंने दंपती के साथ मारपीट की थी। अपराधियों ने घर से नकदी, जेवरात और मोबाइल फोन लूट लिए थे।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक (एसपी) रीष्मा रमेशन ने हुसैनाबाद एसडीपीओ मो एस याकूब के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। जांच में सामने आया कि लूट की यह योजना पीड़ित मृत्युंजय कुमार के भतीजे नीरज (19) ने बनाई थी।

पुलिस के अनुसार, नीरज नशे का आदी था। उसकी पारा शिक्षक चाची उसे अक्सर लोगों के सामने 'नशेड़ी' कहकर अपमानित करती थीं। इसी अपमान का बदला लेने के लिए नीरज ने यह साजिश रची। उसने अपने दोस्त दीपू को इस योजना में शामिल किया, जिसने उसे बिहार के औरंगाबाद जिले के एनटीपीसी थाना क्षेत्र के घुजा गांव निवासी अपराधी विक्की कुमार से मिलवाया।

ईडी: गबन और विश्वासघात कर सरकारी बैंकों को 1392 करोड़ रुपये का नुकसान

नहीं वसूला गया 48.68 करोड़ का ऋण

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। मेसर्स एलाइड स्ट्रिप्स लिमिटेड (एएसएल) ने अपने निदेशकों/प्रवर्तकों/कर्मचारियों और अन्य के माध्यम से धन की हेराफेरी, आपराधिक गबन, विश्वासघात व धोखाधड़ी आदि के जरिए केनरा बैंक के नेतृत्व वाले बैंकों के संघ को लगभग 1392.86 करोड़ रुपये का अनुचित नुकसान पहुंचाया है। यह कंपनी इस्पात उत्पादों के निर्माण में लगी हुई थी। मेसर्स एएसएल को 2018 में कॉर्पोरेट दिवालियापन समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में शामिल किया गया था। जीपी ग्लोबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड को एनसीएलए के दिनांक 06.05.2022 के आदेश के अनुसार लगभग 233.71 करोड़ रुपये की स्वीकृत योजना के साथ सफल समाधान आवेदक (एसआरए) के रूप में चुना गया था।

ईडी की जांच में पता चला है कि मेसर्स एएसएल ने आरोपी कंपनी के बैंक खातों से विभिन्न संस्थाओं/विक्रेताओं को अग्रिम और अन्य भुगतानों के रूप में धनराशि हस्तांतरित/डायवर्ट की थी। मेसर्स एलाइड स्ट्रिप्स लिमिटेड ने विभिन्न विक्रेताओं/संस्थाओं से अग्रिम राशि वसूलने का कोई प्रयास ही नहीं किया। वजह, आरोपी कंपनी से धनराशि डायवर्ट करने के लिए यही तरीका अपनाया जाता था।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), नई दिल्ली द्वारा 05.03.2022 को केनरा बैंक द्वारा मेसर्स एएसएल और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर दर्ज एफआईआर के आधार पर ईडी ने उक्त मामले की जांच शुरू की। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि आरोपी कंपनी मेसर्स एलाइड स्ट्रिप्स लिमिटेड (एएसएल) ने अपने निदेशकों/प्रवर्तकों/कर्मचारियों और अन्य के माध्यम से धन की हेराफेरी और हेराफेरी, आपराधिक गबन, आपराधिक विश्वासघात, धोखाधड़ी आदि के जरिए केनरा बैंक के नेतृत्व वाले बैंकों के संघ को लगभग 1392.86 करोड़ रुपये का अनुचित नुकसान पहुंचाया है।

ईडी की जांच में पता चला कि ये अग्रिम राशियां वसूलने के लिए नहीं थीं। मेसर्स एएसएल ने विभिन्न संस्थाओं को दिए गए अग्रिम के बदले नकद राशि प्राप्त की थी। प्राप्त नकद राशि को कोलकाता स्थित एक एंट्री ऑपरेटर की मदद से गुप्त रूप से मेसर्स एएसएल तक पहुंचाया गया था। इसका उपयोग अंततः कंपनी के नाम पर अचल संपत्तियों की खरीद के लिए किया गया।

इस मामले में ईडी द्वारा मेसर्स एएसएल और अन्य संबंधित संस्थाओं के प्रवर्तकों/निदेशकों से जुड़े विभिन्न परिसरों पर की गई तलाशी में पता चला कि मेसर्स एएसएल ने कंसोर्टियम से लिए गए ऋणों/सीमाओं को विभिन्न असंबंधित फर्मों जैसे मेसर्स यूरेकस इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स सनसिटी प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स जुबिलेंट मॉल्स प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स क्रैटोस प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स एचएनएस प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स एचएनएस इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड को अग्रिम देकर डायवर्ट किया। असंबंधित फर्मों/संस्थाओं को दिए गए ये अग्रिम मेसर्स एएसएल द्वारा कभी भी वसूल नहीं किए गए।

न ही मेसर्स एएसएल द्वारा इन्हें वसूलने का कोई प्रयास किया गया। जांच में पता चला कि मेसर्स एएसएल द्वारा उपरोक्त संस्थाओं को लगभग 48.68 करोड़ रुपये की ऋण राशि डायवर्ट की गई थी, जो कभी वसूल नहीं की गई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने 15.12.2025 को विशेष न्यायालय (पीएमएलए), गुरुग्राम के समक्ष मेसर्स एलाइड स्ट्रिप्स लिमिटेड (एएसएल) के तत्कालीन निदेशकों/शेयरधारकों, गौरव अग्रवाल, मोहिंदर अग्रवाल, कोलकाता स्थित प्रवेश संचालक जगदीश प्रसाद पुरोहित और मेसर्स एएसएल से संबंधित और गैर-संबंधित संस्थाओं के खिलाफ बैंक धोखाधड़ी मामले में अभियोग शिकायत (पीसी) दायर की है।

इससे पहले, ईडी ने लगभग 2 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया था। मेसर्स सनसिटी प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स यूरेकस इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड और अन्य संबंधित संस्थाओं से संबंधित 44.09 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। इस मामले में कुल कुर्की और जब्ती की राशि 45.51 करोड़ रुपये है।

बस में लगी आग, दमकल और पुलिस टीम ने 40 छात्रों का किया रेस्क्यू,

तमिलनाडु से टूर पर निकले थे

देहरादून, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी के सेंट जूड चौक के पास गुरुवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। तमिलनाडु से ऑल इंडिया टूर पर आए 40 छात्र उस वक्त खतरे के साये में आ गए, जब उनकी चलती बस से अचानक धुआं उठने लगा। मौके पर पहुंचे ट्रैफिक पुलिस कर्मियों और कुछ अन्य लोगों की सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई से सभी छात्रों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। दमकल की गाड़ी ने मौके पर आकर आग पर काबू पा लिया।

हरिद्वार से एफआरआई जा रहे थे छात्र

बस में तमिलनाडु के लगभग 40 छात्र सवार थे। ये छात्र ऑल इंडिया टूर पर निकले थे। सुबह यह दल हरिद्वार से निकलकर देहरादून स्थित एफआरआई देखने जा रहा था। जैसे ही बस सेंट जूड चौक के समीप पहुंची, इंजन के पास से अचानक घना धुआं निकलने लगा। बस में धुआं घुसते ही छात्रों के बीच चीख-पुकार मच गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ड्राइवर ने बस को साइड में लगाया, तभी ट्रैफिक पुलिस के कर्मी वहां पहुंच गए और रेस्क्यू ऑपरेशन किया गया। बस के दरवाजों और खिड़कियों की मदद से एक-एक कर सभी 40 छात्र-छात्राओं को सुरक्षित नीचे उतारा। गनीमत रही कि आग विकराल रूप लेती, उससे पहले ही सभी को बाहर निकाल लिया गया। इस घटना में किसी भी छात्र को चोट नहीं आई है।

महानगरपालिका चुनाव में आठवले की पार्टी ने महायुति गठबंधन में मांगी हिस्सेदारी, 25 सीटों की रखी डिमांड

मुंबई, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में 29 महानगरपालिका में हो रहे चुनाव में रामदास आठवले की पार्टी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ़ इंडिया (आरपीआई) ने महायुति गठबंधन में अपनी हिस्सेदारी मांगी है। आठवले की पार्टी ने मुंबई में 25 सीटों की डिमांड रखी है। वहीं अन्य महानगरपालिका में 7 से 10 सीटों की मांग रखी है। पार्टी ने कहा कि उन्हें गठबंधन में सम्मानजनक हिस्सेदारी दी जाए।

सभी महानगरपालिकाओं में मांगी इतनी सीट

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ़ इंडिया के नेताओं का मानना है कि एनडीए में एक महत्वपूर्ण घटक पक्ष के रूप में उनकी भूमिका है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास आठवले केंद्र में मंत्री पद पर कार्य कर रहे हैं। इसीलिए उन्हें सम्मानजनक तरीके से चुनाव में हिस्सेदारी मिले। महानगर पालिका के स्तर पर रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के पदाधिकारी भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी से मिल रहे हैं एवं उन्हें सम्मानजनक हिस्सा देने की मांग उनसे कर रहे हैं। प्रत्येक महानगर पालिकाओं में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया 7 से 10 सीट मांग रही है, वहीं मुंबई में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया ने 25 सीटों की डिमांड भेजी है।

मंत्री रामदास अठावले ने कही है ये बातें

इस बीच रिपब्लिकन पार्टी ऑफ़ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्र सरकार में मंत्री रामदास अठावले ने पहले ही कहा कि उनकी पार्टी ने महायुति से मुम्बई मे 25 सीटों की मांग की है। आठवले ने कहा कि 29 महानगरपालिका के चुनाव में एक साथ लड़ने का निर्णय हुआ है और रिपब्लिकन पार्टी को साथ में लेकर चुनाव लड़ेंगे ऐसा बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चौहान ने बात कही है। मुंबई महानगरपालिका प्रतिष्ठा की बात है।

ठाकरे बंधु एक साथ मुंबई में महानगरपालिका के लिए एक साथ आए हैं। उन्हें सफलता नहीं मिलेगी ,क्योंकि कांग्रेस अलग-अलग लड़ रही है। पवार साहब क्या करेंगे। उन्हें यह पता नहीं है। महायुति ताकत से लड़ेगी और महायुति का मेयर होगा। मुम्बई महानगरपालिका के लिये 25 लोगों की लिस्ट बनाई है। उस पर चर्चा होगी।

ड्राइव पर जाने से किया इनकार, उज्बेकिस्तान की महिला को लुधियाना में दो दोस्तों ने मार दी गोली

लुधियाना, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के लुधियाना से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जहां 34 साल की उज्बेकिस्तान की महिला पर गोली चलाने का मामला सामने आया है। पखोवाल रोड पर उसके 2 दोस्तों ने ही उसे गोली मार दी। इसका कारण यह था कि उसने ड्राइव पर जाने से इनकार कर दिया था। महिला को सीने में गोली लगी है। उसका इलाज निजी अस्पताल में जारी है। थाना सदर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

पीड़िता की पहचान उज्बेकिस्तान निवासी असलिगुन स्पारोवा के रूप में हुई है, जो पिछले एक साल से भारत में रह रही है। उसने पुलिस को बताया कि यह घटना 11 दिसंबर को पखोवाल रोड पर एक होटल के पास हुई थी। स्पारोवा, जो पिछले छह महीनों से गांव दाद के एक होटल में रह रही है।

पीएसयू-इंश्योरेंस है, रोड टैक्स भी भरा

फिर भी कट रहा 20 हजार का चालान! दिल्ली में परेशान कार मालिक

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में गुरुवार, 18 दिसंबर से गैर बीएस-6 वाले निजी वाहनों की एंट्री पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। यूपी-दिल्ली, हरियाणा-दिल्ली बॉर्डर पर गाड़ियों को रोका जा रहा है और बीएस-6 गाड़ी न होने पर 20 हजार रुपये का चालान काटा जा रहा है।

कार मालिक इस बात से बेहद परेशान हो गए हैं। लोगों का कहना है कि उनके पास पीयूसी है, इंश्योरेंस के कागजात हैं, रोड टैक्स भी भरा हुआ है। इसके बावजूद 20-20 हजार रुपये भरने पड़ रहे हैं। लोगों ने अब सवाल करना शुरू कर दिया है कि क्या सिर्फ दूसरे राज्य की गाड़ी होने से कोई वाहन अचानक दिल्ली पहुंच कर प्रदूषण करने लगता है? दिल्ली में प्रदूषण के नाम पर एक बार फिर सख्ती शुरू हो गई है। इस सख्ती पर सवाल यह है कि यह कदम हवा साफ करने के लिए उठाया गया है या फिर आम लोगों पर दबाव बनाने के लिए?

न चेतावनी और न ही वैकल्पिक व्यवस्था, डायरेक्ट भारी चालान!

बता दें, दिल्ली सरकार के नए नियम के तहत अगर किसी दूसरे राज्य की रजिस्टर्ड गाड़ी बीएस-6 मानक की नहीं है और वह दिल्ली में प्रवेश करती है तो पकड़े जाने पर सीधे 20,000 का चालान काटा जा रहा है। लोगों का कहना है कि न कोई चेतावनी, न कोई ट्रांज़िशन पीरियड और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था दी गई है। सीधे भारी जुर्माना क्यों लगाया जा रहा?

बीएस-4, बीएस-5 वालों को माना जा रहा अपराधी!

दिल्ली-एनसीआर एक ऐसा इलाका है, जहां हर दिन गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद से लाखों लोग काम, इलाज और व्यापार के लिए दिल्ली आते हैं। इनमें बड़ी संख्या उन लोगों की है जिनकी गाड़ियां बीएस-4 हैं, जिनके पास वैध पीयूसी सर्टिफिकेट है, रोड टैक्स भरा हुआ है और इंश्योरेंस भी पूरा है। इसके बावजूद उन्हें दिल्ली में घुसते ही अपराधी मान लिया जा रहा है। 20,000 का चालान थमा दिया जा रहा है।

पति की हत्या करने वाली सोनम ने मांगी जमानत, राजा के परिवार ने ली आपत्ति

इंदौर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। अपने पति की हत्या के आरोप में शिलांग की जेल में बंद सोनम रघुवंशी ने कोर्ट में जमानत के लिए अर्जी लगाई है। सोनम ने अपने प्रेमी राज व उसके तीन दोस्तों के साथ सात माह पहले राजा की हत्या कर शव को खाई में फेंक दिया था। सोनम की जमानत पर राजा रघुवंशी के परिवार ने आपत्ति ली है। उनका कहना है कि इस केस में गवाहों के बयान चल रहे है। यदि सोनम को जमानत दी जाती है तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकती है। कोर्ट ने जमानत पर फैसला नहीं लिया है और अगले माह इस मामले में सुनवाई होगी। राजा के भाई विपिन ने कहा कि सोनम एक शातिर महिला है।

उसने राजा की हत्या की योजना बनाई थी और हनीमून के बहाने शिलांग ले जाकर हत्या की थी। देशभर में चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड केस में कोर्ट ने ट्रायल शुरू कर दिया है। पहले राजा के भाई विपिन के तीन दिन तक कोर्ट ने बयान लिए और उसने राजा व सोनम की गुमशुदगी, सोनम के बर्ताव, शादी के बाद बाहर जाने की प्लानिंग सहित अन्य मामलों की जानकारी ली थी। इसके अलावा सोनम की दो सहेलियों के बयान भी कोर्ट में वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए हुए है।

मुस्लिम देशों में बेचे जा रहे भारतीयों के अंग, एनआईए के हलफनामे में खुलासा- अमीरों का किया गया किडनी ट्रांसप्लांट

कोच्चि, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल में दर्ज एक मामले की जांच के दौरान राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को पता चला है कि अवैध अंग दान के लिए लोगों की तस्करी करने वाले गिरोह ने ईरान के अलावा इस वर्ष ओडिशा से दो लोगों को ताजिकिस्तान भी भेजा था। एनआईए ने यहां एक अदालत में दाखिल एक हलफनामे में नए विवरण का खुलासा किया और पहले आरोपी मधु जयकुमार की हिरासत की अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया। आरोपी यहां के पलारिवट्टोम का मूल निवासी है। यह मामला 18 मई, 2024 को सामने आया, जब सबिथ नाम के एक व्यक्ति को एक संगठित अंग तस्करी गिरोह का हिस्सा होने के संदेह में कोच्चि हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने रोक लिया।

इसके बाद की जांच में साजिथ और विजयवाड़ा के मूल निवासी बेलमकोंडा राम प्रसाद की गिरफ्तारी हुई, जिन्होंने अवैध अंग प्रतिरोपण के लिए अंग दाताओं और प्राप्तकर्ताओं को ईरान के अस्पतालों तक यात्रा की सुविधा प्रदान की थी। एक साल से अधिक समय से फरार जयकुमार को इस साल सात नवंबर को नई दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचने पर गिरफ्तार कर लिया गया था। यहां एनआईए अदालत में दाखिल हलफनामे के अनुसार, जयकुमार ने पूछताछ के दौरान उन 27 प्राप्तकर्ताओं के नामों का खुलासा किया, जिन्होंने ईरान में किडनी ट्रांसप्लांट कराया था। एनआईए ने कहा कि उसने 11 डोनर्स के नामों का भी खुलासा किया।

हलफनामे में कहा गया है, 'इस मामले के दर्ज होने के बाद भी 2025 में ओडिशा के दो व्यक्तियों को ताजिकिस्तान भेजा गया, जहां आरोपियों के माध्यम से उनकी किडनी अमीर लोगों में प्रतिरोपित की गई।' एनआईए ने अवैध अंग व्यापार के माध्यम से प्राप्त धन का पता लगाने के लिए जयकुमार की हिरासत की अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया।

एनआईए ने यह भी कहा कि जयकुमार से अन्य आरोपियों के मोबाइल फोन से निकाले गए बैंक खाते के विवरण, तस्वीरों और वीडियो के संबंध में भी पूछताछ करने की जरूरत है। एजेंसी ने कहा, 'हिरासत में पूछताछ के माध्यम से पहले आरोपी का अन्य किडनी गिरोहों के साथ संबंध भी पता लगाया जाना है।' अदालत ने 15 दिसंबर को जयकुमार को तीन दिनों के लिए एनआईए की हिरासत में भेज दिया था। जयकुमार फिलहाल एनआईए की हिरासत में है, जो गुरुवार (18 दिसंबर, 2025) को खत्म हो रही है। सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ओडिशा के दो दानदाताओं का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है जिन्हें ताजिकिस्तान भेजा गया था।

हॉस्टल में सो रहा था, सिर और भौहों के बाल काटे 14 साल के बच्चे के साथ ये कैसी हरकत

पालघर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर जिले से एक बेहद शर्मनाक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। आदिवासी विकास विभाग के सरकारी आश्रम स्कूल में आठवीं कक्षा के एक 14 वर्षीय छात्र के साथ कथित तौर पर रैगिंग की गई है। पीड़ित छात्र जब रात में हॉस्टल में सो रहा था, तभी किसी ने बड़े ही क्रूर तरीके से उसके सिर के बाल काट दिये। इतना ही नहीं, छात्र की दोनों भौंहों के बाल भी काट दिए गए। इस हरकत के दौरान छात्र के सिर पर चोट भी आई है। इस घटना के बाद छात्र के माता-पिता बेहद गुस्से में और नाराज हैं। अभिभावकों ने सवाल उठाया है कि जब बच्चों के साथ इस तरह की रैगिंग या छेड़छाड़ हो रही थी, तब हॉस्टल वार्डन और प्रिंसिपल क्या कर रहे थे?

दमोह में गेस्ट शिक्षक की बर्खास्तगी पर बवाल

अपने टीचर के लिए कलेक्टर से भिड़ीं छात्राएं

दमोह, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के दमोह जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने शिक्षा व्यवस्था, प्रशासनिक फैसलों और संवेदनशीलता पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां एक अतिथि शिक्षक की बर्खास्तगी के बाद स्कूल की छात्राएं सीधे कलेक्टर से भिड़ गईं। छात्राओं का कहना है कि उनके शिक्षक निर्दोष हैं, जबकि कलेक्टर अपने फैसले पर अड़े हुए हैं और साफ कह चुके हैं कि अब वह शिक्षक स्कूल में नहीं पढ़ाएगा। दमोह जिले के तेजगढ़ स्थित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में 15 नवंबर को जिले के कलेक्टर सुधीर कोचर पहुंचे। यहां उन्होंने एक अभियान के तहत छात्राओं को आयरन की गोलियां बांटीं और उनसे बातचीत की।

इसी दौरान एक छात्रा ने शिकायत की कि स्कूल के एक शिक्षक प्रैक्टिकल के नाम पर 50 रुपये लेते हैं। यह सुनते ही कलेक्टर नाराज हो गए। उन्होंने मौके पर ही संबंधित शिक्षक को बुलाया। पूछताछ के दौरान शिक्षक ने पैसे लेने की बात स्वीकार कर ली। इसके बाद कलेक्टर ने दमोह लौटकर उस शिक्षक की सेवाएं समाप्त करने का आदेश दे दिया।

जिस शिक्षक को नौकरी से निकाला गया, उनका नाम रामप्रकाश गुप्ता है। वे स्कूल में अतिथि शिक्षक के तौर पर भूगोल पढ़ाते थे। शिक्षक का कहना है कि उन्होंने प्रैक्टिकल के नाम पर कोई पैसा नहीं लिया। उनका दावा है कि छात्राओं से जो 50 रुपये लिए गए थे, वह दमोह से मंगवाई गई फाइल और जरूरी कागजी काम के लिए थे। इस पूरे मामले में स्कूल के प्रिंसिपल आर पी सिंह भी शिक्षक के पक्ष में नजर आए। उन्होंने भी यही कहा कि पैसे प्रैक्टिकल के लिए नहीं, बल्कि फाइल और अन्य औपचारिकताओं के लिए लिए गए थे। बावजूद इसके, शिक्षक की बात नहीं सुनी गई और 1 दिसंबर से उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं।

भाजपा का मिशन महानगरपालिका: घर-घर पहुंच, लाभार्थियों से सीधा संवाद

मुंबई, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। आगामी महानगरपालिका चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं और नेताओं के लिए 40 सूत्रीय कार्यक्रम तय किया है। इस कार्यक्रम को 'मिशन महानगरपालिका' के तहत गुरुवार से पूरे राज्य में लागू किया जाएगा। केंद्र और राज्य सरकार की 122 जन-कल्याणकारी योजनाओं को समाहित करते हुए एक विशेष पंपलेट तैयार किया गया है, जिसे घर-घर वितरित किया जाएगा। इसके लिए 'घर चलो अभियान' चलाया जाएगा। यह अभियान तीन दिनों का होगा और इसे 23 दिसंबर तक राज्य की प्रत्येक महानगरपालिका में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। 'मुख्यमंत्री लाडकी बहिण' योजना सहित सभी जन-कल्याणकारी योजनाओं के तहत, प्रत्येक महानगरपालिका क्षेत्र में लाभार्थियों की सूची पहले से तैयार करने का काम पार्टी द्वारा शुरू कर दिया गया है। इन लाभार्थियों से व्यक्तिगत मुलाकात करना भी भाजपा के प्रचार अभियान का अहम हिस्सा होगा। वकील, डॉक्टर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, इंजीनियर और समाज के अन्य प्रभावशाली व्यक्ति जो भाजपा से सीधे जुड़े नहीं हैं, उनसे स्थानीय पदाधिकारियों को मुलाकात करने के निर्देश दिए गए हैं। इन बैठकों के जरिए पार्टी के प्रति उनकी अपेक्षाएं और सुझाव जानने पर जोर दिया गया है।

बड़े समाजों के साथ-साथ छोटे-छोटे समाजों के प्रमुख नेताओं और कार्यकर्ताओं की बैठकें लेने, उन्हें पार्टी का एजेंडा समझाने और संवाद बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। इन समाजों के जो विभागीय या राज्य स्तरीय नेता भाजपा में हैं, उनके साथ समाज के लोगों का संवाद आयोजित करने पर भी जोर दिया गया है। विधानसभा चुनाव में छोटे समाजों के सहयोग को आगे भी मजबूत करने की रणनीति बनाई गई है।

इसके साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, संघ परिवार और विचार परिवार के प्रमुख पदाधिकारियों को विश्वास में लेकर प्रचार तंत्र की योजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं। विधानसभा चुनाव में इस समन्वय का बड़ा लाभ मिला था। नगर परिषद चुनावों में इस स्तर पर समन्वय की कमी को लेकर जो शिकायतें सामने आई थीं, उन्हें अब दूर करने का फैसला लिया गया है।

कर्नाटक के गृहलक्ष्मी योजना पर सवाल

भाजपा विधायक महेश तेंगिनकाई बोले- लाभार्थियों तक नहीं पहुंचा पैसा

बेलगावी, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार की महत्वाकांक्षी 'गृहलक्ष्मी' योजना को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। इस योजना को लेकर भाजपा विधायक महेश तेंगिनकाई ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत लगभग 5 हजार करोड़ रुपए महिलाओं के बीच बांटे जाने थे, लेकिन यह पैसा कहां गया यह सबसे बड़ा सवाल है।

भाजपा विधायक तेंगिनकाई ने गुरुवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में कहा कि लगभग 5 हजार करोड़ रुपए बांटे जाने थे, लेकिन सवाल यह है कि पैसा कहां गया और उसे कैसे मैनेज किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार पारदर्शिता दिखाने को तैयार नहीं है और योजना के वास्तविक लाभार्थी के बीच यह पैसा नहीं पहुंचा। कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए भाजपा विधायक ने कहा कि अगर किसी को भ्रष्टाचार का नाम अच्छा लगता है तो वह कांग्रेस पार्टी है। कर्नाटक में कांग्रेस को छोड़कर भ्रष्टाचार किसी को अच्छा नहीं लगता। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार के हर स्तर पर भ्रष्टाचार फैला हुआ है और जहां-जहां कांग्रेस सत्ता में है, वहां भ्रष्टाचार देखा जा सकता है। कांग्रेस पर हमला तेज करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी हाईकमान ने कर्नाटक सरकार को एक एटीएम बना दिया है। तेंगिनकाई ने दावा किया कि गृहलक्ष्मी योजना के तहत 1.24 करोड़ पात्र महिलाओं के खाते में राशि पहुंचाई जानी थी, लेकिन अधिकांश लाभार्थियों को इसका लाभ मिला ही नहीं।

हनुमानगढ़ के बाद अब भजनलाल सरकार की मुसीबत बढ़ाने जा रहे बूंदी के किसान! रखी ये बड़ी मांग

बूंदी, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में हनुमानगढ़ के बाद किसान भजनलाल सरकार की हाडौती में अब मुश्किलें बढ़ाएंगे। बूंदी जिले की केशवरायपाटन की 22 सालों से बंद पड़ी शुगर मिल, कृषि जिंसों के उचित मूल्य, टेल पर पर्याप्त नहरी पानी, रात के बजाय दिन के समय खेती के लिए बिजली इन तमाम मांगों को लेकर 28 दिसंबर को महापंचायत का कॉल किसानों ने किया है। हनुमानगढ़ में किसान एथेनॉल फैक्ट्री का विरोध कर रहे है। और अब हाडौती में कोटा, झालावाड़, बारां, बूंदी जिलों के किसान आंदोलित हो रहे हैं। युवा किसान नेट गिरिराज गौतम जो इस आंदोलन को लेकर हाल ही में बूंदी में युवा नेता नरेश मीना से मिले थे और आंदोलन के लिए महापंचायत बुलाने की रूपरेखा तैयार की थी। गिर्राज गौतम बताते हैं कि किसानों का 28 दिसंबर का महापंचायत का कॉल किया हुआ। जो केशवरायपाटन क्षेत्र के आडा गेला बालाजी मंदिर पर होगी।

गिर्राज गौतम ने बताया कि नरेश मीणा इस महापंचायत में आने और पूरे आंदोलन में साथ रहने का भरोसा दे चुके हैं। दिल्ली में वरिष्ठ किसान नेता दशरथ कुमार अपने किसान साथियों के साथ आरएलपी के सुप्रीमो सांसद हनुमान बेनीवाल और बाप पार्टी के सांसद राजकुमार रोत से महापंचायत में आने और आंदोलन से जुड़ने के लिए आमंत्रित किए जाएंगे। उनसे इस पूरे आंदोलन की रूप रेखा को लेकर चर्चा की जाएगी। किसान नेता दशरथ कुमार ने कहा कि किसा क्षेत्र 22 सालों से बंद पड़ी शुगर मिल को चालू करवाने के लिए की मांग कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी के विधायक अतुल प्रधान भी इस महापंचायत में आएंगे वह अपनी समिति दे चुके हैं।

इस बार आर-पार की लड़ाई

युवा किसान नेता गिर्राज गौतम बताते हैं कि इस बार किसानों के मुद्दों को लेकर सरकार से आर-पार की लड़ाई होगी। उसके पहले महापंचायत बुलाई गई है। जिसमें फैसला ले लिया जाएगा कि आंदोलन कैसे आगे बढ़ाना है। शुगर मिल संचालन महापंचायत को लेकर क्षेत्र के किसानों ओर युवाओं में जबरदस्त उत्साह, किसान आर-आर की लड़ाई के मूड में, युवा नेता नरेश मीणा सहित कई किसान नेता होंगे शामिल। किसानों युवाओं के सुनहरे भविष्य के लिए मिल का संचालन अत्यंत आवश्यक है। केशवरायपाटन शुगर मिल संयुक्त किसान समन्वय समिति के प्रतिनिधि नवीन श्रृंगी ने बताया कि 28 दिसम्बर को आडा गेला बालाजी मंदिर पर आयोजित होने वाली महापंचायत को लेकर क्षेत्र के किसानों, युवाओं ओर महिलाओं में जबरदस्त उत्साह दिख रहा है। किसानों के लिए अन्य फसलें लगातार घाटे का सौदा साबित हो रही है। इसीलिए किसान मिल के संचालन की मांग कर रहे हे ताकि वह गन्ने की खेती कर सके इसी को लेकर समिति के प्रतिनिधि गांवों में लगातार बैठकें कर रहे है।

किसान कर्ज में डूबता जा रहा है..

युवा किसान नेता गिर्राज गौतम कहते हैं कि क्षेत्र का किसान पिछले दो दशक से ज्यादा समय से लगातार कर्जे में डूबता जा रहा है। किसानों सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को चुनकर विधानसभा और लोकसभा तक भेज दिए। लेकिन किसी ने किसानों की इस प्रमुख मांग सदन में नहीं उठाई। इसी लिए अब किसान ओर युवा खुद अपनी लड़ाई लड़ेगा और जीतेगा। 28 दिसम्बर को होने वाली महापंचायत में अंतिम निर्णय लिया जाएगा इसीलिए सरकार ओर प्रशासन इसे गम्भीरता से लेते हुए किसानों के हित में निर्णय करे।

पंचायत चुनाव में राजनीतिक दलों को भुगतना होगा खामियाजा

किसान नेता गौतम कहते हैं कि किसानों की पीड़ा का अब तक समाधान नहीं होने का खामियाजा राजनीतिक दलों को आगामी पंचायत चुनाव में भुगतना पड़ेगा। गौतम ने कहा कि इस क्षेत्र की खुशहाली के लिए केशवरायपाटन बंद पडी शुगर मिल का चालू होना बेहद जरूरी है। जिसको लेकर गांवों में किसानों ने हुंकार भर रहे है। पंचायत समिति सदस्य देवकिशन मीणा, किसान नेता हरिशंकर नागर, पुष्पचंद गुर्जर ने कहा कि महापंचायत में किसान नेता नरेश मीणा भी शामिल होंगे। युवा नेता नरेश धाकड़, रामसागर नागर ,कलम राठौड़ भी शामिल होंगे। सांसद हनुमान बेनीवाल, राजकुमार रोत, अतुल प्रधान को भी आमंत्रित किया है। इस दौरान किसान नेता रामस्वरूप पहाड़, हरजिंदर सिंह, दिनेश नागर, श्याम खटना, जसविंदर सिंह किसानों को महापंचायत में आने के लिए निमंत्रण दे रहे हैं।

विधायकों की कमीशनखोरी पर बोले रविंद्र भाटी

स्टिंग ऑपरेशन से जनप्रतिनिधियों की साख पर उठे सवाल

बाड़मेर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के तीन विधायकों से जुड़े कथित स्टिंग ऑपरेशन के जरिए सामने आए भ्रष्टाचार का मामले पर जिले के शिव से निर्दलीय युवा विधायक रविन्द्र सिंह भाटी का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि इस घटनाक्रम के बाद से अन्य 197 विधायकों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसलिए जांच करके स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए।

शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी ने कहा कि वैसे तो पहली बार का विधायक हूं लेकिन जब हम सदन में जाते हैं, तब सविधान के अनुच्छेद 188 के तहत शपथ लेते हैं। सदन में बैठने वाले 200 विधायकों की विश्वसनीयता ही उनका सबसे बड़ा आभूषण है। भाटी ने कहा कि आज एक स्टिंग ऑपरेशन की वजह से सभी चुने हुए

जनप्रतिनिधियों पर सवालिया निशान खड़े हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यह जो भी प्रकरण हुआ है, उसकी जांच होनी चाहिए ताकि जो भी स्थिति है, वो स्पष्ट हो सके।

उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि उक्त प्रकरण की जांच करवाकर प्रदेश की जनता के सामने स्थिति स्पष्ट करे। विधायक कोष पर बोलते हुए भाटी ने कहा कि यह पैसा जनता का है और जनता ने हमें एक चौकीदार के रूप में बिठाया है ताकि सेवार्थ कामों में इसका उपयोग कर सकें।

भाटी ने कहा कि इस स्टिंग ऑपरेशन से निश्चित रूप से बाकी के 197 विधायकों पर प्रश्नवाचक चिन्ह लगा है, इसलिए मामले की पूरे तरीके से जांच होनी चाहिए। जिस प्रकार जीरो टॉलरेंस नीति की बात केन्द्र और राज्य सरकार कर रखी है, निश्चित रूप से जीरो टॉलरेंस होना चाहिए और सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

भाटी ने दोहराया कि इस प्रकरण की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच जरूरी है। जो भी दोषी हो, उसे बेनकाब किया जाए और पूरी सच्चाई जनता के सामने लाई जाए। भाटी ने यह भी कहा कि यदि कोई इसमे लिप्त नहीं है तो उनकी छवि पर इस प्रकार के दाग नहीं लगे इस बात का भी विशेष रूप से ध्यान रखा जाए।

लव-मैरिज से नाराज लड़की वालों ने युवक की नाक काटी

हमले से नाराज लड़के वालों ने हमला किया, युवती के चाचा का पैर काटा

बाड़मेर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर में लव मैरिज से नाराज लड़की वालों ने लड़के के बड़े भाई पर हमला कर दरांती से नाक काट दी। इधर, इस हमले के बाद लड़के वालों ने लड़की के चाचा का पैर काट दिया।

मामला गुड़ामालानी थाना क्षेत्र के जीवाणियों की ढाणी में बुधवार शाम 7:30 बजे का है। इसमें घायल हुए लड़की के जेठ उक सिंह का सांचौर और चाचा धर्म सिंह का जोधपुर में इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार जीवाणियों की ढाणी निवासी श्रवण सिंह (25) ने ढाई साल पहले पड़ोस में रहने वाली लड़की से लव मैरिज की थी। इसके बाद

श्रवण के बड़े भाई उक सिंह (35) और लड़की के चाचा धर्म सिंह (50) के परिवार के बीच में विवाद हो गया था।

लव मैरिज से नाराज लड़की के घरवाले बदला लेने की फिराक में थे। बुधवार शाम को उक सिंह खेत से आ रहा था। इसी दौरान धर्मसिंह और उसके साथियों ने उक सिंह पर हमला कर उसकी नाक काट दी।

इसके बाद उक सिंह जैसे-तैसे घर पहुंचा। यहां जैसे ही उक सिंह के घरवालों को पता चला तो वे लड़की के घर पर पहुंचे और धर्म सिंह पर हमला कर दिया। यहां मारपीट के दौरान धर्म सिंह के पैर तोड़ दिए।

हमले में घायल दोनों को गंभीर हालात में गुड़ामालानी हॉस्पिटल लाया गया है। उक सिंह को प्राथमिक उपचार के बाद सांचौर रेफर कर दिया गया। वहीं धर्म सिंह को जोधपुर रेफर कर दिया गया है। श्रवण सिंह अपने परिवार के साथ गुजरात में रहता है।

पुलिस की अलग-अलग टीमें बनाकर बाकी बदमाशों की तलाश कर रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। दोनों की तरफ से क्रॉस मामले दर्ज हुए हैं।

आवासीय इलाके में लेपर्ड की धमाचौकड़ी से लोगों में दहशत

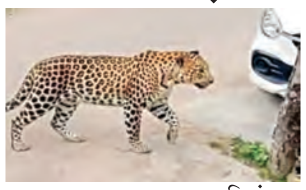

उदयपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। उदयपुर की आवासीय कॉलोनी में सुबह लेपर्ड की भागदौड़ से लोग दहशत में हैं। लेपर्ड सुबह एक घर से दूसरे घर में जा घुसा जिसे देखकर लोग घरों में कैद रहने पर विवश हो गए हैं। मौके पर वन विभाग की टीम ने लेपर्ड को रेस्क्यू करने का अभियान शुरू कर दिया है। वन विभाग की टीम ने अपना ऑपरेशन शुरू किया है ऐसे में बाहर जमा भीड़ को सुरक्षा की दृष्टि से हटाया जा रहा है।

उदयपुर शहर में भूपालपुरा क्षेत्र में कृष्णपुरा की गली नंबर 3 में सुबह लेपर्ड आने की सूचना से हड़कंप मच गया। लेपर्ड आने की खबर कॉलोनी में जंगल में आग की तरह फैल गई। लोगों ने घरों के दरवाजे बंद कर लिए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और वन विभाग को भी सूचना दी गई। उदयपुर के एडिशनल एसपी सिटी उमेश ओझा ने बताया कि सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सबसे पहले उस घर के वहां से भीड़ को दूर किया और सबको चेताया कि सुरक्षा की दृष्टि से दूर रहे ताकि वन विभाग की टीम अपना काम कर सके।

स्थानीय व्यक्ति वूमल शक्तावत ने बताया कि सुबह करीब 5:30 बजे उन्होंने पैंथर कॉलोनी में देखा इसकी सूचना उन्होंने अपने भाई को दी शक्तावत सुबह प्री वेडिंग शूट के लिए जा रही थी, इसके बाद उनके भाई ने स्थानीय पुलिस और वन विभाग के कर्मचारियों को सूचना दी बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी पहुंच चुके हैं वहीं भूपालपुरा थाना पुलिस में मौके पर है।

पट्टों की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे 70 पंचायतों के ग्रामीण

प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी

उदयपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। शहर के आसपास यूडीए और नगर निगम में शामिल की गई पंचायतों के गांवों में रहने वाले लोगों ने पट्टों की मांग को लेकर मंगलवार को उदयपुर कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन किया। करीब 70 ग्राम पंचायतों से आए सैकड़ों ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए प्रशासन के खिलाफ आक्रोश जताया और कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर लगाए गए बैरिकेड्स पर चढ़ गए।

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि वे वर्षों से इन गांवों में निवास कर रहे हैं, इसके बावजूद उन्हें अब तक वैध पट्टे नहीं दिए गए हैं। यूडीए द्वारा कई क्षेत्रों में मकानों को अतिक्रमण बताकर हटाया जा रहा है, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार बेघर हो रहे हैं। सविना क्षेत्र में हाल ही में हुई कार्रवाई को लेकर ग्रामीणों में विशेष रोष देखने को मिला। कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार के बाहर आयोजित सभा को विभिन्न पंचायतों के जनप्रतिनिधियों ने संबोधित किया। संघर्ष समिति के चंदनसिंह देवड़ा ने कहा कि प्रशासन की ओर से कई बार आश्वासन दिए गए लेकिन आज तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला। उन्होंने चेतावनी दी कि अब केवल मौखिक आश्वासन नहीं, बल्कि लिखित आदेश और धरातल पर कार्रवाई चाहिए।

इसी दौरान जब प्रतिनिधिमंडल ज्ञापन सौंपने के लिए कलेक्ट्रेट के भीतर जा रहा था, तो भीड़ बढ़ने के कारण हालात तनावपूर्ण हो गए। पुलिस द्वारा गेट बंद करने के प्रयास पर धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। सूचना पर पहुंचे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा ने मौके पर पहुंचकर समझाइश की और बैरिकेड्स पर चढ़े लोगों को नीचे उतरवाया, जिसके बाद स्थिति नियंत्रण में आई।

प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल रहीं। ग्रामीणों ने प्रशासन को 10 दिन का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि तय समय-सीमा में उनकी मांगों का निस्तारण नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

ग्रामीणों की प्रमुख मांगों में आबादी भूमि को पंचायतों के अधीन करना, बिना नोटिस तोड़े गए मकानों का उचित मुआवजा देना और नए पैराफेरी गांवों को यूडीए के दायरे से बाहर रखना शामिल है।

घर के बाहर खड़ी कार पर बदमाशों ने की फायरिंग, दहशत का माहौल

अलवर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। राजगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम नांगल धर्मू में अज्ञात बदमाशों द्वारा देर रात घर के बाहर खड़ी कार पर फायरिंग किए जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। घटना का खुलासा गुरुवार सुबह हुआ, जब कार मालिक वकील निराला जागे और उन्होंने अपनी कार को क्षतिग्रस्त हालत में देखा। इसके बाद उन्होंने तुरंत राजगढ़ थाना पुलिस को घटना की सूचना दी।

सूचना मिलते ही राजगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। कार मालिक वकील निराला ने पुलिस को बताया कि रात के समय उनके घर के बाहर कार खड़ी थी। गुरुवार अल सुबह अज्ञात बदमाशों ने कार पर फायरिंग कर दी। उन्होंने बताया कि रात में फायरिंग जैसी आवाज तो आई थी, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं को भगाने के लिए अक्सर पटाखे चलाए जाते हैं, इसलिए किसी को फायरिंग का अंदेशा नहीं हुआ।

सुबह जब कार को देखा गया तो कार के पीछे का शीशा और खिड़की का कांच टूटा हुआ मिला। वहीं ड्राइवर सीट के नीचे एक खाली कारतूस भी पड़ा मिला, जिसे पुलिस को सौंप दिया गया है। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास के क्षेत्र में पूछताछ की जा रही है तथा संदिग्धों की तलाश की जा रही है।

राणा के 'प्रताप' के आगे नहीं टिकेंगी 100 करोड़ की इमारतें

भजनलाल सरकार की योजना पर इस रजवाड़े का हमला

उदयपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की भजनलाल सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट महाराणा प्रताप टूरिज्म सर्किट विवादों में आ गया है। इसे लेकर खुद बीजेपी विधायक और उदयपुर के पूर्व शाही परिवार के सदस्य विश्वराज सिंह मेवाड़ ने आपत्ति जताई है। राज्य सरकार के प्रस्तावित 100 करोड़ रुपये के महाराणा प्रताप टूरिज्म सर्किट पर गंभीर आपत्तियां जताते हुए विश्वराज सिंह मेवाड़ ने कहा है कि जिस तरह से इसका ड्राफ्ट तैयार किया जा रहा है, उससे महान राजपूत योद्धा की विरासत कमजोर हो सकती है। बता दें कि विश्वराज सिंह मेवाड़ महाराणा प्रताप के वंश से हैं। बता दें कि इस सर्किट की घोषणा वित्त और पर्यटन मंत्री दीया कुमारी ने फरवरी 2024 में पेश किए गए अंतरिम बजट में की थी, जिसमें महाराणा प्रताप का जन्मस्थान कुंभलगढ़ से लेकर युद्ध स्थान हल्दीघाटी के स्मारकों को डवलप करना शामिल है। 100 करोड़ के इस प्रोजेक्ट में कुंभलगढ़ , गोगुंदा, हल्दीघाटी,चावंड, दिवेर और छापली को डवलप करने का प्रस्ताव है। विश्वराज सिंह मेवाड़ ने को बताया कि इस प्रस्तावित प्रोजेक्ट

में चावंड (अंतिम निवास स्थान) और हल्दीघाटी जैसी जगहों पर अल्ट्रा-मॉडर्न इमारतें और महल जैसी संरचनाएं बनाने की योजना हैं। ऐसी संरचनाएं महाराणा प्रताप के जीवन या मूल्यों को नहीं दर्शाती हैं।

मेवाड़ ने कहा कि महाराणा प्रताप की विरासत भव्य स्मारकों या आधुनिक निर्माणों में नहीं, बल्कि आत्म-सम्मान, बलिदान और प्रतिरोध के आदर्शों में निहित है। मेवाड़ ने कहा कि लगभग दो महीने पहले कुंभलगढ़ में एक बैठक हुई थी, इस दौरान उन्हें प्रजेंटेशन दिया गया था। इस प्रजेंटेशन का जिक्र करते हुए, उन्होंने कहा कि अलग-अलग जगहों पर कई संग्रहालय स्थापित करने ठीक नहीं है। उन्होंने कहा, तीन या चार संग्रहालय बनाने से केवल भ्रम पैदा होगा।

ऐतिहासिक युद्धक्षेत्रों पर निर्माण पर आपत्ति

विश्वराज सिंह मेवाड़ ने ऐतिहासिक युद्धक्षेत्रों पर निर्माण से जुड़ी योजनाओं पर भी आपत्ति जताई है। मेवाड़ का कहना है कि हल्दीघाटी जैसे स्थानों पर लोगों के लिए पूजनीय है। अगर यहां निर्माण होता है, तो यह ऐसे स्थलों के साथ छेड़छाड़' होगा। मेवाड़ ने कहा कि यहां भव्य निर्माण से हल्दीघाटी का भौगोलिक महत्व खत्म हो जाएगा, जो इतिहास से जुड़ा है।

इस मामले में मेवाड़ ने टूरिज्म मंत्री दीया कुमारी को पत्र भेजा है। मेवाड़ ने अपने पत्र में लिखा है कि यह परियोजना अपने उद्देश्यों, रोडमैप या संरक्षण रणनीति को स्पष्ट रूप से बताने में विफल रही है। उन्होंने लिखा, दस्तावेजों का कोई उचित खुलासा नहीं किया गया है, न ही इस बात पर कोई स्पष्टता है कि यह सर्किट वास्तव में प्रताप के जीवन और मूल्यों का सम्मान कैसे करेगा ? मेवाड़ का यह भी कहना है कि 'महाराणा प्रताप के परिवार के सदस्यों और जन प्रतिनिधियों से भी सार्थक रूप से सलाह नहीं ली गई है।

बेटे ने की पिता की निर्मम हत्या

कान काटकर निकाली आंख, इस बात से था नाराज

बारां, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। मांगरोल थाना क्षेत्र के रींझिया गांव में एक कलियुगी बेटे ने धारदार हथियार से ताबड़तोड़ वार कर पिता की निमर्मतापूर्वक हत्या कर दी। आरोपी बेटे विजय धाकड़ ने पिता नरोत्तम के प्रति जबरदस्त आक्रोश दिखाते हुए पहले धारदार हथियार (कुटिया) से सिर पर वार किया। फिर कान काट लिया और कमर पर इतने वार किए कि रक्तधारा बह निकली। आंख भी निकाल ली।

बाद में परिजन लहूलुहान हालत में नरोत्तम को लेकर मांगरोल अस्पताल पहुंचे। जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वारदात की सूचना पर पुलिस उपाधीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह आडा ने घटना स्थल का मौका निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि आरोपी विजय धाकड़ को डिटेन कर लिया गया है।

पड़ोस के गांव में की थी शादी

सूचना पर अस्पताल पहुंचे एएसआई सूरजमल खींची ने बताया कि करीब तीन साल पहले मृतक नरोत्तम धाकड़ उर्फ पप्पू (45) की पत्नी की मौत हो गई थी। उसके बाद उसने पास के ही गांव जारेला में रोशनी बाई सहरिया (40) से कोर्ट मैरिज कर ली। इसके बाद से नरोत्तम व उसके पुत्र विजय (22) में कहासुनी होती रहती थी।

दोनों में कहासुनी हुई तो आवेश में आकर विजय ने घर पर ही शराब के नशे धारदार हथियार (कुटिया) से वारकर पिता को मौत के घाट उतार दिया। बाद में मांगरोल उप जिला चिकित्सालय में जांच के बाद चिकित्सकों ने नरोत्तम को मृत घोषित कर दिया।

5 मासूमों के साथ मां ने लगाई कुएं में छलांग

2 जुड़वां बच्चों की दर्दनाक मौत, ग्रामीणों ने 3 को बचाया

पाली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। रायपुर मारवाड़ उपखंड के झूठा गांव में गुरुवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई। यहां एक महिला ने अपने पांच बच्चों के साथ कुएं में छलांग लगा दी। हादसे में जुड़वां बच्चों की मौत हो गई, जबकि महिला और उसके तीन अन्य बच्चे घायल हो गए। सभी घायलों को तुरंत रायपुर उप जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

रायपुर थाने के एएसआई के अनुसार, सुमित्रा (30) अपने बच्चों दीपू (5), दिव्या (3), काली (2) और एक साल के जुड़वां नारू व प्रेम को साथ लेकर कुएं में कूद गई। घटना के दौरान चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंच गई।

ग्रामीणों की मदद से पहले महिला को कुएं से बाहर निकाला गया। इसके बाद सभी बच्चों को भी बाहर निकाला गया। सभी को रायपुर उप जिला अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद जुड़वां बच्चों नारू और प्रेम को मृत घोषित कर दिया। दोनों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाए गए हैं।

पुलिस के अनुसार महिला की ओर से उठाए गए इस कदम के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है। घटना के समय उसका पति घर पर नहीं था। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और महिला का बयान सामने आने के बाद ही घटना के पीछे की वजह साफ हो सकेगी।

नाजायज शराब फैक्ट्रियों पर कार्रवाई

11 हजार 5 सौ लीटर वॉश नष्ट किया

लक्ष्मीपुरा, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले के छबड़ा क्षेत्र के संवेदनशील लक्ष्मीपुरा गांव में अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग और पुलिस ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई की। यह कार्रवाई आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के निर्देश पर की गई। अतिरिक्त आबकारी आयुक्त नरेश कुमार मालव और जिला आबकारी अधिकारी देवेंद्र गिरि के नेतृत्व में आबकारी विभाग और स्थानीय पुलिस की टीम ने गांव में दबिश दी। कार्रवाई का उद्देश्य अवैध और नाजायज हथकड़ी शराब के निर्माण और बिक्री पर रोक लगाना था। दबिश के दौरान आबकारी थाना छबड़ा में दो अहम और दो साधारण, कुल चार अभियोग दर्ज किए गए, जबकि आबकारी वृत्त छीपाबड़ौद में एक साधारण अभियोग दर्ज किया गया। इस प्रकार कुल पांच मामले दर्ज किए गए हैं। टीम ने मौके से करीब 15.25 लीटर नाजायज हथकड़ी शराब और 150 लीटर वॉश बरामद की। इसके अलावा दो शराब भट्टियां जब्त की गईं। वहीं अवैध शराब निर्माण में प्रयुक्त 25 भट्टियों और लगभग 11,500 लीटर वॉश को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इस संयुक्त कार्रवाई में सहायक आबकारी अधिकारी विवेक शर्मा, आबकारी निरीक्षक प्रकाश, प्रहराधिकारी प्रमोद सिंह, मदनलाल मीणा, रूपाराम सहित कोटा, बारां, भवानीमंडी और छबड़ा के आबकारी निरोधक दल तथा छबड़ा थाना पुलिस का जाप्ता मौजूद रहा।

इनामी आरोपी नरगिस ने किया सरेंडर, प्रेमजाल में फंसाकर ऐंठती थी लाखों रुपए

कोटा, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। हनीट्रैप मामले में करीब एक साल से फरार चल रही 10 हजार रुपए की इनामी आरोपी बबलप्रीत उर्फ नरगिस ने रेलवे कॉलोनी थाना पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। बबलप्रीत के खिलाफ न्यायालय में ट्रायल इन एब्सेंटिया (अनुपस्थिति में सुनवाई) की कार्यवाही शुरू होने की सूचना मिलते ही वह डर गई और चंडीगढ़ से कोटा आकर पुलिस के सामने पेश हो गई। एडिशनल एसपी दिलीप सैनी ने बताया कि इस मामले में पहले ही असलम शेर खान उर्फ चिंटू उर्फ कालिया, दानिश हनीफी उर्फ नाई, इरफान

उर्फ तनू, समा परवीन और गोलू को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा चुका है, जबकि मुख्य आरोपी बबलप्रीत उर्फ नरगिस फरार चल रही थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

सैनी ने बताया कि 25 अक्टूबर 2024 को सद्दामुद्दीन नामक व्यक्ति ने रेलवे कॉलोनी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि इरफान रिश्ते में उसका भाई लगता है। वह अवैध और गैरकानूनी गतिविधियों में लिप्त है।

इरफान ने बबलप्रीत से विवाह किया था, लेकिन बाद में दोनों अलग हो गए। इसके बाद बबलप्रीत ने खुद को बेसहारा बताकर सद्दामुद्दीन से नजदीकियां बढ़ाई और उससे विवाह कर उसके साथ रहने लगी। कुछ समय बाद प्रार्थी को पता चला कि बबलप्रीत अपने पहले पति इरफान और उसके साथियों दानिश हनीफी और असलम चिंटू कालिया के संपर्क में है और हनीट्रैप गिरोह का हिस्सा है।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक तथा हिंदी पुस्तक समीक्षा संपन्न

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे पर गुरुवार को संतोष कुमार वर्मा, मंडल रेल प्रबंधक/हैदराबाद की अध्यक्षता में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 184वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में डी.एस.रामाराव, अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक, डॉ सीएच. पद्मा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सहित सभी शाखा अधिकारियों ने भाग लिया।

आशा महेश कुमार, राजभाषा अधिकारी ने अध्यक्ष महोदय तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया। बैठक के आरंभ में मंडल रेल प्रबंधक के करकमलों से हैदराबाद मंडल की हिंदी ई-पत्रिका हैदराबाद दर्पण का विमोचन किया गया। इस प्रयास के लिए राजभाषा विभाग को बधाई देते हुए अध्यक्ष ने आशा व्यक्त की कि विभिन्न विभागों से संबंधित गतिविधियां, अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा लिखे गए लेख, कहानियां, कविताएं आदि शामिल करने से भविष्य में यह पत्रिका अधिक ज्ञानवर्धक और उपयोगी बनेगी। अध्यक्ष ने राजभाषा कार्यान्वयन हेतु वार्षिक कार्यक्रम के अंतर्गत निर्धारित मद विशेषकर धारा 3 (3) के प्रलेखों को अंग्रेजी-हिंदी द्विभाषी रूप में जारी करना, हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में देना, हिंदी में मूल पत्राचार को बढ़ाने का प्रयास करना, सभी विभागों द्वारा वेबसाइट को द्विभाषी रूप में अपडेट करना तथा सभी अधिकारी अपने निरीक्षणों में हिंदी मदों को जोड़ने के लिए नियमित रूप से गूगल शीटों का उपयोग करना आदि पर विशेष जोर देने के लिए कहा। डीएस रामाराव, अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक ने हिंदी ई-पत्रिका के नियमित विमोचन पर राजभाषा विभाग की प्रशंसा की। उन्होंने इस बात पर भी प्रसन्नता व्यक्त की कि हैदराबाद मंडल के सभी स्टेशन संचालन नियम एवं फाटक संचालन नियम क्रमशः द्विभाषिक और त्रिभाषी रूप में उपलब्ध हैं।

उन्होंने संबंधित शाखा अधिकारियों से अनुरोध किया कि वर्ष 2025-26 के लिए गृह मंत्रालय द्वारा जारी राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों के अनुपालन पर विशेष ध्यान दें। ई-ऑफिस में हिंदी क्विक नोटिंग के प्रयोग को बनाए रखें।

रोहिंग्या युवक की चाकू मारकर हत्या, आरोपी हिरासत में

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में गुरुवार को एक 19 वर्षीय रोहिंग्या युवक की चाकू मारकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। यह घटना नशे की हालत में हुए झगड़े के बाद हुई। पुलिस के अनुसार, हत्या का आरोप एक अन्य रोहिंग्या युवक पर है। पुलिस ने बताया कि 17 दिसंबर की तड़के करीब 1.30 बजे बालापुर इलाके में बने रोहिंग्या शिविर में दोनों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। इसी दौरान आरोपी ने चाकू से युवक पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। युवक को 19 बार चाकू मारा गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतक के शरीर पर 19 चाकू के घाव पाए गए हैं। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। साथ ही यह जांच की जा रही है कि आरोपी नाबालिग है या नहीं। इस मामले में हत्या का केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

तेलंगाना का बिजली क्षेत्र गंभीर संकट में : किशन रेड्डी

> 30 हजार करोड़ से अधिक का कर्ज होने का दावा

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि तेलंगाना का बिजली क्षेत्र गहरे वित्तीय संकट से गुजर रहा है और राज्य की बिजली उत्पादन व वितरण कंपनियां भारी कर्ज और लगातार बढ़ते घाटे के बोझ तले दबी हुई हैं। मीडिया से बातचीत में किशन रेड्डी ने कहा कि खुद तेलंगाना सरकार द्वारा जारी श्वेत पत्र में बिजली क्षेत्र पर 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की देनदारियां उजागर हुई हैं।

इसके अलावा, राज्य पर सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी का लगभग 47,000 करोड़ रुपये बकाया है, जिससे बिजली क्षेत्र लगभग पतन की स्थिति में पहुंच गया है। उन्होंने कहा, बिजली की मांग हर दिन बढ़ रही है, लेकिन बिजली उपयोगिताओं की आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती जा रही है।

हैदराबाद और अन्य इलाकों में मामूली बारिश या हवा चलने पर भी बिजली आपूर्ति बाधित हो जाती है। इसके लिए उन्होंने राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि धन की कमी के कारण पुराने बकाये तक चुकाए नहीं जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार बिजली उत्पादन के हर पहलू में तेलंगाना को सहयोग देने के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि नई तकनीक के जरिए पावर केबल सिस्टम को मजबूत किया गया है और वन नेशन-वन ग्रिड व्यवस्था के तहत बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित की गई है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि केंद्र सरकार एनटीपीसी के माध्यम से 4,000 मेगावाट बिजली उत्पादन का निर्णय ले चुकी है। किशन रेड्डी ने कहा कि बिजली एक बुनियादी आवश्यकता है और तेलंगाना को वैश्विक हब के रूप में उभरने के लिए विश्वसनीय बिजली आपूर्ति बेहद जरूरी है। उन्होंने नई वितरण कंपनियां बनाने के बजाय बिजली उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया।

उन्होंने चेतावनी दी कि जहां भरोसेमंद बिजली नहीं होगी, वहां उद्योग निवेश नहीं करेंगे। उन्होंने बताया कि आज भी 74 प्रतिशत बिजली उत्पादन थर्मल पावर पर निर्भर है और मोदी सरकार के सत्ता में आने से पहले आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में लगातार बिजली कटौती के दौर को याद किया। विधायकों की अयोग्यता के मुद्दे पर किशन रेड्डी ने तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया और उनसे इस पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित विधायकों ने सार्वजनिक रूप से पार्टी बदलने की घोषणा की थी और कांग्रेस के लिए प्रचार भी किया था।

मनैर नदी पर बने चेक डैम को क्षति

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जयशंकर-भूपालपल्ली जिले के मंथानी मंडल के अदाविसोमनपल्ली और मल्हार मंडल के पीवी नगर के बीच मनैर नदी पर स्थित चेक डैम बुधवार को क्षतिग्रस्त पाया गया। सुबह तक बांध सही स्थिति में था, लेकिन दोपहर तक लगभग 120 मीटर का हिस्सा टूट गया। स्थानीय लोगों ने पानी के नीचे बहते होने की सूचना दी और संदेह जताया कि रेत माफिया ने अवैध रेत परिवहन के लिए बांध को नुकसान पहुंचाया हो।

सूचना मिलने पर सिंचाई विभाग के जूनियर इंजीनियर निखिल ने मौके का दौरा किया। उन्होंने कहा कि नदी में पर्याप्त बाढ़ नहीं होने के बावजूद यह नुकसान हुआ है। मंथानी पुलिस ने अधिकार क्षेत्र की कमी का हवाला देते हुए शिकायत दर्ज करने से इनकार किया, इसलिए अधिकारियों ने जयशंकर-भूपालपल्ली जिला पुलिस में मामला दर्ज कराने का निर्णय लिया। स्थानीय निवासियों और किसानों ने याद दिलाया कि 2023 में जब मनैर नदी में लगभग 12 लाख क्यूसेक पानी बह रहा था, तब भी यह बांध सुरक्षित था। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में केवल 1,000 क्यूसेक पानी के बावजूद नुकसान जानबूझकर किया गया। यह चेक डैम 2021 में पिछली बीआरएस सरकार द्वारा 40 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया था और 2024 में इसकी सहायक दीवारें भी बनाई गई थीं।

सरपंच चुनाव के बाद तनाव, पुलिस ने हवा में गोलियां चलाकर किया नियंत्रण

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार रात वेल्गाटूर मंडल के पैडिपल्लि गांव में सरपंच चुनाव परिणामों को लेकर तनाव फैल गया। दिन में मतगणना के दौरान झड़प हुई और बीआरएस समर्थित उम्मीदवार गंगुला मंगा को विजयी घोषित किया गया। पराजित भाजपा उम्मीदवार ममता ने अपने समर्थकों के साथ मतगणना पर सवाल उठाए और परिणाम में हेरफेर का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों ने मतदान केंद्र पर धरना देकर मतपेटियों को स्थानांतरित होने से रोका।

पुलिस ने स्थिति नियंत्रित करने के लिए हवा में गोलियां चलाईं और लाठीचार्ज किया। प्रदर्शनकारियों ने जवाब में पुलिस पर पत्थर फेंके और पुलिस वाहनों को नुकसान पहुंचाया, जिसमें एक कांस्टेबल घायल हुआ।

मूर्तियों में जान फूंकने वाले राम सुतार का निधन

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रसिद्ध मूर्तिकार और दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के शिल्पकार राम वनजी सुतार का बुधवार देर रात नोएडा स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। उनके निधन के साथ ही भारतीय कला जगत का एक ऐसा अध्याय समाप्त हो गया, जिसने आकार, विचार और इतिहास को मूर्त रूप देने का काम किया।

नोएडा स्थित अपने विशाल स्टूडियो में राम वी. सुतार जब कभी अपने आसन पर बैठते थे, तो वह सिर्फ एक कलाकार नहीं, बल्कि सतत संघर्ष और साधना का प्रतीक दिखाई देते थे। दशकों तक कला के क्षेत्र में उनकी यात्रा आसान नहीं रही। सीमित संसाधनों, बदलते समय और कला के प्रति घटते धैर्य के बीच उन्होंने लगभग एकाकी होकर अपनी राह बनाई। उम्र के नौ दशक पार कर लेने के बाद भी उनके भीतर सृजन की ऊर्जा और संकल्प जीवित रहा। राम सुतार की मूर्तिकला की दुनिया महापुरुषों से भरी रही। महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल, दीन दयाल उपाध्याय, छत्रपति शिवाजी महाराज उनकी कृतियों में इतिहास, विचार और राष्ट्र की आत्मा एक साथ सांस लेते नजर आते हैं। अयोध्या के राम मंदिर में कांसे से बनी 300 फीट ऊंची जटायु की कुबेर टीला पर स्थापित की गई है मूर्ति है, सुतार ने ही बनाई। संसद परिसर में स्थापित गांधी की ध्यानमग्न प्रतिमा हो या घोड़े पर सवार शिवाजी महाराज की भव्य आकृति, हर रचना में उन्होंने व्यक्तित्व से पहले विचार को उकेरा।

टीटीडी की भूमि ओबेरॉय को देने पर वाईएसआरसीपी ने सरकार पर लगाया घोटाले का आरोप

तिरुपति, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरसीपी के वरिष्ठ नेता और टीटीडी के पूर्व अध्यक्ष बी करुणाकर रेड्डी ने एनडीए गठबंधन सरकार पर आरोप लगाया कि पर्यटन विकास के बहाने टीटीडी की बहुमूल्य 20 एकड़ से अधिक भूमि लक्जरी होटल समूह ओबेरॉय को सौंपने की साजिश रची जा रही है। करुणाकर रेड्डी ने कहा कि अलीपिरी के पास स्थित यह भूमि, जिसका मूल्य पंजीकरण रिकॉर्ड के अनुसार 460 करोड़ रुपये से अधिक और खुले बाजार में 3,000 करोड़ रुपये से अधिक है, केवल 18 करोड़ रुपये की पर्यटन विभाग की भूमि के बदले में दी जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह भगवान वेंकटेश्वर की संपत्ति की लूट है और टीटीडी का अब तक का सबसे बड़ा घोटाला है।

कृष्णा जल बंटवारे पर तेलंगाना ने जताई आपत्ति

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने एक बार फिर कृष्णा नदी के पानी के असमान उपयोग को लेकर चिंता जताई है। राज्य का कहना है कि आंध्र प्रदेश ने इस जल वर्ष में अपने हिस्से से कहीं अधिक पानी का इस्तेमाल किया है। तेलंगाना ने कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड (केआरएमबी) को पत्र लिखकर मांग की है कि संयुक्त परियोजनाओं से पानी की निकासी पर कड़ी निगरानी रखी जाए, ताकि आंध्र प्रदेश तय कोटे के अनुसार ही पानी ले।

सिंचाई अधिकारियों के अनुसार, जल वर्ष 2025-26 में अब तक आंध्र प्रदेश 533.53 टीएमसी पानी का उपयोग कर चुका है, जबकि तेलंगाना सिर्फ 116.9 टीएमसी पानी ही ले सका है। कुल उपयोग में आंध्र प्रदेश का हिस्सा करीब 82 प्रतिशत और तेलंगाना का सिर्फ 18 प्रतिशत है। तेलंगाना का कहना है कि मौजूदा 66:34 के अंतरिम बंटवारे के बावजूद आंध्र प्रदेश के कोटे में अब केवल 82 टीएमसी पानी ही बचा है। राज्य का अनुमान है कि आंध्र प्रदेश को मई 2026 तक और 142 टीएमसी पानी की जरूरत पड़ेगी। फिलहाल श्रीशैलम और नागार्जुन सागर जलाशयों में कुल 299 टीएमसी पानी उपलब्ध है। तेलंगाना का कहना है कि यह पानी आने वाले महीनों के लिए बेहद जरूरी है, इसलिए इसका समान और नियंत्रित उपयोग होना चाहिए। गौरतलब है कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के बीच कृष्णा जल बंटवारे का विवाद 2014 में राज्य विभाजन के बाद से चला आ रहा है। अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। तेलंगाना ने साफ कहा है कि मौजूदा असंतुलन आगे जारी नहीं रह सकता।

नामपल्ली रेलवे स्टेशन पर पुराना फुट ओवर ब्रिज हटाया जाएगा

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जन सुरक्षा और सुचारू रेल संचालन सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने नामपल्ली रेलवे स्टेशन पर स्थित पुराने फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) को हटाने का निर्णय लिया है। रेड हिल्स क्षेत्र को पब्लिक गार्डन से जोड़ने वाला यह एफओबी पांच दशक से अधिक पुराना है और किसी प्लेटफॉर्म से जुड़ा नहीं है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह ढांचा जर्जर हो गया है और कई रेलवे यार्ड लाइनों के ऊपर से गुजरने के कारण सुरक्षा के लिए खतरा बन गया है। इस ब्रिज को हटाने का कार्य 20 से 23 दिसंबर के बीच किया जाएगा। इस दौरान सुरक्षा के पर्याप्त उपाय किए जाएंगे और जहां आवश्यक होगा, ट्रेन संचालन को विनियमित किया जाएगा। एससीआर ने रेल यात्रियों और आम जनता से सहयोग करने का अनुरोध किया है।

नशीली दवाओं के साथ दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग के अधिकारियों ने गुरुवार को माधापुर में दो व्यक्तियों को नशीले पदार्थों के साथ गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 1.12 किलोग्राम गांजा और 4.2 ग्राम हशीश का तेल जब्त किया गया। सूचना के आधार पर राज्य टास्क फोर्स की टीम ने सूर्य प्रकाश और रॉबर्ट राजू को पकड़ा। दोनों आरोपियों ने कुछ लोगों से प्रतिबंधित सामग्री खरीदी थी और उसे शहर में बेचने की योजना बना रहे थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सरकारी स्कूल में खाद्य विषाक्तता से छात्रा की मौत

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निज़ामाबाद जिले के पोचमपद स्थित तेलंगाना सोशल वेलफेयर रेजिडेंशियल स्कूल में गुरुवार को कक्षा आठवीं की छात्रा साईं लिखिता (14) की संदिग्ध खाद्य विषाक्तता के कारण मौत हो गई। छात्रा पहले से पीलिया से पीड़ित थी, जिससे विषाक्तता की गंभीरता बढ़ गई। उसका हैदराबाद के अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। सरकारी आवासीय स्कूलों में खाद्य विषाक्तता के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। 12 दिसंबर को हैदराबाद के दो अलग-अलग स्कूलों में लगभग 60 छात्र भोजन करने के बाद बीमार पड़े।

माधापुर स्थित सरकारी प्राथमिक विद्यालय चंदू नायक थंडा में 44 छात्र और बाग लिंगमपल्ली के तेलंगाना अल्पसंख्यक आवासीय स्कूल में 16 छात्र बीमार हुए। पिछले साल भी आश्रम स्कूल-वांकिडी की छात्रा चौधरी शैलजा की खाद्य विषाक्तता के कारण मौत हुई थी। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने राज्य के सरकारी आवासीय स्कूलों में लगभग 48 छात्रों की मौत और 886 खाद्य विषाक्तता घटनाओं की रिपोर्ट मांगी थी।

दंत चिकित्सक बाल प्रत्यारोपण और सौंदर्य शल्यक्रिया कर सकते हैं, केंद्र का स्पष्टीकरण

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि मुख एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी (ओएमएफएस) में प्रशिक्षित दंत चिकित्सक बाल प्रत्यारोपण और सौंदर्य शल्यक्रिया करने के लिए कानूनी रूप से अधिकृत हैं। यह जानकारी राज्यसभा में सांसद विवेक के. टन्खा द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने दी। मंत्रालय ने बताया कि ये प्रक्रियाएं सिर, चेहरे और जबड़े तक ही सीमित रहेंगी। ओएमएफएस विशेषज्ञ एमडीएस पाठ्यक्रम के तहत व्यापक और मान्यता प्राप्त स्नातकोत्तर प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं, जो उनके कार्यक्षेत्र को सामान्य चिकित्सा और त्वचा विशेषज्ञों से अलग करता है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय दंत परिषद (डीसीआई) और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) की भूमिकाएं परस्पर विरोधी नहीं बल्कि एक-दूसरे की पूरक हैं।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस इलाज योजना

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस इलाज योजना के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह योजना आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन रक्षक साबित हो सकती है। इस योजना के तहत, सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को अस्पताल में भर्ती होने के पहले सात दिनों के लिए प्रति व्यक्ति प्रति दुर्घटना 1.50 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज मिलेगा। सरकार उपचार शुरू करने में वित्तीय बाधाओं को दूर करने के लिए सीधे भुगतान करेगी। गडकरी ने बताया कि अक्सर दुर्घटना पीड़ित और उनके परिवार इलाज शुरू करने में हिचकिचाते हैं क्योंकि पैसे का इंतजाम नहीं हो पाता। इस योजना से यह समस्या खत्म होती है और तत्काल चिकित्सा शुरू की जा सकती है। मंत्री ने कहा कि यह पहल विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों और दिहाड़ी मजदूरों के लिए लाभदायक है।

साथ ही, यह आसपास मौजूद लोगों और आपातकालीन कर्मियों को पीड़ितों को जल्दी अस्पताल पहुंचाने के लिए प्रोत्साहित करती है। गडकरी ने कहा कि कैशलेस उपचार योजना समय पर, समावेशी और मानवीय आपातकालीन देखभाल सुनिश्चित करती है और इससे सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने में मदद मिलेगी।

स्टील कंपनी विस्फोट में दो मजदूरों की मौत

मेदक, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल स्टील कंपनी, रंगाईपल्ली, मनोहरबाद मंडल में मंगलवार को तकनीकी खराबी के कारण हुए विस्फोट में मृतकों की संख्या बढ़कर दो हो गई। विस्फोट में पहले ही सारांश कुमार (35) की मौके पर मौत हो गई थी। गंभीर रूप से घायल राजेश पांडे (53) का हैदराबाद के अस्पताल में इलाज चल रहा था, लेकिन गुरुवार सुबह उन्होंने भी दम तोड़ दिया। घायलों के परिवारों ने कंपनी से अनुरोध किया है कि उन्हें अनुग्रह राशि दी जाए और मृतक श्रमिकों के परिवारों के सदस्यों को रोजगार प्रदान किया जाए।

हसीनों का कैसिनों मनाया गया

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच का हिमायतनगर स्थित एक होटल में वार्षिक उत्सव का कार्यक्रम हसीनों का कैसिनो संपन्न हुआ। उत्सव में शामिल सभी महिलाएं रेड एंड ब्लैक के थीम पर शामिल हुईं। कार्यक्रम के शुरूआत में अर्ली बर्ड प्रतियोगिता खेलाया गया, उसके बाद हसीनो का तंबोला खिलाया गया। कार्यक्रम में कैसिनो क्वीन का खिताब पूजा चिरानिया को दिया गया। अवसर पर अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, स्मिता शाह, श्रद्धा सुखिया, शीतल बंसल, रूपा गुप्ता, संगीता जजोड़िया, वंदना पचारिया, रितु गोयल, प्रीति गोयल, सपना जैन, नीता अग्रवाल, जॉली गुप्ता, बृंदा पटेल, अस्मिता हीरापारा, अंजना मेहता, ज्योति कुलकर्णी, अरुणा तुलशियां, सोनिया गोयल, संगीता बिंदल, सुनयना नर्सीरिया आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पवन भुवानिया का विशेष योगदान रहा।

एक शाम श्री गुलेश्वर महाराज का जागरण 25 को

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बालाजीनगर स्थित श्री आईमाताजी वडेर में संत श्री जीतारामजी महाराज के सानिध्य में, संत श्री गुलारामजी महाराज सेवा संघ भक्तों के तत्वावधान में एक शाम संत श्री गुलेश्वर महाराज के नाम जागरण गुरुवार दि. 25 दिसंबर रात्रि 8.15 बजे से आयोजित किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में सेवा संघ के अध्यक्ष अचलाराम हाम्बड़, सचिव राजाराम सोयल ने संयुक्त रूप से बताया कि हर वर्ष की भांति संत श्री गुलेश्वर महाराज के नाम जागरण का आयोजन किया जाएगा। सायं 4.30 बजे भव्य शोभा यात्रा, एवं पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए महाप्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। रात्रि 8.30 बजे जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें राजयोगी राजगुरु चेतननाथ चौहान, अनिता जांगिड़ एवं जितू प्रजापत गुरुवर के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे।

कार्यक्रम में पधारे भक्तों की सेवार्थ संत श्री गुलारामजी महाराज सेवा संघ के अध्यक्ष अचलाराम हाम्बड़, सचिव राजाराम सोयल, कोषाध्यक्ष भंवरलाल हाम्बड़, संस्थापक केसाराम गेहलोत, ओमप्रकाश सोयल व सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। मंच का संचालन पूनाराम पंवार करेंगे। युट्युब पर सीधा प्रसारण एवं साउंड की व्यवस्था आईजी साउंड पारस सीरवी द्वारा की जाएगी। समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन है उपरोक्त कार्यक्रम में समय पर पधार कर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें ट्वीटर @SCRailwayindia पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे की निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइटः www.scr.indanrailways.gov.in पर भी देख सकते हैं

खुली ई-निविदा सूचना संख्याः डीआऱएम/वर्क्स/बीजेडए/43/2025, दि.15-12-2025

PUB/1513

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, निम्न कार्यों हेतु हरेक तत्संबंधित **विवरित तिथि के 15.00** बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः 1. निविदा संख्याः ई-52-उत्तर-बीजेडए-2025, **कार्य विवरणः एडीइएन/एसएलओ** सब डिवीजन-निम्नानुसार, स्टाफ क्वार्टर्स का प्रस्तावित **सुधार कार्य (एसएलओ, सीसीटी & सीओए** पर बहुमंजिला या मल्टि स्टोरीड ब्लाक्स) तत्संबंधित सुधार कार्य जैसे खराब दरवाजों व खिडकियों का सही रूप से प्रतिस्थापित करते हुए, मच्छर जाल या मास्किटो मेश का प्रावधान, टूटे/नष्ट हुए ड्राप वाल्स, स्टेयर केस हैण्ड रेलींग्स का सुधार करना, कोरोडेड पाइप लाइनों का प्रतिस्थापन, नालियों या ड्रैन्स की खुदाई करना तथा मलबा हटाना आदि (एसएलओ-क्वार्टर नंबर्स-111, 113, 116, 118, 124 & 134-कुल 76 युनिट्स, सीसीटी- क्वार्टर नंबर्स-50, 52, 72, 75, 76 & 86 -कुल 52 युनिट्स & सीओए-क्वार्टर नंबर्स-78,107 & 108-कुल 31 युनिट्स) (छत्र कार्य परियोजना आयडीःवर्ष 2024-25 की 11.06.51.24.3.55.002)
कार्य पूरा करने की अवधिः06 (छह महिने), **निविदा मूल्य** रु.1,97,35,816.00 **पूर्व धरोहर राशि-पूधरा** रु.2,48,700.00 **बंद करने की तिथिः** 07-01-2026

क्रम संख्याः 2. निविदा संख्याःइ-53-उत्तर-बीजेडए-2025 **कार्य विवरणः सीसीटी-**वेटिंग हाल्स & रूम्स सहित शौचालयों, वीआईपी लाउंज, बुकिंग आफिस, पार्सल आफिस का सुधार कार्य तथा पीएफ 1 पर अन्य यात्रियों से संबंधित सुविधाएं & पीएफ नं.2 & 3 पर पीएफ सरफेज, पानी की आपूर्ति व्यवस्थाओं, एसएसआर वाटर बूथ्स, सिट्टींग बेन्चेस का सुधार कार्य। (छत्र कार्य परियोजना आयडीःवर्ष 2024-25 की 11.06.53.24.3.55.071)
कार्य पूरा करने की अवधिः12 (बारह महिने), **निविदा मूल्य** रु.8,30,18,959.00 **पूर्व धरोहर राशि**-पूधरा रु.5,65,100.00 **बंद करने की तिथिः** 07-01-2026

क्रम संख्याः 3. निविदा संख्याःइ-54-उत्तर-बीजेडए-2025 **कार्य विवरणः** वायएलएम-पीएफ बैलेंस लेंथ हेतु पीएफ नं.2 पर मोडूलर टायलेट्स या शौचालयों & प्रीमियम वेटिंग हाल, सीओपी शेल्टर्स का प्रावधान, बुकिंग आफिस & रिटायरिंग रूम्स शामिल करते हुए नई बिल्डिंग का निर्माण कार्य। (छत्र कार्य परियोजना आयडीःवर्ष 2024-25 की 11.06.53.24.3.55.034)
कार्य पूरा करने की अवधिः12 (बारह महिने), **निविदा मूल्य** रु.8,12,00,136.00 **पूर्व धरोहर राशि-पूधरा** रु.5,56,000.00 **बंद करने की तिथिः** 07-01-2026

क्रम संख्याः 4. निविदा संख्याःइ-55-उत्तर-बीजेडए-2025 **कार्य विवरणः** एसएलओ—वेटिंग हाल्स & वेटिंग रूम्स सहित शौचालयों, वीआईपी लाउंज, बुकिंग आफिस, पार्सल आफिस का सुधार कार्य तथा पीएफ 1 पर अन्य यात्रियों से संबंधित सुविधाएं & पीएफ सरफेज, पानी की आपूर्ति व्यवस्थाओं, एसएसआर वाटर बूथ्स, सिट्टींग बेन्चेस का सुधार कार्य तथा पीएफ नं.2 & 3 पर आईआऱएस टाइप के सीओपी शेल्टर्स का प्रावधान। (छत्र कार्य परियोजना आयडीःवर्ष 2024-25 की 11.06.53.24.3.55.070)
कार्य पूरा करने की अवधिः12 (बारह महिने), **निविदा मूल्य रु.**8,32,29,568.00 **पूर्व धरोहर राशि-पूधरा** रु.5,66,200.00 **बंद करने की तिथिः** 07-01-2026

क्रम संख्याः 5. निविदा संख्याः इ-56-उत्तर-बीजेडए-2025 **कार्य विवरणः** विजयवाडा डिवीजनः बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शनः 2 वर्ष की अवधि हेतु एसआर. डीइएन/उत्तर/बीजेडए क्षेत्राधिकार में एडीइएन/आरजेवाय, एसएलओ व टुनी सब डिवीजनों पर सेस्स/स्लोप्स आदि सहित ट्रैक्स की साफ सफाई कार्य के साथ तत्संबंधित ट्रैक रन्निंग मीटर्स किसी एक तरफ, मैला, मलबा, प्लास्टिक व बिखरे हुए पेपर वेस्ट तथा अन्य मटेरियल्स हटाना/ उठाना।
कार्य पूरा करने की अवधिः 24 (चौबीस महिने), निविदा मूल्य रु.37,65,840.00 **पूर्व धरोहर राशि-पूधरा** रु.75,300.00 **बंद करने की तिथिः**09-01-2026

1. निविदा शर्तें/अन्य विवरण जैसे कार्य की संपूर्ण जानकारी, उपरोक्त कार्यों का तत्समान स्वभाव का कार्य, अर्हता मानदंड आदि, वेबसाइटःwww.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध है।
2. भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुद्धिपत्रों को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पहले, वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।
3. निविदा सूचना को, विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे का कार्यालय, विजयवाडा पर भी प्रदर्शित किया गया है तथा इसे विजयवाडा डिवीजन के एडीइएन सब-डिवीजनल कार्यालयों पर भी देखा जा सकता है।
4. रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), विजयवाडा

निविदा सूचना संख्याः 11-जीएस-एससी-।।-25-ओटी, दि.12-12-2025

PUB/1612

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, सीएओ/सी/आरएसपी/एससीआर-इंजीनियरींग/ दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा **ई-प्रोक्योरमेंट** के माध्यम से निम्न कार्यों हेतु दि.09-01-2026 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्याः 11-जीएस-एससी-।।-25-ओटी, **कार्य विवरणः** हैदराबाद डिवीजन के गति शक्ति युनिट के लिए सामान्य परामर्शदाता (जनरल कंसल्टैन्ट) की नियुक्ति हेतु प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी)।
विज्ञापित मूल्य रु.3,57,47,760.00 **पूर्व धरोहर राशि-पूधरा** रु.3,28,700.00

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।

उप मुख्य अभियंता/गति शक्ति/ हैदराबाद

शुद्धिपत्र संख्याः ई-05-बीजेडए -2025, दि.15-12-2025

PUB/1614

ई-निविदा सूचना संख्या- डीआऱएम/ वर्क्स/बीजेडए/41/2025, दि.02-12-2025 के तहत आमंत्रित निविदा संख्या-ई-37- सेंट्रल-बीजेडए-2025 के प्रति निम्न संशोधन किया गया है तथा जिसका विवरण नीचे दिया गया है।

क्रम संख्याः1, निविदा दस्तावेज हटाया गयाः फाइल का नामः 3- शर्तों युक्त ट्रैक कार्य। अब नया निविदा दस्तावेज जोडा गया हैः **फाइल का नामः**3- शर्तों युक्त ट्रैक कार्य-पीडीएफ।

क्रम संख्याः2, निविदा दस्तावेज हटाया गयाः दस्तावेज कार्य विवरणः शर्तों युक्त ट्रैक कार्य। अब **नया निविदा दस्तावेज जोडा गया हैः दस्तावेज कार्य विवरणः** शर्तों युक्त ट्रैक कार्य।

कृपया ध्यान दें कि, उपरोक्त निविदा सूचना के अन्य नियम व शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।

A2046 विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), विजयवाडा

निविदा शर्तें/अधिक जानकारी एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

पूर्व तट रेलवे
सूचना सं.: eT-Central-WAT-45-2025
दिनांक: 11.12.2025
कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के KK लाइन में सहायक मण्डल अभियन्ता/कोरापुट के अधिकार क्षेत्र के अधीन सुकु-कोरापुट के बीच कि.मी. 183/24-25 पर एवं मानाबार-जरति के बीच कि.मी. 197/40-42 पर LHS (सीमित ऊंचाई वाले उपमार्ग) का निर्माण।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 4,12,22,508.09, EMD : ₹ 3,56,100/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने।
निविदा बंद होने की तिथि व समय : 02.01.2026 को 1500 बजे।
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कुरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।
मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-913/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

मैच रद्द होने पर शशि थरूर ने बीसीसीआई को घेरा

बोले- यह मैच तिरुवनंतपुरम में होना चाहिए था

अखिलेश यादव ने सरकार को जिम्मेदार बताया

लखनऊ, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत-साउथ अफ्रीका मैच कोहरे के कारण रद्द होने के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बीसीसीआई को घेरा है। मुकाबला 17 दिसंबर को लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में होना था, लेकिन घने कोहरे की वजह से टॉस भी नहीं हो सका। वहीं, थरूर के अलावा उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सरकार को घेरा है।

यह मैच तिरुवनंतपुरम में आयोजित करना चाहिए था- थरूर

थरूर ने लखनऊ में वायु गुणवत्ता की आलोचना की है और ऐसी परिस्थिति में इंटरनेशनल मुकाबले की मेजबानी सौंपने के फैसले पर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने एक्स पर लिखा, क्रिकेट फैन लखनऊ में इंडिया बनाम साउथ अफ्रीका मैच शुरू होने का व्यर्थ ही इंतजार कर रहे हैं। उत्तर भारत के अधिकांश शहरों में घने कोहरे और 411 एक्यूआई के कारण विजिबिलिटी इतनी खराब है कि क्रिकेट मैच संभव नहीं है। उन्हें यह मैच तिरुवनंतपुरम में आयोजित करना चाहिए था, जहां एक्यूआई लगभग 68 है।

दिल्ली का प्रदूषण अब लखनऊ तक पहुंच गया- अखिलेश यादव

अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा, दिल्ली का प्रदूषण अब लखनऊ तक पहुंच गया है। इसीलिए लखनऊ में होने वाला इंटरनेशनल क्रिकेट मैच नहीं हो पा रहा है। दरअसल इसकी वजह कोहरा या फॉग नहीं, स्मॉग है।

हमने जो पार्क लखनऊ की शुद्ध हवा के लिए बनवाए थे, भाजपा सरकार वहां भी इंवेटबाजी करवाकर उन्हें बर्बाद करना चाहती है। भाजपाई न इंसान के सगे हैं, न पर्यावरण के। मुंह ढक लीजिए कि आप लखनऊ में हैं।

दर्शक बोला- तीन बोरा गेहूं बेचकर मैच देखने आए

मैच के रद्द होने से दर्शकों में काफी नाराजगी और आक्रोश है। उन्होंने पैसा वापस करने की मांग की। एक दर्शक ने बताया कि हम तीन बोरे गेहूं बेचकर मैच देखने आए हैं, हमार टिकट का पैसा वापस करो। कई अन्य दर्शकों ने भी इसी प्रकार की मांग रखी।

साधु-संत भी मैच देखने पहुंचे थे

सचिन तेंदुलकर के फैन सुधीर शंख लेकर आए थे। उन्होंने इंडिया की जीत के लिए शंखनाद किया। साधु-संत भी मैच देखने पहुंचे थे, लेकिन कोहरे ने मजा किरकिरा कर दिया

भारत-पाकिस्तान में एशिया कप ट्रॉफी के लिए होगा मुकाबला? बन रहा समीकरण

खेल डेस्क, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने यूएई में पाकिस्तान को हराकर एक एशिया कप ट्रॉफी 28 सितंबर 2025 को जीती थी। अब उसी जमीन पर 81 दिन बाद उसके सामने एक और एशिया कप ट्रॉफी जीतने का मौका अंडर 19 क्रिकेट में बन रहा है। आयुष म्हात्रे की कप्तानी में भारत अंडर 19 एशिया कप का खिताब अपने नाम कर सकता है, वो भी पाकिस्तान को ही हराकर। हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि अंडर 19 एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच फाइनल में टकराव के आसार बन रहे हैं।

यू19 एशिया कप के सेमीफाइनल की लाइन-अप कैसी है?

अंडर 19 एशिया कप 2025 के सेमीफाइनल की लाइन अप तय हो चुकी है। पहले सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला श्रीलंका के साथ होगा। वहीं टूर्नामेंट के दूसरे

सेमीफाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन बांग्लादेश का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। ये दोनों सेमीफाइनल मुकाबले 19 दिसंबर को खेले जाएंगे।

कैसे फाइनल में भिड़ सकते हैं भारत-पाकिस्तान?

अब अगर अपने ग्रुप में टॉप पर रहा भारत, श्रीलंका को हरा देता है और उधर दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश से जीत जाती है तो फिर आने वाला संडे रोमांचक होगा, उसकी फुल गारंटी रहेगी। ऐसा इसलिए क्योंकि अंडर 19 एशिया कप 2025 का फाइनल मुकाबला संडे यानी 21 दिसंबर को ही खेला जाना है। और, अगर भारत-पाकिस्तान सेमीफाइनल में जीतते हैं तो फिर वो फाइनल में टकराते दिखेंगे।

यू19 एशिया कप 2025 में कितनी बार भिड़े भारत-पाक?

अंडर 19 एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत-पाकिस्तान भिड़े तो टूर्नामेंट में एक हफ्ते में ये उनकी दूसरी भिड़ंत होगी। इससे पहले 14 दिसंबर को दोनों टीमें ग्रुप स्टेज पर आमने सामने हुई थी। उस मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 90 रन से हरा दिया था।

भारतीय टीम ने उस मैच में पहले बल्लेबाजी की थी और 46।1 ओवर में 240 रन बनाकर ऑलआउट हो गई थी। भारत की तरफ से उस मैच में एरन जॉर्ज ने सबसे ज्यादा 85 रन बनाए थे। वहीं कनिष्क चौहान ने 46 रन की शानदार पारी खेली थी।

जवाब में 241 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तानी टीम 150 रन पर सिमटकर मुकाबला हार गई। भारत की तरफ से कनिष्क चौहान और दीपेश देवेंद्रन ने 3-3 विकेट लिए थे। वहीं किशन सिंह को 2 विकेट, जबकि 1 विकेट वैभव सूर्यवंशी को भी मिला था।

लखनऊ टी-20 देखने कोई नेपाल से आया, किसी ने गेहूं बेचा

बीसीसीआई सबके पैसे लौटाएगा, कोहरे के कारण रद्द हुआ था भारत बनाम साउथ अफ्रीका मैच

लखनऊ, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत-साउथ अफ्रीका चौथा टी-20 मैच देखने के लिए एक क्रिकेटप्रेमी ने गेहूं बेचकर टिकट खरीदा था। एक तो नेपाल से लखनऊ सिर्फ मैच देखने आया था लेकिन घने कोहरे के कारण मैच रद्द हो गया। निराश दर्शकों ने टिकट के पैसे मांगने शुरू कर दिए। अब बीसीसीआई उनके पैसे लौटाएगा।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 17 दिसंबर को लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना था। शहर में शाम से ही कोहरा था। इसके बावजूद हजारों दर्शक स्टेडियम पहुंचे। हालांकि मैच में टॉस तक नहीं हो सका। अंपायरों ने छह बार मैदान का मुआयना किया। आखिर में तय हुआ कि विजिबिलिटी कम है और मैच नहीं हो सकता। इसलिए दर्शकों को बिना मैच देखे ही लौटना पड़ा।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि सभी इंटरनेशनल मैचों का इंश्योरेंस होता है, जो आयोजन करने वाली राज्य क्रिकेट एसोसिएशन कराती है। नियम के मुताबिक अगर मैच में एक भी गेंद फेंकी जाती, तो पैसा वापस नहीं मिलता। भारत-साउथ अफ्रीका चौथे टी-20 मैच में टॉस तक नहीं हुआ। इसलिए यूपी क्रिकेट एसोसिएशन इंश्योरेंस कंपनी से क्लेम करेगी।

यह प्रक्रिया पूरी होने में करीब 7 से 10 दिन लगेंगे। टिकट ऑनलाइन बेचे गए थे, इसलिए दर्शकों की जानकारी उपलब्ध है। इंश्योरेंस का पैसा मिलने के बाद टिकट की रकम सीधे दर्शकों के बैंक खातों में वापस भेज दी जाएगी।

मैच रद्द होने से दर्शकों ने पैसे लौटाने की मांग की थी

मैच रद्द होने के बाद दर्शकों में नाराजगी देखने को मिली। एक क्रिकेटप्रेमी ने कहा, मैंने 3 बोरे गेहूं बेचकर टिकट खरीदा था। मेरे पैसे वापस करो। एक अन्य क्रिकेटफैन ने कहा कि वह नेपाल से सिर्फ मैच देखने के लिए लखनऊ आया था लेकिन अब निराश होकर लौटना पड़ रहा है।

कुछ युवाओं ने बताया कि उन्होंने 2–3 महीने तक पॉकेट मनी जमा कर टिकट खरीदा था। ऐसे में बिना एक भी गेंद फेंके मैच रद्द हो जाना उनके लिए निराशाजनक रहा। इन दर्शकों की मांग थी कि टिकट के पूरे पैसे वापस किए जाने चाहिए।

मैच का टिकट 500 रुपए से 25 हजार तक

इकाना स्टेडियम में मैच के टिकट 500 रुपए से लेकर 25 हजार रुपए तक के थे। सबसे सस्ता टिकट 500 रुपए का था, जबकि इसके बाद 8,500 रुपए का टिकट उपलब्ध था। हॉस्पिटैलिटी टिकट में फुल बुफे की सुविधा दी गई थी। वहीं, VIP लाउंज के टिकट की कीमत 25 हजार रुपए तक थी।

सीरीज में टीम इंडिया 2-1 से आगे

5 मैच की टी-20 सीरीज में टीम इंडिया 2-1 से आगे है। भारत ने पहला मैच 101 रन से जीता था, इसके बाद साउथ अफ्रीका ने मुल्लांपुर में खेले गए दूसरे मैच में 51 रन से जीतकर वापसी की। तीसरे मैच में धर्मशाला में भारत ने 7 विकेट से जीत हासिल करते हुए फिर बढ़त बना ली। आखिरी मैच 19 दिसंबर को अहमदबाद में खेला जाएगा।

2 साल पहले धर्मशाला में भारत-न्यूजीलैंड मैच रोका गया था

2 साल पहले 2023 वनडे वर्ल्ड कप में कोहरे के कारण भारत-न्यूजीलैंड मैच को रोका गया था। 15 से 20 मिनट के लिए कुछ समय तक मैच रुकने के बाद मुकाबला शुरू हुआ था। उस मुकाबले को भारत ने 4 विकेट से जीता था।

केकेआर ने गलती तो नहीं कर दी?

9.2 करोड़ में बिकने वाला मुस्तफिजुर रहमान शायद आईपीएल 2026 के कई मैच न खेल पाए

कोलकाता, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन में कोलकाता नाइटराइडर्स 64.3 करोड़ के सबसे बड़े पर्स के साथ टेबल पर उथरी थी। टीम ने कई 25.2 करोड़ में कैमरून ग्रीन, 18 करोड़ में मथीशा पथिराना को खरीदा। इसके अलावा फ्रेंचाइजी ने बांग्लादेश के मुस्तफिजुर रहमान को भी 9.2 के हाई प्राइस में परचेज किया। इस दौरान उनके अलावा दिल्ली कैपिटल्स और चेन्नई सुपरकिंग्स ने भी रहमान को अपने पाले में करने की कोशिश की थी। लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही है कि ये बांग्लादेशी खिलाड़ी आईपीएल 2026 का फुल सीजन के लिए अवेलेबल न रहे।

क्या केकेआर को टेंशन लेनी चाहिए?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुस्तफिजुर रहमान 16 से 23 अप्रैल तक आईपीएल के लिए एवेलेबल नहीं रहेंगे, जब

बांग्लादेश न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टी-20 इंटरनेशनल सीरीज खेलनी जाने वाली है। हालांकि टूर की सही तारीखें अभी तय नहीं हुई हैं। हालांकि, केकेआर के लिए चिंता की कोई बड़ी वजह नहीं हो सकती है क्योंकि मुस्तफिजुर टूर्नामेंट के बड़े हिस्से के लिए मौजूद रहेंगे। ये स्टार पेसर टी-20 इंटरनेशनल टीम का फर्स्ट-टीम मेंबर है, जबकि वो वनडे फॉर्मेट में सिर्फ स्क्वाड प्लेयर है। इसलिए, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड एक पार्शियल नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट जारी करने वाला है जो उसे वनडे सीरीज से छूट देगा, और इसलिए वो सिर्फ सबसे छोटे फॉर्मेट की अंतराष्ट्रीय सीरीज खेलने के बाद भारत लौट आएंगे।

मुस्तफिजुर रहमान ने इतिहास रचा

मुस्तफिजुर रहमान ने आईपीएल 2026 की नीलामी में 9।2 करोड़ रुपये की कीमत पाकर इतिहास रच दिया है। वो इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे महंगे बांग्लादेशी खिलाड़ी बन गए हैं। ये स्टार पेसर मशरफे मोर्तजा, शाकिब अल हसन और लिटन दास के बाद इंडियन प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए खेलने वाले चौथे बांग्लादेशी खिलाड़ी भी बन गए हैं। उन्होंने अपने पूरे आईपीएल करियर में 60 मैच खेले हैं और कुल 65 विकेट लिए हैं। केकेआर से पहले, वो रहमान सनराइजर्स हैदराबाद, चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेल चुके हैं।

भारत डोपिंग में लगातार तीसरी बार टॉप पर

2024 में 260 सैंपल पॉजिटिव, वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी की रिपोर्ट; आईओसी ने चिंता जताई

खेल डेस्क, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक भारत 2024 में लगातार तीसरी बार डोपिंग मामलों में दुनिया में पहले नंबर पर रहा। रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2024 में भारतीय खिलाड़ियों के 260 सैंपल डोपिंग टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए, जो किसी भी देश से सबसे ज्यादा हैं।

यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है, जब भारत 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी की तैयारी कर रहा है और 2036 ओलिंपिक की मेजबानी के लिए भी दावेदारी पेश कर चुका है। इसी साल जुलाई में जब भारतीय प्रतिनिधिमंडल लॉजेन गया था, तब इंटरनेशनल

ओलिंपिक कमेटी ने भारत में डोपिंग की बढ़ती समस्या पर चिंता जताई थी।

नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी ने 2024 में कुल 7,113 डोपिंग टेस्ट किए। इनमें 6,576 यूरिन और 537 ब्लड सैंपल शामिल थे। इन टेस्ट में 260 मामले पॉजिटिव निकले, यानी डोपिंग की दर 3।6% रही। जिन देशों में 5,000 से ज्यादा टेस्ट हुए, उनमें यह सबसे ज्यादा पॉजिटिविटी रेट है।

डोपिंग में बढ़ोतरी नहीं- नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी

नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी का कहना है कि डोपिंग के ज्यादा मामले सामने आना खिलाड़ियों में डोपिंग बढ़ने की वजह से नहीं, बल्कि सख्त जांच और बेहतर टेस्टिंग सिस्टम के कारण है। नाडा के मुताबिक, पहली नजर में ये आंकड़े चिंताजनक लग सकते हैं, लेकिन असल में ये भारत के मजबूत एंटी-डोपिंग प्रयासों और ज्यादा टेस्टिंग का नतीजा हैं।

नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी ने बताया कि 2023 में कुल 5,606 सैंपल की जांच की गई थी, जिनमें 213 केस पॉजिटिव पाए गए। वहीं 2025 में अब तक 7,068 टेस्ट किए जा चुके हैं, लेकिन पॉजिटिविटी रेट घटकर सिर्फ 1।5% रह गया है और 110 मामले ही सामने आए हैं। इससे साफ है कि टेस्टिंग बढ़ने के साथ डोपिंग पर नियंत्रण भी हुआ है।

डोपिंग रोकने के प्रयास जारी

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय खेलों में कुछ गहरी समस्याएं हैं। इनमें वैज्ञानिक रिसर्च की कमी और कोच, डॉक्टर व फिजियोथेरेपिस्ट को दवाओं और सप्लीमेंट्स की सही जानकारी न होना शामिल है। इससे डोपिंग के मामले सामने आते हैं।

वरुण चक्रवर्ती भारत के हाईएस्ट रेटिंग वाले बॉलर

818 पॉइंट्स हासिल किए; रोहित-कोहली वनडे रैंकिंग में टॉप-2 पर बरकरार

मुंबई, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। वरुण चक्रवर्ती टी-20 रैंकिंग में 818 रेटिंग पॉइंट्स के साथ भारत के सबसे ज्यादा रेटिंग पाने वाले गेंदबाज बन गए हैं। वनडे रैंकिंग में रोहित शर्मा और विराट कोहली पहले और दूसरे स्थान पर बरकरार हैं।

34 साल के वरुण इस साल सितंबर में पहली बार बॉलर्स रैंकिंग में टॉप पर पहुंचे थे। शानदार फॉर्म में चल रहे वरुण ने हाल ही में साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे मैच में दो विकेट लेकर भारत के लिए टी-20 में 50 विकेट पूरे किए और वे यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे सबसे तेज भारतीय गेंदबाज बने।

हालांकि, मेंस टी20 इंटरनेशनल में ओवरऑल सबसे ज्यादा रेटिंग का रिकॉर्ड पाकिस्तान के उमर गुल के नाम है, जिन्होंने

865 रेटिंग पॉइंट्स हासिल किए थे।

वरुण 51 विकेट ले चुके

वरुण अब तक 32 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 51 विकेट ले चुके हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/17 का रहा है। मौजूदा साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज में भी वे तीन मैचों में 6 विकेट लेकर टॉप विकेट-टेकर बने हुए हैं। बॉलर्स रैंकिंग में भारत को एक और फायदा मिला है, जहां अर्शदीप सिंह चार स्थान की छलांग लगाकर 16वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

अभिषेक शर्मा टॉप टी-20 बैटर

बल्लेबाजों की टी-20 रैंकिंग में अभिषेक शर्मा नंबर-1 पर बने हुए हैं। उनके नाम अब 909 रेटिंग पॉइंट्स हैं। वहीं तिलक वर्मा ने दो स्थान की छलांग लगाते हुए चौथा स्थान हासिल कर लिया है और उनके 774 रेटिंग पॉइंट्स हो गए हैं।

वनडे बैटर्स रैंकिंग रोहित-कोहली टॉप पर

वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय बल्लेबाजों का दबदबा कायम है। रोहित शर्मा टॉप पर बने हुए हैं, जबकि विराट कोहली दूसरे स्थान पर हैं। इसी सूची में शुभमन गिल पांचवें और श्रेयस अय्यर दसवें पायदान पर मौजूद हैं।

ऑलराउंडर्स रैंकिंग में दुबे को फायदा

ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में पाकिस्तान के सईम अयूब टॉप पर बने हुए हैं। वहीं भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे ने दो स्थान की छलांग लगाते हुए 16वां स्थान हासिल कर लिया है।

टेनिस जगत में बड़ा बदलाव, अल्कराज-फरेरो की सफल जोड़ी बिछड़ी; खत्म हुई सात साल की साझेदारी

मैड्रिड, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। विश्व के शीर्ष रैंकिंग वाले टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने अपने लंबे समय से कोच रहे जुआन कार्लोस फरेरो के साथ सात साल की सफल साझेदारी समाप्त करने का फैसला किया है। फरेरो वही कोच हैं जिन्होंने अल्कराज को पुरुष टेनिस के शिखर तक पहुंचाया।

अल्कराज ने सोशल मीडिया पर इस फैसले की घोषणा की। वहीं फरेरो ने अलग बयान में अपने शिष्य का धन्यवाद करते हुए कहा कि वे इस साझेदारी को जारी रखना चाहते थे। फरेरो ने अल्कराज को 15 साल की उम्र से कोचिंग दी, जिसके दम पर स्पेनिश स्टार ने

कुल छह ग्रैंड स्लैम खिताब जीते। इनमें दो फ्रेंच ओपन, दो विंबलडन और दो यूएस ओपन शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने 24 एटीपी टूर खिताब अपने नाम किए, जिनमें आठ मास्टर्स 1000 ट्रॉफियां शामिल हैं।

22 वर्षीय अल्कराज ने लिखा, 'सात साल से ज्यादा समय साथ बिताने के बाद, जुआनकी और मैंने कोच और खिलाड़ी के रूप में अपनी यात्रा को यहीं समाप्त करने का फैसला किया है। मेरे बचपन के सपनों को हकीकत में बदलने के लिए धन्यवाद। जब हमने यह सफर शुरू किया था, तब मैं बस एक बच्चा था। आपने कोर्ट के अंदर और बाहर, हर कदम पर मेरा साथ दिया। मैंने इस यात्रा के हर पल का भरपूर आनंद लिया।'

फरेरो के साथ ही अल्कराज 2022 में 19 साल की उम्र में यूएस ओपन जीतकर एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 बनने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने थे। फरेरो ने कहा, 'आज का दिन मुश्किल है।

पीएसजी ने फ्लेमेंगो को हराकर इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीता

सफोनोव ने बचाई चार पेनल्टी

दोहा, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने फ्लेमेंगो को हराकर इंटरकॉन्टिनेंटल कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया है। पीएसजी की इस जीत के हीरो मात्वेई सफोनोव रहे जिन्होंने पेनल्टी शूटआउट में लगातार चार पेनल्टी बचाई। पीएसजी की इस साल यह छठी ट्रॉफी है। निर्धारित और अतिरिक्त समय के बाद स्कोर 1-1 से बराबर था जिसके बाद पीएसजी ने पेनल्टी शूटआउट में 2-1 से जीत हासिल की। मैच खत्म होते ही रूसी गोलकीपर सफोनोव को उनके साथियों ने हवा में उछाल दिया। पीएसजी ने इस तरह से वर्ष 2025 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उसने इससे पहले डेस चैंपियंस, फ्रेंच लीग, फ्रेंच कप, चैंपियंस लीग और यूईएफए सुपर कप जीता था। ख्विचा क्वारात्स्खेलिया ने 38वें मिनट में पीएसजी को बढ़त दिलाई, जिसके बाद 62वें मिनट में जोर्जिन्हो ने पेनल्टी को गोल में बदलकर ब्राजील के क्लब फ्लेमेंगो को बराबरी दिलाई।

जोफ्रा आर्चर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 122 गेंदों पर किया कमाल, 6 साल बाद किया ऐसा धमाका

एडिलेड, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच एडिलेड में खेला जा रहा है। इस टेस्ट मैच में इंग्लैंड के पेसर जोफ्रा आर्चर का कमाल देखने को मिला है। उन्होंने एडिलेड टेस्ट की पहली पारी में गेंदबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया के 5 विकेट चटकाए हैं। साल 2019 के बाद ये पहली बार है जब जोफ्रा आर्चर ने टेस्ट क्रिकेट में 5 विकेट लेने का कारनामा किया है।

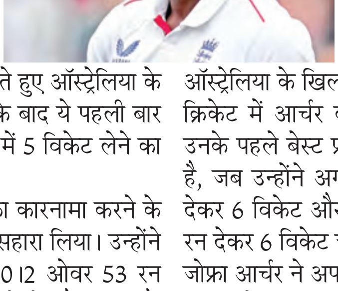

ऑस्ट्रेलिया के 5 विकट गिराने का कारनामा करने के लिए जोफ्रा आर्चर ने 122 गेंदों का सहारा लिया। उन्होंने एडिलेड टेस्ट की पहली पारी में 20।2 ओवर 53 रन देकर 5 विकेट लिए। टेस्ट क्रिकेट में ये चौथी बार है, जब जोफ्रा आर्चर ने 5 विकेट चटकाए हैं। उसमें से 3 बार 5 विकेट उन्होंने सिर्फ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लिए हैं, जबकि एक बार ये कमाल साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले टेस्ट में किया है। इससे पहले तीनों 5 विकेट शिकार उन्होंने साल 2019 में ही खेले टेस्ट में किए थे। जोफ्रा आर्चर ने एडिलेड टेस्ट की पहली बार में जिन-जिन बल्लेबाजों को आउट किया उनमें जेक वेदरॉल्ड, मार्नस लाबुशेन, कैमरन ग्रीन, मिचेल स्टार्क और नाथन लायन के नाम रहे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लिया 53 रन पर 5 विकेट, टेस्ट क्रिकेट में आर्चर का तीसरा बेस्ट गेंदबाजी फीगर है। उनके पहले बेस्ट प्रदर्शन भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही है, जब उन्होंने अगस्त 2019 में खेले टेस्ट में 45 रन देकर 6 विकेट और सितंबर 2019 में खेले टेस्ट में 62 रन देकर 6 विकेट चटकाए थे। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत भी साल 2019 में ही की थी। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ अगस्त 2019 में अपना पहला टेस्ट खेला था। लेकिन 6 साल पहले डेब्यू करने के बाद भी वो अब तक सिर्फ 18 टेस्ट ही खेल सके हैं तो सिर्फ इसलिए क्योंकि इंजरी ने उन्होंने क्रिकेट से लंबे समय तक के लिए दूर किए रखा।

पंचायत चुनावों में कांग्रेस की ऐतिहासिक जीत : मुख्यमंत्री

> स्पीकर के निर्णय पर टिप्पणी नहीं : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि हाल ही में तीन चरणों में संपन्न पंचायत चुनावों में कांग्रेस पार्टी ने शानदार जीत दर्ज की है। उन्होंने इसे अपनी सरकार के दो वर्षों के शासन पर जनता के स्पष्ट जनादेश के रूप में बताया। जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने कुल 12,702 ग्राम पंचायतों में से 7,527 में जीत हासिल की है। इसके अलावा 808 कांग्रेस समर्थित बागी उम्मीदवारों की जीत को जोड़ने पर पार्टी की कुल हिस्सेदारी 66 प्रतिशत तक पहुंच गई है। मुख्यमंत्री के अनुसार, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को 3,511 सीटें मिलीं, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 710 ग्राम पंचायतों में जीत दर्ज की।

उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस और भाजपा ने मिलकर चुनाव लड़ा, लेकिन तथाकथित बीआरएस-भाजपा गठबंधन को कुल 4,221 सीटें ही मिलीं, जो मात्र 33 प्रतिशत है। ये नतीजे हमारी सरकार पर जनता के भरोसे को दर्शाते हैं।, रेवंत रेड्डी ने सिकंदराबाद कैंटोनमेंट और जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनावों में कांग्रेस की जीत का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जिन 94 विधानसभा क्षेत्रों में पंचायत चुनाव हुए, उनमें से 87 में कांग्रेस को बहुमत मिला है। मुख्यमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि चुनाव शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न हुए तथा विपक्षी दलों के खिलाफ किसी प्रकार की प्रतिशोधात्मक कार्रवाई नहीं की गई। बीआरएस और भाजपा नेताओं द्वारा विधानसभा अध्यक्ष के दलबदल संबंधी फैसले पर की जा रही आलोचना पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह स्पीकर के निर्णय पर टिप्पणी नहीं करेंगे। यदि किसी को असंतोष है, तो वे अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

उन्होंने यह भी याद दिलाया कि पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने स्वयं पहले कहा था कि बीआरएस के पास केवल 37 विधायक हैं, जिसके आधार पर विधानसभा में समय आवंटित किया गया। मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि अब इस पर आपत्ति क्यों की जा रही है। रेवंत रेड्डी ने बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे फिलहाल राजनीति में निष्क्रिय हैं और गजवेल की जनता ने भी उनसे उम्मीद छोड़ दी है। उन्होंने टिप्पणी की, जहां नेतृत्व सक्रिय होता है, वहां अनुशासन रहता है, नेतृत्व के अभाव में ऐसा नहीं होता। सरपंच चुनावों के पूरा होने के बाद एमपीटीसी, जेडपीटीसी और नगर निकाय चुनावों को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

मुख्यमंत्री के क्रिसमस डिनर के बहिष्कार का आह्वान : मत्तैया

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ईसाई नेता यरुशलम मत्तैया ने कांग्रेस सरकार द्वारा लगातार उपेक्षा किए जाने का आरोप लगाते हुए 20 दिसंबर को एलबी स्टेडियम में आयोजित मुख्यमंत्री के क्रिसमस डिनर के बहिष्कार का आह्वान किया है।

मीडिया से बात करते हुए मत्तैया ने कहा कि सरकार चुनावी घोषणापत्र, अल्पसंख्यक घोषणा और ईसाई घोषणा में किए गए वादों को लागू करने में विफल रही है। इनमें कल्याणकारी योजनाएं, तीर्थयात्राएं और पादरियों को वित्तीय सहायता शामिल हैं। उन्होंने यरुशलम तीर्थयात्रा के क्रियान्वयन न होने, पादरियों को मानदेय न दिए जाने, ईसाई कब्रिस्तानों के लिए भूमि की कमी, चर्चों को अनुमति देने में देरी, संवैधानिक पदों पर ईसाइयों की नियुक्ति न होने जैसी कई शिकायतें गिनाईं। उन्होंने क्रिसमस उपहार वितरण में भेदभाव और क्रिश्चियन भवन के अधूरे निर्माण की भी आलोचना की।

गांधी परिवार के खिलाफ प्रतिशोध की राजनीति कर रही है भाजपा : मीनाक्षी

नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर कांग्रेस का भाजपा कार्यालय मार्च विफल

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को उस समय कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बन गई, जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत नामपल्ली स्थित तेलंगाना भाजपा मुख्यालय का घेराव करने का प्रयास किया। यह विरोध प्रदर्शन सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ नेशनल हेराल्ड मामले में केंद्र सरकार द्वारा कथित उत्पीड़न के विरोध में आयोजित किया गया था।

टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन सहित कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मार्च में शामिल थे। पार्टी के आह्वान पर विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता गांधी भवन पहुंचे। जब वे भाजपा कार्यालय की ओर रैली निकालने की तैयारी कर रहे थे, तो पुलिस ने अनुमति न होने का हवाला देते हुए प्रमुख नेताओं को हिरासत में ले लिया। इसी तरह भाजपा कार्यालय के घेराव के लिए निकली कांग्रेस महिला नेताओं को भी गिरफ्तार किया गया, जिनमें महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सुनीता राव सहित अन्य नेता शामिल थीं। पहले से सूचना होने के कारण पुलिस ने गांधी भवन और भाजपा कार्यालय पर भारी सुरक्षा बल तैनात किया था। एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन ने मीडिया से कहा कि भाजपा गांधी परिवार के खिलाफ प्रतिशोध की राजनीति कर रही है। उन्होंने मनरेगा से गांधी नाम हटाने पर भी नाराजगी जताई। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि भाजपा राहुल और सोनिया गांधी के खिलाफ झूठे मामले दर्ज कर रही है। नेशनल हेराल्ड स्वतंत्रता काल से अस्तित्व में रहा है। कांग्रेस इस मुद्दे को जनता तक ले जाएगी।

तेलंगाना में 21 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के निर्देशानुसार 21 दिसंबर 2025 को तेलंगाना राज्य में उच्च न्यायालय स्तर से लेकर तालुक स्तर तक राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। तेलंगाना राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक एवं मुख्य न्यायाधीश तथा कार्यकारी अध्यक्ष के मार्गदर्शन में आयोजित इस लोक अदालत का उद्देश्य सभी दीवानी मामलों और समझौता योग्य आपराधिक मामलों का निपटारा करना है, जिनमें वाद-पूर्व (प्री-लिटिगेशन) और लंबित प्रकरण शामिल हैं। इस प्रक्रिया में किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा तथा समझौता होने पर पहले से जमा की गई अदालत शुल्क राशि वापस कर दी जाएगी। लोक अदालत द्वारा पारित निर्णय अंतिम होंगे और उनके विरुद्ध किसी प्रकार की अपील का प्रावधान नहीं है। आम जनता से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की गई है। जनता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंडल विधिक सेवा समिति या निकटतम न्यायालय से संपर्क कर सकती है।

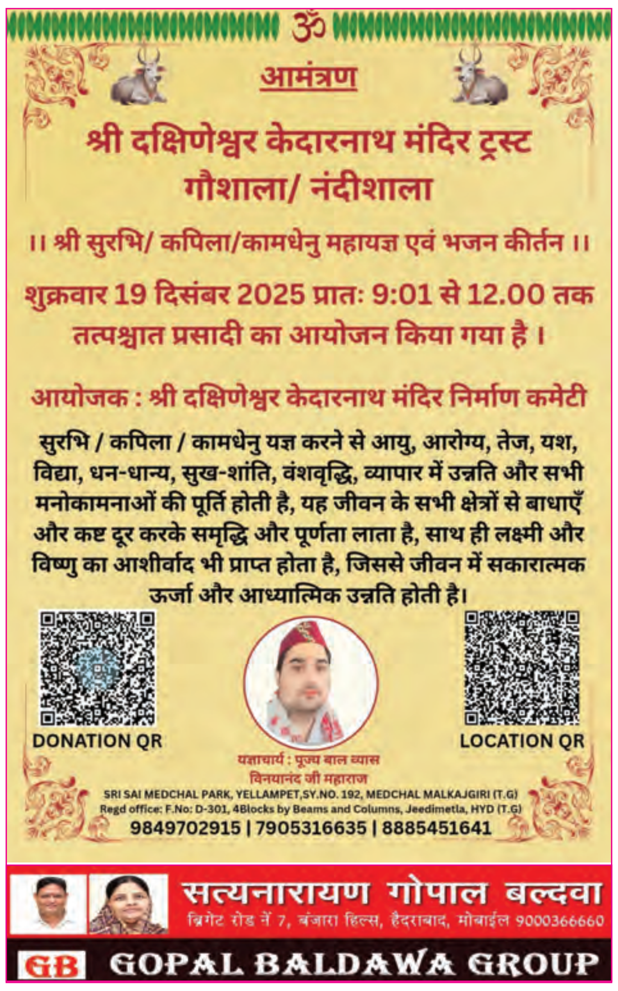

नाइपर का 13वां दीक्षांत समारोह कल

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाइपर), हैदराबाद अपने परिसर के सभागार में 20 दिसंबर को 13वां दीक्षांत समारोह आयोजित करेगा। इस अवसर पर वर्ष 2023-2025 बैच के कुल 222 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी, जिनमें 28 पीएचडी शोधार्थी तथा 194 छात्र एम.एस. (फार्मा), एम.टेक. (फार्मा) और एम.बी.ए. (फार्मा) कार्यक्रमों से शामिल हैं।

उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों को सम्मानित भी किया जाएगा। भारत सरकार के औषधि विभाग के वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार अवधेश कुमार चौधरी समारोह की अध्यक्षता करेंगे। दीक्षांत समारोह की मेजबानी नाइपर के निदेशक डॉ. शैलेन्द्र सराफ करेंगे, जिसमें प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और उद्योग जगत के नेताओं की भागीदारी रहेगी। एनआईआरएफ-2025 की फार्मेसी श्रेणी में 5वां स्थान प्राप्त करने वाला नाइपर हैदराबाद, कुशल फार्मास्युटिकल पेशेवरों के निर्माण और इस क्षेत्र में अनुसंधान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है।

अधिकारी नहीं, जनसेवक के रूप में याद किए जाएं : भट्टी

> डिप्टी सीएम ने अधिकारियों को दिया सुझाव

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सिविल सेवक तभी अपने पद की गरिमा के साथ न्याय करते हैं, जब लोग उन्हें केवल अधिकारी के रूप में नहीं, बल्कि जनसेवक के रूप में याद रखें। वे गुरुवार को मार्री चन्ना रेड्डी मानव संसाधन विकास केंद्र (एमसीआरएचआरडी) में आयोजित समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। यह समारोह अखिल भारतीय सेवाओं और केंद्रीय सेवाओं के अधिकारियों द्वारा 10 सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन के अवसर पर आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम में मंत्री श्रीधर बाबू और एमसीआरएचआरडी की उपाध्यक्ष शांति कुमारी भी उपस्थित थीं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों को हर दिन कार्यालय से निकलने से पहले स्वयं से एक प्रश्न पूछना चाहिए, क्या मेरे आज के कार्य से किसी के जीवन में सकारात्मक बदलाव या सम्मान आया? यदि उत्तर हां है, तो दिन कितना भी कठिन क्यों न रहा हो, उसे सफल माना जाना चाहिए। भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को ईमानदारी से सेवा करने, साहस के साथ निर्णय लेने, मानवीय दृष्टिकोण अपनाने और नेतृत्व के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इस कठोर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन अंत नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, विवेक, बुद्धिमत्ता और जनविश्वास से भरी एक नई यात्रा की शुरूआत है। विभिन्न राज्यों के कुल 203 अधिकारियों ने यह पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया, जिन सभी को उन्होंने बधाई दी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी यहां इंजीनियर, डॉक्टर, अर्थशास्त्री, वकील और तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में आए थे और अब सर्वोच्च पहचान व सम्मान के साथ विदा हो रहे हैं। उनके सामने उनकी प्रतिभा और योग्यता के अनुरूप अनेक अवसर हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल उत्सव का अवसर नहीं है। आगे चलकर अधिकारियों को जिम्मेदारियां, तबादले, जटिल समस्याएं और जनता के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण फाइलों का सामना करना होगा। समय पर निर्णय आवश्यक होंगे। सार्वजनिक सेवा में एक भी लापरवाह निर्णय किसी के जीवन को वर्षों तक प्रभावित कर सकता है। उन्होंने कहा कि शासन में दबाव, कठिन परिस्थितियां, मानवीय निर्णय और जनकल्याण के लिए निरंतर प्रयास शामिल होते हैं। प्रशंसा के साथ-साथ आलोचना भी होगी, लेकिन यह विश्वास बनाए रखना चाहिए कि हर कार्य जनता के लिए है।

नामपल्ली अदालत परिसर को बम से उड़ाने की धमकी

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को नामपल्ली आपराधिक न्यायालय परिसर में बम होने की धमकी मिलने से अफरा-तफरी मच गई।

अदालत के अधिकारियों को एक ईमेल मिला, जिसमें कहा गया था कि परिसर में बम लगाया गया है और वह किसी भी समय फट सकता है। सूचना मिलते ही पुलिस को इसकी जानकारी दी गई। इसके बाद हैदराबाद पुलिस की बम निरोधक और जांच टीम मौके पर पहुंची और पूरे अदालत परिसर की गहन तलाशी ली। जांच के बाद पुलिस ने बम की धमकी को झूठा बताया।

सुरक्षा जांच पूरी होने तक एहतियात के तौर पर वकीलों और आम लोगों को अदालत भवन में प्रवेश नहीं करने दिया गया। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि धमकी भरा ईमेल किसने और कहां से भेजा।

जगतियाल पंचायत चुनाव विवाद में भाजपा ने पुलिस कार्रवाई की निंदा की

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने जगतियाल जिले के वेलगटूर मंडल के पईडीपल्ली गांव में तीसरे चरण की ग्राम पंचायत मतगणना में अनियमितताओं का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि एक बैलेट के वोट नहीं गिने गए, जिससे भाजपा समर्थित उम्मीदवार 17 मतों से हार गया। पुनर्गणना की वैध मांग को नजरअंदाज किया गया। उन्होंने शांतिपूर्वक एकत्र भाजपा समर्थकों पर लाठीचार्ज और हवाई फायरिंग की निंदा की और निष्पक्ष जांच व पुनर्गणना की मांग की।

मनरेगा का नाम बदलना गांधी का अपमान : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीए) से महात्मा गांधी का नाम हटाना उनका अपमान है। मंत्री ने कहा कि गांधीजी का नाम हटाना शर्मनाक कृत्य है। गुरुवार को जारी एक बयान में पोंगुलेटी ने कहा कि वर्ष 2005 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने गरीब परिवारों को सहारा देने के उद्देश्य से इस ऐतिहासिक रोजगार गारंटी योजना की शुरूआत की थी, लेकिन पिछले दस वर्षों से भाजपा सरकार इस योजना को कमजोर और खोखला कर रही है। मंत्री ने महात्मा गांधी का नाम हटाने और योजना के 40 प्रतिशत वित्तीय बोझ को राज्यों पर डालने की आलोचना करते हुए इसे गरीबों की आजीविका पर हमला बताया। उन्होंने कहा कि आज संसद में पेश किया गया विधेयक विकास की दिशा में पीछे जाने वाला कदम है और इससे राज्यों पर असहनीय बोझ पड़ेगा। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने आगे कहा कि भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ रही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) का नाम बदलकर विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) करना अन्यायपूर्ण है।

यह जीत भाजपा कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का परिणाम : राव

स्थानीय निकाय चुनावों में विजयी भाजपा जनप्रतिनिधियों का सम्मान

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भुवनगिरि जिले में हाल ही में सम्पन्न स्थानीय निकाय चुनावों में सरपंच, उपसरपंच और वार्ड सदस्य के रूप में निर्वाचित भाजपा जनप्रतिनिधियों का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने विजयी जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए रामचंदर राव ने कहा कि यह जीत भाजपा कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत, मजबूत नेतृत्व और ग्रामीण विकास के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की प्रतिबद्धता पर जनता के विश्वास का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि भाजपा पार्टी गांव स्तर से लगातार मजबूत हो रही है और विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप तेलंगाना के हर घर तक पार्टी को पहुंचाने की दिशा में ये सफलताएं मजबूत और स्थायी आधार तैयार कर रही हैं। उन्होंने स्थानीय निकाय चुनावों में जीत दर्ज करने वाले सभी भाजपा सरपंचों, उपसरपंचों और वार्ड सदस्यों को प्रदेश इकाई की ओर से शुभकामनाएं और बधाई दी। उन्होंने कहा कि राज्यभर में सभी स्थानों पर चुनाव नहीं लड़ने के बावजूद, जहां-जहां भाजपा ने मुकाबला किया, वहां पार्टी को अच्छे परिणाम प्राप्त हुए।

राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति के दौरे से पहले रामोजी फिल्म सिटी नो-फ़्लाई जोन घोषित

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के रामोजी फिल्म सिटी (अब्दुल्लापुरमेट) दौरे के मद्देनज़र राचकोंडा पुलिस कमिश्नरेट ने 19 और 20 दिसंबर 2025 को इस क्षेत्र को नो-फ़्लाई और नो-ड्रोन ज़ोन घोषित किया है। इस संबंध में राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी. सुधीर बाबू ने सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने और वीवीआईपी सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार, ड्रोन, मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी), रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम (आरपीएएस), पैराग्लाइडर, माइक्रोलाइट विमान, गुब्बारे, कैमरा लगे पतंग तथा अन्य किसी भी प्रकार की हवाई वस्तुओं के संचालन पर सख्त प्रतिबंध रहेगा।

सक्षम प्राधिकारी से पूर्व लिखित अनुमति के बिना किसी भी तरह की उड़ान की इजाजत नहीं होगी। पुलिस ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि आदेशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.